NEET Bulletin Helpline No.
8800265682
Completely NEET Counselling Guidance specially for
MBBS BDS BAMS BHMS BUMS
B.Sc Nursing GNM D./ B. Pharma
BPT MPT D/BMLT D.Optometry
OT Technician Clinical Research
B.Sc Ag. Micro Bio Bio Chem
Bio tech. BNYS etc.

R.N.I.NO.-UPHIN/2011/41608
राष्ट्रीय हिंदी दैनिक
निर्भीक और बेबाक अभिव्यक्ति

विजडम इंडिया

EMAIL: sheelshukla100@gmail.com
लखनऊ से प्रकाशित

वर्ष: 14 अंक: 160 लखनऊ, रविवार 26 जनवरी 2025 मूल्य: 02 रुपये पृष्ठ- 08

कुवैत की योगा ट्रेनर, भक्ति गायक भेरू सिंह चौहान... पद्म पुरस्कारों का ऐलान, देखें लिस्ट में किसके–किसके नाम

एजेंसी।

नई नगालैंड के फल किसान एल हैंगथिंग, पुडुचेरी के वादक पी दत्चनमूर्ति को भी पद्मश्री से सम्मानित किया जाएगा। मध्यप्रदेश की सामाजिक उद्यमी सैली होलकर, मराठी लेखक मारुति भुजंगराव चितमपल्ली को पद्मश्री देने की घोषणा हुई है केंद्र ने गणतंत्र दिवस की पूर्व संध्या पर शनिवार को पद्म पुरस्कार 2025 प्राप्तकर्ताओं की सूची की घोषणा की। ब्राजील के एक हिंदू आध्यात्मिक नेता जोनास मसेटी और भारत की विरासत के बारे में लिखने के लिए प्रसिद्ध युगल ह्यूग और कोलीन गैंटजर, पद्म श्री से सम्मानित लोगों में से हैं। भक्ति गायक भेरू सिंह चौहान, पत्रकार भीम सिंह भावेश, उपन्यासकार जगदीश जोशीला, सर्वाइकल कैंसर की डॉक्टर नीरजा भाटला और कुवैत की योग चिकित्सक शेखा ए जे अल सबा भी पद्म श्री पुरस्कार पाने वालों में से हैं।देश के सर्वोच्च नागरिक सम्मानों में से पद्म पुरस्कार तीन श्रेणियों – पद्म विभूषण, पद्म भूषण और पद्म श्री में प्रदान किए जाते हैं। गृह मंत्रालय ने बताया कि पद्मश्री से सम्मानित किये जाने वालों की सूची में गोवा के 100 वर्षीय स्वतंत्रता सेनानी लीबिया लोबो सरदेसाई और पश्चिम बंगाल के ढाक वादक गोकुल चंद्र दास का नाम भी शामिल हैं। कुवैत की योग साधिका शेखा ए जे अल सबा और उत्तराखंड के ट्रैवल ब्लॉगर दंपति ह्यूग और कोलीन गैंटजर को पद्मश्री से सम्मानित किया जाएगा। नगालैंड के फल किसान एल हैंगथिंग, पुडुचेरी के वादक पी दत्चनमूर्ति को भी पद्मश्री से सम्मानित किया जाएगा। मध्यप्रदेश की सामाजिक उद्यमी सैली होलकर, मराठी लेखक मारुति भुजंगराव चितमपल्ली को पद्मश्री देने की घोषणा हुई है।

गणतंत्र दिवस की पूर्व संध्या पर राष्ट्रपति ने देश को किया संबोधित, बोलीं– आज विश्व का नेतृत्व कर रहा भारत

नई दिल्ली राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने राष्ट्र के नाम संबोधन में कहा कि साहसिक और दूरदर्शी आर्थिक सुधार आने वाले वर्षों में इस प्रवृत्ति को बनाए रखेंगे। संविधान भारतीय के रूप में हमारी सामूहिक पहचान को अंतिम आधार प्रदान करता है, यह हमें परिवार के रूप में एक साथ जोड़ता है। 76वें गणतंत्र दिवस की पूर्व संध्या पर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने राष्ट्र के नाम संबोधन दिया। संबोधन की शुरूआत में राष्ट्रपति ने देशवासियों को गणतंत्र दिवस की शुभकामनाएं दी। उन्होंने कहा कि आज हमें सबसे पहले उन वीर आत्माओं को याद करना चाहिए जिन्होंने मातृभूमि को विदेशी शासन की बेड़ियों से मुक्त कराने के लिए महान बलिदान दिया। कुछ प्रसिद्ध थे, जबकि कुछ हाल तक अल्पज्ञात रहे। उन्होंने कहा कि हम इस वर्ष भगवान बिरसा मुंडा की 150वीं जयंती मना रहे हैं, जो स्वतंत्रता सेनानियों के प्रतिनिधि के रूप में खड़े हैं, जिनकी राष्ट्रीय इतिहास में भूमिका को अब सही अनुपात में पहचाना जा रहा है। राष्ट्रपति ने कहा कि बीसवीं सदी के शुरुआती दशकों में, उनके संघर्ष एक संगठित राष्ट्रव्यापी स्वतंत्रता आंदोलन में का हिस्सा रहे हैं। राष्ट्रपति मुर्मू ने राष्ट्र के नाम अपने संबोधन में कहा कि न्याय, स्वतंत्रता, समानता और बंधुत्व हमेशा से हमारी सभ्यतागत विरासत का हिस्सा रहे हैं। सबसे पुरानी सभ्यताओं में से एक भारत को कभी ज्ञान और बुद्धिमत्ता के स्रोत के रूप में जाना जाता था। उन्होंने कहा कि संविधान के 75 वर्ष एक युवा गणतंत्र की सर्वांगीण प्रगति द्वारा चिह्नित हैं। आजादी के समय और उसके बाद भी, देश के बड़े हिस्से को अत्यधिक गरीबी और भुखमरी का सामना करना पड़ा था। लेकिन एक चीज जिससे हम वंचित नहीं थे वह था हमारा खुद पर विश्वास। हम ऐसी सही परिस्थितियाँ बनाने के लिए तैयार हैं जिनमें हर किसी को फलने–फूलने का अवसर मिले।द्रौपदी मुर्मू ने कहा कि हमारे किसानों ने कड़ी मेहनत की और हमारे देश को खाद्य उत्पादन में आत्मनिर्भर बनाया। हमारे श्रमिकों ने हमारे बुनियादी ढांचे और विनिर्माण क्षेत्र को बदलने के लिए लगातार काम किया। उनके उत्कृष्ट प्रयासों की बदौलत, भारत की अर्थव्यवस्था आज वैश्विक आर्थिक रुझानों को प्रभावित करती है। आज भारत अंतरराष्ट्रीय मंचों पर अग्रणी भूमिका निभा रहा है। के लिए प्री–मैट्रिक और पोस्ट–मैट्रिक छात्रवृत्ति, राष्ट्रीय फेलोशिप, विदेशी छात्रवृत्ति, छात्रावास और कोचिंग सुविधाएं प्रदान की जा रही हैं। प्रधानमंत्री अनुसूचित जाति अभ्युदय योजना रोजगार और आय सृजन के अवसरों को जोड़कर अनुसूचित जाति समुदायों के बीच गरीबी को कम करने में प्रगति कर रही है। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने राष्ट्र के नाम संबोधन में कहा कि साहसिक और दूरदर्शी आर्थिक सुधार आने वाले वर्षों में इस प्रवृत्ति को बनाए रखेंगे। संविधान भारतीय के रूप में हमारी सामूहिक पहचान को अंतिम आधार प्रदान करता है, यह हमें परिवार के रूप में एक साथ जोड़ता है। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने कहा कि चल रहे महाकुंभ को उस विरासत बंगाली, मराठी, पाली और प्राकृत को शास्त्रीय भाषाओं के रूप में मान्यता दी है। इस श्रेणी में पहले से ही तमिल, संस्कृत, तेलुगु, कन्नड़, मलयालम और उड़िया शामिल हैं। सरकार अब 11 शास्त्रीय भाषाओं में अनुसंधान को सक्रिय रूप से बढ़ावा दे रही है। उन्होंने कहा कि हमें 1947 में आजादी तो मिल गई, लेकिन औपनिवेशिक मानसिकता के कई अवशेष लंबे समय तक हमारे बीच मौजूद रहे। हाल ही में, हम उस मानसिकता को बदलने के लिए ठोस प्रयास देख रहे हैं। ऐसे प्रयासों में सबसे उल्लेखनीय था भारतीय दंड संहिता, दंड प्रक्रिया संहिता और भारतीय साक्ष्य अधिनियम को भारतीय न्याय संहिता, भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता और भारतीय साक्ष्य अधि
य।
ओं
नून
केंद्र
ान
वा,
च्चों
ला
देते

सम्राट चौधरी का आरोप, नेहरू से राजीव गांधी तक कांग्रेस रही आरक्षण विरोधी, संविधान का गला घोंटा

पटना।

चौधरी ने कहा कि 1950 में जब संविधान लागू हो रहा था, तब देश के पहले प्रधानमंत्री जवाहर लाल नेहरू आदिवासियों और दलितों को आरक्षण देने का विरोध कर रहे थे। उन्होंने कहा कि बिहार में जब कर्पूरी ठाकुर की सरकार ने अतिपिछड़ों को आरक्षण दिया, तब सरकार में शामिल जनसंघ के कैलाशपति मिश्र ने उनका समर्थन किया, जबकि कांग्रेस इसका विरोध करती रही।उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने कहा कि पंडित नेहरू से राजीव गांधी तक कांग्रेस सदा आरक्षण का विरोध करती रही, जबकि जनसंघ से भाजपा तक हमने हमेशा आरक्षण का समर्थन किया। उन्होंने कहा कि हमारे लंबे संघर्ष का सुफल है कि दलित, आदिवासी, ओबीसी, ईबीसी , महिला और यहाँ तक कि सवर्ण समाज के गरीबों को भी आरक्षण मिला हुआ है। कोई भी वर्ग आज आरक्षण से वंचित नहीं है। भारतीय जनता युवा मोर्चा (भाजयुमो –स्टडी सेल) की ओर से शसंविधान गौरव अभियानश के तहत पटना के गांधी घाट पर आयोजित कार्यक्रम में श्री चौधरी ने संविधान पर क्विज कॉन्टेस्ट के विजेताओं को सम्मानित किया। चौधरी ने कहा कि 1950 में जब संविधान लागू हो रहा था, तब देश के पहले प्रधानमंत्री जवाहर लाल नेहरू आदिवासियों और दलितों को आरक्षण देने का विरोध कर रहे थे। उन्होंने कहा कि बिहार में जब कर्पूरी ठाकुर की सरकार ने अतिपिछड़ों को आरक्षण दिया, तब सरकार में शामिल जनसंघ के कैलाशपति मिश्र ने उनका समर्थन किया, जबकि कांग्रेस इसका विरोधा करती रही। चौधरी ने कहा कि 1989 में जब प्रधानमंत्री वी पी सिंह ने मंडल आयोग की सिफारिश लागू कर पिछड़ों को आरक्षण दिया, तब भी कांग्रेस इसका विरोधा कर रही थी। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 2019 में सामान्य वर्ग के गरीबों को भी 10 फीसद आरक्षण दिया और उन्होंने ही पिछड़ा वर्ग आयोग को संवैधानिक दर्जा प्रदान किया। उपमुख्यमंत्री चौधरी ने कहा कि संविधान बचाने का नाटक करने वाली कांग्रेस ने ही जम्मू–कश्मीर में संविधान को लागू नहीं होने दिया, संविधान की प्रस्तावना से छेड़छाड़ कर शसेक्युलरश शब्द जोड़ा, आपातकाल लगा कर संविधान का गला घोंटा, लेकिन संविधान की मूल भावना का कभी आदर नहीं किया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने 5 अगस्त 2019 को धारा–370 हटा कर जम्मू–कश्मीर में भी संविधान को लागू कराया और एक देश में दो निशान, दो विधान और दो प्रधान की कांग्रेसी नीति को कूड़ेदान में डाल दिया। चौधरी ने कहा कि भाजपा ने गरीबों–वंचितों के लिए आरक्षण की व्यवस्था को मजबूत बनाने के साथ धारा–370 हटाने और अयोध्या में श्रीराम के जन्मस्थल पर भव्य मंदिर बनाने जैसे सभी बड़े राजनीतिक संकल्प पूरे किये। उन्होंने कहा कि हमारी पार्टी जो वादा करती है, उसे पूरा अवश्य करती है। यह विश्वास जन–जन तक पहुँच चुका है। जनता इसे मोदी की गारंटी मानती है।

वाईएसआरसीपी नेता के इस्तीफे पर नायडू ने कहा – यह पार्टी की वर्तमान स्थिति को दर्शाता है

नई दिल्लीी वी. विजयसाई रेड्डी के इस्तीफा देने के बाद वाईएसआर कांग्रेस पार्टी की ओर इशारा करते हुए आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू ने कहा कि किसी पार्टी से नेताओं का लगातार बाहर निकलना उसकी वर्तमान स्थिति को दर्शाता है। मुख्यमंत्री ने कहा कि उसे (वाईएसआर कांग्रेस पार्टी) ऐसी स्थिति का नियमित रूप से क्यों सामना करना पड़ रहा है।अमरावती । राज्यसभा से वी. विजयसाई रेड्डी के इस्तीफा देने के बाद वाईएसआर कांग्रेस पार्टी की ओर इशारा करते हुए आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन चंद्रबाबू नायडू ने कहा कि किसी पार्टी से नेताओं का लगातार बाहर निकलना उसकी वर्तमान स्थिति को दर्शाता है। विपक्षी पार्टी का नाम लिए बिना मुख्यमंत्री ने कहा कि उसे (वाईएसआर कांग्रेस पार्टी) ऐसी स्थिति का नियमित रूप से क्यों सामना करना पड़ रहा है। रेड्डी ने कहा कि उन्होंने राज्यसभा के सभापति जगदीप धनखड़ को अपना इस्तीफा सौंपा है और इसे स्वीकार कर लिया गया है। इससे पहले, शुक्रवार को रेड्डी ने कहा था कि वह किसी भी राजनीतिक पार्टी में शामिल नहीं होंगे और कृषि क्षेत्र में अपना भविष्य बनाएंगे। नायडू ने हाल में दावोस की अपनी यात्रा के बाद संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा, ''हमारे पास इस बात का कोई जवाब नहीं है कि उनकी पार्टी के सदस्य क्यों छोड़कर जा रहे हैं। अगर उन्हें विश्वास है, तो वे बने रहेंगे, अन्यथा वे अपने रास्ते तलाश लेंगे। मैं कह सकता हूं कि यह उस पार्टी (वाईएसआर कांग्रेस पार्टी) की स्थिति को दर्शाता है।''

डिटेंशन सेंटर में क्यों बंद हैं विदेशी नागरिक, हिमंता सरकार पर क्यों भड़क गया सुप्रीम कोर्ट

पीठ ने कहा कि हलफनामे में हिरासत में रखने का कोई औचित्य नहीं बताया गया है। निर्वासन के लिए उठाए गए कदमों का उल्लेख नहीं किया गया है। यह इस अदालत के आदेशों का घोर उल्लंघन है। हम मुख्य सचिव को वीडियो कॉन्फ्रेंस के जरिए उपस्थित रहने और अनुपालन नहीं होने के बारे में स्पष्टीकरण देने का निर्देश देते हैं।सुप्रीम कोर्ट ने असम सरकार के मटिया ट्रांजिट कैंप में 270 विदेशियों को हिरासत में रखने के कारणों का जवाब न देने के लिए नाखुशी जताई। न्यायमूर्ति अभय एस ओका और न्यायमूर्ति नोंग्मीकापम कोटिश्वर सिंह की पीठ ने असम के मुख्य सचिव को सुनवाई की अगली तारीख पर वीडियो कॉन्फ्रेंस के जरिए उपस्थित रहने का निर्देश दिया। शीर्ष अदालत ने कहा कि उसने 9 दिसंबर को राज्य सरकार को हलफनामा दाखिल करने के लिए छह सप्ताह का समय दिया था और उम्मीद है कि वह ट्रांजिट कैंप में 270 विदेशी नागरिकों को हिरासत में रखने के कारणों के अलावा उनके निर्वासन के लिए उठाए गए कदमों का विवरण भी देगी। पीठ ने कहा कि हलफनामे में हिरासत में रखने का कोई औचित्य नहीं बताया गया है। निर्वासन के लिए उठाए गए कदमों का उल्लेख नहीं किया गया है। यह इस अदालत के आदेशों का घोर उल्लंघन है। हम मुख्य सचिव को वीडियो कॉन्फ्रेंस के जरिए उपस्थित रहने और अनुपालन नहीं होने के बारे में स्पष्टीकरण देने का निर्देश देते हैं। असम सरकार ने क्या कहा राज्य सरकार की ओर से पेश हुए वकील ने कहा कि विदेशी न्यायाधिकरण द्वारा विदेशी घोषित किए जाने के बाद ही लोगों को हिरासत में लिया गया।

हाउस टैक्स बकायदारों पर नगर निगम की सख्त कार्रवाई, 09 भवन सील

लखनऊ नगर निगम ने हाउस टैक्स न जमा करने वालों के खिलाफ अपनी कार्रवाई को और तेज कर दिया है। इस अभियान के तहत शनिवार को विभिन्न जोन में सीलिंग और कुर्की की कार्रवाई की गई। नगर आयुक्त इंद्रजीत सिंह के आदेश पर यह कार्रवाई की गई, जिससे शहर के विभिन्न आवासीय और कमर्शियल भवनों को सील किया गया।जोन–1 और जोन–2 में कुल 10 भवनों के खिलाफ सीलिंग की कार्रवाई की गई, जिसमें एक लाख 48 हजार 902 रुपये का भुगतान किया गया। कुछ बकायदारों ने मौके पर ही पूरे बकाए का भुगतान किया, जबकि अन्य ने आंशिक भुगतान किया।जोन–1 के मशकगंज और वजीरगंज वार्ड में 05 भवनों पर सीलिंग और कुर्की की कार्रवाई की गई। इसके साथ ही 09 भवनों को नोटिस भी जारी किए गए। इन भवनों में से प्रमुख बकायदारों में अंजुमन इस्लाहुल मुस्लमीन, शफीउद्दीन ब्रदर्स, अनवर जहां, इरफान और बाबू लाल शामिल थे। इन बकायदारों से कुल 78,016 रुपये जमा किए गए।जोन–2 के अंतर्गत अंबेडकर नगर वार्ड में 05 भवनों पर सीलिंग और कुर्की की कार्रवाई की गई, जिसके बाद 70,886 रुपये बकायदारों से जमा किए गए। इस कार्रवाई में प्रमुख बकायदारों में सुनैना देवी, कुमार, सावित्री अवध, धर्मराज और कमरुद्दीन शामिल थे।नगर आयुक्त इंद्रजीत सिंह ने सभी जोनल अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि हाउस टैक्स बकायदारों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए, ताकि बकाया राशि की वसूली सुनिश्चित की जा सके।

जोन–7 में ट्रेड लाइसेंस न बनवाने पर मॉडल शाप सील, 1 लाख 73 हजार रुपये वसूले गए

लखनऊ नगर निगम की टीम ने जोन–7 में ट्रेड लाइसेंस न बनवाने पर मुंशीपुलिया स्थित एक मॉडल शॉप को सील कर दिया। इसके अलावा, तिवारीगंज स्थित दूसरी मॉडल शॉप के भवन का हाउस टैक्स न जमा होने पर उसे भी सील किया गया। इन दोनों स्थानों पर कार्रवाई के बाद नगर निगम की टीम ने कुल 1 लाख 73 हजार रुपये ट्रेड लाइसेंस फीस के रूप में वसूल किए।जोन–7 के कर अधीक्षक राम अचल ने बताया कि शनिवार को मुंशीपुलिया स्थित एक अंग्रेजी शराब की दुकान (मॉडल शॉप) को सील किया गया, क्योंकि उसका ट्रेड लाइसेंस नहीं था। देर शाम व्यापारियों ने ट्रेड लाइसेंस फीस जमा कर दी, जिसके बाद दुकान को फिर से खोल दिया गया।वहीं तिवारीगंज स्थित अंग्रेजी शराब की दुकान के भवन का हाउस टैक्स 3 लाख 19 हजार रुपये बकाया था। नगर निगम की टीम ने इस भवन को भी सील किया, लेकिन बाद में भवन स्वामी ने पार्ट पेमेंट किया।

मौनी अमावस्या से पहले उमड़ने लगा श्रद्धालुओं का रेला

मेला क्षेत्र के अंदर भी बनी जाम की स्थिति, पैदल चलना दूभर

महाकुंभ नगर(आरएनएस)। महाकुंभ के सबसे बड़े स्नान पर्व मौनी अमावस्या में शामिल होने के लिए आज से ही लोगों का प्रयागराज पहुंचने का क्रम शुरू हो गया है।महाकुंभ क्षेत्र में आज अत्यधिक भीड़ उमड़ पड़ी है। परेड ग्राउंड यानी महाकुंभ के प्रवेश द्वार पर भीषण जाम की स्थिति है। हनुमान मंदिर के पास से संगम क्षेत्र में सिर्फ सिर ही सिर नजर आ रहे हैं।द्य शास्त्री पुल के नीचे दारागंज की ओर से भीड़ का रेला टूट ही नहीं रहा है। सर्वाधिक भीड़ झुंसी के इलाके में सेक्टर 18 और 19 की ओर जा रही है। यहां सभी अखाड़े बसाए गए हैं। शंकराचार्य का शिविर भी यहीं है। अयोध्या की ओर से आ रहे लोग कल्पवासी क्षेत्र में अधिक दिख रहे हैं। नागवासुकी मंदिर से शिवकुटी कछार तक यह रेला आगे बढ़ रहा है। झूंसी की ओर से मुक्ति मार्ग, संगम लोवर मार्ग, हर्षवर्धन मार्ग, शंकराचार्य मार्ग और तुलसी मार्ग पूरी तरह से ब्लाक हो गए हैं। इतनी अधिक भीड़ है कि लोग पैदल ही जाम जैसी स्थिति से जूझ रहे हैं। धीरे–धीरे संगम और गंगा तट की ओर लोगों को भेजा जा रहा है जबकि उतनी ही संख्या में लोग स्नान के बाद वापस भी लौट रहे हैं।चटक धूप खिलने के साथ आज शनिवार व कल रविवार होने के कारण अवकाश का भी उपयोग करने के लिए लोग कुंभ क्षेत्र में बड़ी संख्या में आ रहे हैं। मेला क्षेत्र में जैसे–जैसे श्रद्धालुओं, स्नानार्थियों और पर्यटकों की भीड़ बढ़ेगी, वैसे–वैसे पुलिस अपने ट्रैफिक प्लान को बदल लेगी। महाकुंभ मेला क्षेत्र में सुगम और सुरक्षित यातायात को लेकर कई प्लान तैयार किए गए हैं। इसके अनुसार ही भीड़ का डायवर्जन और प्रबंधन किया जाएगा।मेला और कमिश्नरेट पुलिस समन्वय बनाकर यातायात प्रबंधन को कुशल बनाने पर जोर दे रही है। इसके साथ में पार्किंग और होल्डिंग एरिया पर भी विशेष ध्यान दिया जा रहा है ताकि आवश्यकता के अनुसार श्रद्धालुओं का मूवमेंट उस ओर बढ़ाया जा सके। महाकुंभ मेला में सामान्य दिनों में 20 से 40 लाख लोग स्नान करने के लिए आ रहे हैं।

एक बार पुनः मेले में लगी आग, सेक्टर 2 के पास दो गाड़ियां जली

प्रयागराज महाकुंभ (विनोद द्विवेदी -जिला संवाददाता)

कुंभ मेले में एक बार पुनः आग सेक्टर 2 में खड़ी गाड़ियों में लगी। मौके पर फायर ब्रिगेड ने तत्काल प्रभाव से आग पर काबू पाया लेकिन तब तक गाड़ी जलकर राख को चुकी थी बता दें कि शनिवार सुबह कुंभ मेला क्षेत्र में आग लगी। आग से किसी बड़े नुकसान की जानकारी नहीं है। फायर ब्रिगेड ने मौके पर पहुंचकर आग पर काबू पा लिया है। मेले की ओर जाने वाली मुख्य सड़क पर सेक्टर 2 के पास खड़ी दो गाड़ियों में अचानक आग लग गई। एक अर्टिगा और दूसरी वेन्यू कार है। एकादशी होने के कारण महाकुंभ में आज भारी संख्या में लोगों की भीड़ पहुंची है। लेकिन प्रशासन की तेजी के चलते आग की घटना को तुरंत रोक दिया गया है। पिछली आग को देखते हुए कुंभ प्रशासन ने व्यवस्था के कड़े इंतजाम किए गए हैं। वहीं आग और दुर्घटनाओं के रोकने के लिए मेले में जगह–जगह पर स्पॉट बनाए हैं। ताकि किसी घटना होने की स्थिति में त्वरित प्रतिक्रिया दी जा सके। की तेजी के चलते आग की घटना को तुरंत रोक दिया गया है। पिछली आग को देखते हुए कुंभ प्रशासन ने व्यवस्था के कड़े इंतजाम किए गए हैं। वहीं आग और दुर्घटनाओं के रोकने के लिए मेले में जगह–जगह पर स्पॉट बनाए हैं। ताकि किसी घटना होने की स्थिति में त्वरित प्रतिक्रिया दी जा सके। फायर ऑफिसर विशाल यादव का कहना है श्रद्धालु दूर–दराज के इलाकों से आ रहे हैं और उन्होंने अपने वाहन यहां पार्क किए हैं। अत्यधिक गर्मी के कारण आग लग गई। दमकल की गाड़ियां मौके पर पहुंच गई हैं और आग पर काबू पा लिया गया है। एर्टिगा कार पूरी तरह से जल गई है और वेन्यू कार आंशिक रूप से जली है। घटना में कोई हताहत नहीं हुआ है।

वार्षिक उत्सव ''उड़ान 2024–25'' का हुआ भव्य आयोजन

प्रयागराज मसूराबाद कस्बे के प्रतिष्ठित शिक्षण संस्थान आर एस ग्लोबल सीनियर सेकेंडरी स्कूल का वार्षिक उत्सव ष्उड़ानष का भव्य आयोजन विद्यालय के विशाल प्रांगण में सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम का शुभारंभ विद्यालय के संस्थापक महोदय एवं मैनेजर प्रशांत त्रिपाठी ने दीप प्रज्वलन एवं मां सरस्वती का पूजन करके किया। कार्यक्रम में बच्चों ने एक से बढ़कर एक प्रस्तुतियों ने वहां उपस्थित अभिभावकों एवं अतिथियों का मन मोह लिया। कार्यक्रम में बच्चों द्वारा प्रस्तुत किए गए लोक नृत्य की बहुत प्रशंसा की। वीर अभिमन्यु पर आधारित प्रस्तुति ने दर्शकों के रोंगटे खड़े कर दिए। कार्यक्रम में हजारों की संख्या में अभिभावक एवं नगर के गणमान्य लोग उपस्थित रहे। अतिथियों में आर पी तिवारी, विनोद द्विवेदी (प्रिंसिपल जे पी पब्लिक स्कूल) आदि का अंगवस्त्र एवं स्मृति चिह्न देकर सम्मानित किया गया। पूरे वर्ष उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले बच्चों को सम्मानित किया गया। संस्थापक महोदय के द्वारा सभी प्रतिभागी बच्चों को आशीर्वाद दिया गया। कार्यक्रम के समापन सत्र में मैनेजर प्रशांत त्रिपाठी द्वारा धन्यवाद ज्ञापित किया गया।

सीएम योगी ने गुरू गोरक्षनाथ अखाड़ा में की धर्म ध्वजा की पूजा

'प्रयागराज महाकुंभ (विनोद द्विवेदी जिला संवाददाता) ' मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ प्रयागराज दौरे पर शनिवार को महाकुम्भ स्थित श्री गुरुगोरक्ष नाथ अखाड़ा भी पहुंचे। यहां उन्होंने धर्म ध्वजा की पूजा की और सभी संतों को प्रसाद गृहण कराया और स्वयं भी प्रसाद भी प्रसाद गृहण किया। इस अवसर पर उन्होंने देश भर से आए सिद्ध योगेश्वरों से विभिन्न विषयों पर चर्चा भी की। योगी महासभा के विशिष्ट उपाध्यक्ष महंत बालक नाथ योगी ने बताया कि यह अखाड़ा स्वयं मुख्यमंत्री जी का है। यह अखाड़ा नाथ सम्प्रदाय का है, गुरु गोरक्षनाथ जी की परंपरा का है। जब से यहां धर्म ध्वजा की स्थापना हुई तब से भारत के विभिन्न स्थानों से सिद्ध योगेश्वर यहां पहुंच रहे हैं। इनके रहने, सोने और प्रसाद की व्यवस्था यहां पर होती है। आज का प्रसाद हमारे अध्यक्ष योगी आदित्यनाथ जी की ओर से था, क्योंकि यह उनका ही अखाड़ा है। सभी साधुओं को प्रसाद की व्यवस्था की गई थी। मुख्यमंत्री जी ने धर्म ध्वजा की पूजा भी की और सभी संतों के आर्शिवचन सुनने का मौका प्राप्त किया। उनके द्वारा संतों को प्रसाद भी गृहण कराया गया, जबकि उन्होंने स्वयं भी भंडारे का प्रसाद गृहण किया। इस अवसर पर सभी अखाड़ों के आचार्य महामंडलेश्वर उपस्थित रहे।

रीला होता की नृत्यशैली से श्र)ालु हुए भावविभोर

लोकनृत्य और संगीत का दिखा अनूठा संगम, मंगलाचरण रहा मुख्य आकर्षण

प्रयागराज(आरएनएस)। सुरमई शाम के साथ मृदंग, बांसुरी और वीणा पर शास्त्रीय नृत्य ओडिसी और लोकनृत्यों से कलाग्राम के सांस्कृतिक कार्यक्रमों में इंद्रधनुषी रंग बिखरे। शनिवार को लोक और शास्त्र के भाव नृत्य प्रस्तुतियों से संजोए गए तो अवधी लोकगीतों के सुरों से संगम की शाम निखर उठी।संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार की ओर से आयोजित सांस्कृतिक कुंभ की सांस्कृतिक संध्या में ओडिशी नृत्य की थिरकन पर लोग भाव विभोर हुए तो लोकनृत्य की बहुरंगी प्रस्तुतियों ने दर्शकों का मन मोह लिया। प्रख्यात ओडिसी नृत्यांगना रीला होता ने अपनी भावभंगिमा और कला से दर्शकों को मंत्रमुग्ध किया। उनकी प्रस्तुति का मुख्य आकर्षण मंगलाचरण रहा जो अग्नि,जल और जीवन के प्रमुख पालनहारों को समर्पित वैदिक भजनों तथा वेदों ने संतान की गुणवत्ता को आकार देने में एक महिला की भावनाओं की भूमिका पर आधारित था। स्वागतिका साहू, किरण माझी, शोभना सुभद्राशिनी और स्वाति स्वप्नाली बेहरा ने इस नृत्य शैली में रीला होता का साथ दिया। लोकनृत्यों की कड़ी में राजस्थान का चरी नृत्य, गोवा का समई–देखणी नृत्य, छत्तीसगढ़ का गेंडी नृत्य, झारखंड का नटुआ नृत्य, गुजराज का डांगी नृत्य, केरल का थेय्यम नृत्य, असम का डोमाही किकन नृत्य, पंजाब का भांगडा नृत्य तथा संगीता आहूजा ने राम भजन श्री राम चंद्र कृपालु भजमन तथा राघव जी के गउवा बड़ा नीक लागे गीत पर नृत्य की प्रस्तुति देकर दर्शकों से खूब तालियां बटोरी। कलाग्राम में दूर–दराज क्षेत्रों से आने वाले तीर्थयात्री देश की विविधामय सांस्कृतिक झांकी देख आनंदित हो रहे हैं और तालियों की गड़गड़ाहट के साथ कलाकारों का हौसला भी बढ़ा रहे हैं। कार्यक्रम का संचालन संजय पुरषार्थी ने किया।

भारत सरकार द्वारा सी.एम.एस. छात्रा गणतन्त्र दिवस परेड में आमन्त्रित

लखनऊ, 25 जनवरी। भारत सरकार के रक्षा मंत्रालय ने सिटी मोन्टेसरी स्कूल, कानपुर रोड कैम्पस की कक्षा–11 की छात्रा आद्रिका मिश्रा को नई दिल्ली में आयोजित गणतन्त्र दिवस परेड में विशेष रूप से आमन्त्रित किया है। आद्रिका को यह आमन्त्रण रक्षा मंत्रालय द्वारा अखिल भारतीय स्तर पर आयोजित अन्तर–विद्यालयी कार्ड मेकिंग प्रतियोगिता में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन हेतु प्रदान किया गया है। सी.एम.एस. प्रबन्धक प्रो. गीता गाँधी किंगडन ने सी.एम.एस. छात्रा की उपलब्धि पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए उसके उज्जवल भविष्य की कामना की है। आर्दिका ने इस सफलता का श्रेय विद्यालय के अपने शिक्षकों को दिया है। एक अनौपचारिक वार्ता में आद्रिका ने कहा कि नई दिल्ली की गणतन्त्र दिवस परेड को नजदीक से देखना मेरा सपना था, जो अब सच हो गया है। श्री खन्ना ने बताया कि यह हर्ष का विषय है कि सी.एम.एस. के छात्र अपनी प्रतिभा व क्षमता के दम पर दिन–प्रतिदिन राष्ट्रीय व अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर लखनऊ का गौरव बढ़ा रहे हैं। सी.एम.एस. अपने छात्रों को इस प्रकार की रचनात्मक व सृजनात्मक प्रतियोगिताओं प्रतिभाग हेतु सदैव प्रोत्साहित करता है, जिससे छात्रों को अपनी बहुमुखी प्रतिभा को प्रदर्शित करने एवं निखारने का अवसर प्राप्त होता है। सी.एम.एस. का लक्ष्य बच्चों को वर्ल्ड लीडर के रूप में तैयार करने वाली शिक्षा उपलब्ध कराना है, ताकि वे कल के विश्वव्यापी समाज का नेतृत्व अपने विकसित मानवीय दृष्टिकोण से कर सके। सी.एम.एस. की इसी अनूठी शिक्षा पद्धति के फलस्वरूप विद्यालय के छात्र राष्ट्रीय तथा अन्तर्राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिताओं में भी पुरस्कार अर्जित कर विद्यालय का नाम रोशन कर रहे हैं।

राष्ट्रीय मतदाता दिवस पर केपीएस भरवारी एवं केपीएस भीटी में जागरूकता अभियान सम्पन्न

कौशाम्बी। राष्ट्रीय मतदाता दिवस के अवसर पर केपीएस भरवारी एवं भीटी में विविध कार्यक्रमों का आयोजन किया गया, जिनका उद्देश्य छात्रों और समाज को लोकतंत्र के महत्व और मतदान के अधिकार के प्रति जागरूक करना था। कार्यक्रम की शुरुआत छात्रों द्वारा बनाए गए आकर्षक पोस्टर्स से हुई, जिनमें मतदान के महत्व और उसके प्रभावों को दर्शाया गया। इसके बाद छात्रों ने एक जागरूकता रैली निकाली। सशक्त लोकतंत्र, सशक्त भारत और मतदान करें, जिम्मेदार बनें जैसे नारों के साथ यह रैली पूरे विद्यालय परिसर और आसपास के क्षेत्रों में निकाली गई। रैली का मुख्य आकर्षण छात्रों द्वारा वोटर्स डे के आकार में खड़े होकर लोकतंत्र की शक्ति का प्रतीकात्मक प्रदर्शन रहा। छात्रों को विशेष सत्र के माध्यम से यह बताया गया कि मतदान न केवल एक अधिकार है बल्कि एक जिम्मेदारी भी है। उन्हें यह समझाया गया कि प्रत्येक वोट देश की दिशा तय करने में भूमिका निभाता है। इस दौरान बच्चों ने समूह चर्चा में अपने विचार साझा किए और देशहित में जिम्मेदार नागरिक बनने की शपथ ली। संस्थान के चेयरमैन निवर्तमान विधायक संजय कुमार गुप्ता ने इस अवसर पर कहा, मतदान लोकतंत्र की आत्मा है। हमें यह सुनिश्चित करना चाहिए कि प्रत्येक नागरिक अपने मताधिकार का प्रयोग करे और बच्चों को बचपन से ही लोकतंत्र के प्रति जागरूक किया जाए। संस्थान की डायरेक्टर सीमा पवार ने कहा, लोकतंत्र की मजबूती के लिए प्रत्येक व्यक्ति को अपने मताधिकार का प्रयोग करना चाहिए। कार्यक्रम का समापन छात्रों द्वारा प्रस्तुत देशभक्ति गीत और एक नाटिका के साथ हुआ, जिसमें मतदान की शक्ति को रेखांकित किया गया। विद्यालय प्रशासन ने इस पहल की सराहना करते हुए इसे हर साल आयोजित करने का संकल्प लिया।

सैदपुर बालू घाट से डंपर का खलासी लापता, अपहरण की आशंका

तिल्हापुर मोड़, (कौशाम्बी)। पिपरी कोतवाल क्षेत्र के सैदपुर बालू घाट से शुक्रवार रात बालू लादने गया डंपर का खलासी लापता हो गया। परीजनों ने उसकी काफी खोजबीन की। सुराग न लगने पर उन्होंने शनिवार सुबह थाने जाकर पुलिस को तहारी दी। तहरीर मिलने के बाद पुल इस ने छानबीन शुरू कर दिया है। एयरपोर्ट कोतवाल क्षेत्र के असरावल कुर्द गांव निवासी देवीदास निषाद पुत्र छोटेलाल निषाद के मुताबिक उसका भाई चंद्रिका प्रसाद निषाद डंपर में खलासी है। शुक्रवार को वह पठन पुरवा मजरा सेवढा गांव निवासी सोनू व उमरवल गांव निवासी डंपर चालक अपने जीजा फूलचंद्र के साथ दुर्गापुर गांव के सामने स्थित यमुना घाट से बालू लोड करने गया था। देर रात उसका साथी सोनू ने मोबाइल पर फोन कर उसे बताया कि कुछ लोग चार पहिया वाहन में जबरन बैठा कर कहीं दूर दोनो को एक कमरे में बंद कर दिया गया है। उसने फोन पर कार का रजिस्ट्रेश नंबर भी बताया है। घटना की जानकारी पाकर परिवारीजनों ने डंपर चालक जीजा फूलचंद्र के पास पहुंचे। लेकिन वह भी कुछ नहीं बता पा रहा है। दोनो युवकों का सुराग न लगने पर शनिवार सुबह भाई ने थाने पहुंच चंद्रिका के लापता होने की तहरीर दी। इस सम्बंध में इंस्पेक्टर शिवचरण राम का कहना है कि भाई ने गुमशुदगी की तहरीर दी है। फिलहाल घाट पर जेसीबी चालकों समेत संदिग्धों से पूछताछ चल रही है।

ब्याज और अर्थदंड माफी की योजना का लाभ उठाएं व्यापारी

(कौशाम्बी)। जीएसटी विभाग की और से शुरू की गई एमनेस्टी योजना का लाभ कौशाम्बी जनपद के पांच सौ चालीस व्यापारियों को मिलेगा। योजना के तहत वित्तीय वर्ष–2017–18, 2018–19 और 2019–20 में जिन कारोबारियों को नोटिस मिला है, वह इसका लाभ ले सकते हैं। लाभ लेने के लिए कारोबारियों को जीएसटी पोर्टल पर ऑनलाइन आवेदन करना होगा। इस योजना के तहत तीन वित्तीय वर्ष के लिए टैक्स जमा करने पर ब्याज और जुर्माने पर छूट प्रदान की गई है स जनपद में दस करोड़ बारह लाख रुपए ब्याज व जुर्माना माफ होगा स उपायुक्त राज्य कर कौशाम्बी राजेश कुमार मौर्य के अनुसार शासन की ओर से शुरू की गई यह योजना 31 मार्च तक चलेगी। इसके तहत वित्तीय वर्ष 2017–18, 2018– 19 और 2019–20 के मामले निस्तारित किए जा रहे हैं। करदाता को केवल टैक्स जमा करना है। ब्याज और जुर्माने में छूट दी जाएगी। विभाग की ओर से भी व्यापारियों से संपर्क किया जा रहा है। राज्य वस्तु एवं सेवा कर विभाग (एस०जी०एस०टी०) में व्यापारियों को राहत देने के उद्देश्य से ब्याज एवं अर्धदण्ड माफी की योजना लागू की है,ब्याज माफी योजना में अर्थदण्ड एवं जमा का लाभ लेने के लिए व्यापारियों को कर की संपूर्ण धनराशि जमा करने के बाद आनलाइन प्रार्थना पत्र देना होगा। विभाग ने व्यापारियों से विलंब से जमा कर पर ब्याज व अर्थदण्ड माफी की योजना का लाभ उठाने को कहा है। उक्त के संबंध में किसी भी प्रकार की जानकारी के लिए किसी भी कार्यदिवस में राज्य कर कार्यालय भरवारी कौशाम्बी में संम्पर्क किया जा सकता है।

गौ संरक्षण हेतु हर जिले में हो गोचर भूमि– पुरी शंकराचार्य

प्रयागराज।(आरएनएस) शंकराचार्य गोवर्धन मठ पुरी ओड़ीसा स्वामी निश्चलानंद सरस्वती ने कहा कि गौ संरक्षण हेतु हर प्रदेश के जिलों में गोचर भूमि आरक्षित होनी चाहिए जहां गौ वंशों के विचरण, उनके भोजन और जल का प्रबंधन हो। महाकुंभ क्षेत्र के सेक्टर 19 संगम लोअर मार्ग स्थित अपने शिविर में श्रद्धालुओं को संबंधित करते एवं धर्म आध्यात्म राष्ट्र से संबंधित प्रश्नों के उत्तर में उक्त बातें कही। गौ संरक्षण से जुड़े एक प्रश्न के उत्तर में पुरी शंकराचार्य स्वामी निश्चलानंद सरस्वती ने कहा कि गौ संरक्षण के लिए देश के हर राज्य के प्रत्येक जिले में केंद्र बनाकर एक भूमि का एक भाग ऐसा आरक्षित होना चाहिए जहां गौ माता विचरण कर सकें। उनके चारा और जल पीने की व्यवस्था हो उस आरक्षित भूमि पर। गौ पालकों को भी चाहिए कि वे गौ वंशों को छुट्टा छोड़ने से बचें। दूध न देने पर पशुपालक गौ वंशों को भटकने के लिए छोड़ देते हैं ये उचित नहीं है। महाकुंभ के माहात्म्य के विषय में बताते हुए शंकराचार्य ने कहा कि यम नियम से कल्पवास और संगम स्नान करने से लौकिक पारलौकिक मार्ग प्रशस्त होता है। सनातन परंपरा की विद्या और कला को दर्शन विज्ञान और व्यवहार के दृष्टिकोण से समझाने पर सनातन सिद्धांत की प्रामाणिकता सिद्ध होती है। सनातन बोर्ड गठन के सवाल पर शंकराचार्य ने कहा कि चार शंकराचार्य प्रामाणिक होते हैं। यदि शंकराचार्य अपने दायित्व का निर्वाह करें और मठ मंदिर के लोग शंकराचार्य से परामर्श लें तो अतिरिक्त किसी बोर्ड की आवश्यकता नहीं है। उन्होंने कहा कि हिन्दू धर्म को धर्म न मानने वाले खतरे में हैं। जो शंकराचार्य और जगत गुरु नहीं हैं वे भी शंकराचार्य और जगत गुरु का बोर्ड लगाकर घूम रहे हैं। जिस तरह भगवान श्री कृष्ण के काल में नकली कृष्ण घूम रहे थे उसी तरह जो शंकराचार्य और जगत गुरु नहीं हैं वे भी शंकराचार्य और जगत गुरु का बोर्ड लगाकर घूम रहे हैं।

डिजाइनिंग एंड कंस्ट्रक्शन आफ चिल्ड्रन अपैरल में छात्राओं ने सीखे हुनर

प्रयागराज।(आरएनएस) हमीदिया गर्ल्स डिग्री कॉलेज के फैशन डिजाइन विभाग की ओर से शडिजाइनिंग एंड कंस्ट्रक्शन ऑफ चिल्ड्रन अपैरलश विषयक छरू दिवसीय कार्यशाला आयोजित की गई। शनिवार को कार्यशाला की समाप्ति पर बीवोक नोडल अधिकारी प्रो. नसरीन बेगम ने छात्राओं को संबोधित करते हुए कहा यह एक ऐसा हुनर है जो हमेशा काम आने वाला है। उन्होंने बताया कि छोटे बच्चों के कपड़े आमतौर पर विशिष्ट गुण और लाभ के अलावा खूबसूरती के आधार पर बनाए जाते हैं। ये कपड़े मुलायम और आरामदायक भी होना चाहिए।

राष्ट्रीय मतदाता दिवस पर डीएम ने शपथ दिलाकर जागरूकता रैली को किया रवाना

सुलतानपुर(आरएनएस)। 15वें राष्ट्रीय मतदाता दिवस 'वोट जैसा कुछ नहीं, वोट जरूर डालेंगे हम' के अवसर पर जिला निर्वाचन अधिकारीध्जिलाधिकारी कुमार हर्ष ने कलेक्ट्रेट परिसर में उपस्थित सभी अधिकारियोंध कर्मचारियों, स्वयं सेवी संगठनों के प्रतिनिधियों व छात्रध्छात्राओं को पन्द्रहवें राष्ट्रीय मतदाता दिवस के अवसर पर शपथ दिलायी। तत्पश्चात डीएम ने केशकुमारी राजकीय बालिका इंटर कॉलेज, राजकीय इण्टर कॉलेज सुलतानपुर के छात्रध्छात्राओं द्वारा निकाली गयी मतदाता जन जागरूकता रैली को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। डीएम ने 15वें राष्ट्रीय मतदाता दिवस के अवसर पर कहा कि युवा मतदाताओं एवं भावी मतदाताओं को मतदान के लिये जागरूक करने हेतु जन जागरूकता रैली व शपथ कार्यक्रम का आयोजन किया गया। उन्होंने सभी युवा मतदाताओं व भावी मतदाताओं से मतदान करने व जागरूकता अभियान में प्रतिभाग करने की अपील की। उन्होंने कहा कि मजबूत लोकतंत्र के लिये ज्यादा से ज्यादा युवा मतदाता प्रतिभाग कर राष्ट्रनिर्माण में अपना योगदान दें। इसी प्रकार समस्त तहसीलों, कार्यालयों, शिक्षण संस्थानों में 15वें राष्ट्रीय मतदाता दिवस के अवसर पर कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर अपर जिलाधिकारी(प्रशासन) गौरव शुक्ला, अपर जिलाधिकारी(वि0ध्रा0) एस. सुधाकरन, ज्वाइंट मजिस्ट्रेट वैशाली चोपड़ा, मुख्य राजस्व अधिकारी बाबू राम, जिला विद्यालय निरीक्षक रविशंकर, जिला सूचना अधिकारी डॉ0 धीरेन्द्र कुमार सहित अन्य सम्बन्धित अधिकारीगण व कॉलेज के छात्रध्छात्राएं उपस्थित रहे।

चालीस दिन पूर्व नहर में गिरे अधेड़ का नहर में मिला शव

सुल्तानपुर। चालीस दिन पूर्व क्षेत्र के शारदा सहायक नहर खन्ड सोलह में गिरे अधेड़ का शव शनिवार को नहर में उतराता दिखाई दिया, ग्रामीणो की सूचना पर पहुंची धनपतगंज थाने की पुलिस ने शव को नहर से निकलवा कर पीएम हेतु भेजा है। बल्दीराय तहसील क्षेत्र के थाना धनपतगंज के ग्राम पीरोसरैया निवासी राममिलन उर्फ दीपू पटवा विगत सोलह दिसंबर को हरौरा बाजार सामान लाने गया था बाजार से वह घर वापस जा रहा था। लघु शंका के लिए वह नहर के किनारे चला गया पैर फिसलने के कारण अधेड़ युवक नहर में गिर गया। पुलिस की मदद से ग्रामीण तथा गोताखोर कई दिन तक अधेड़ के शव की तलाश की लेकिन शव नही मिला। शनिवार को सुबह नहर में एक शव उतराता दिखाई दिया तो ग्रामीणों की सूचना पर धनपतगंज पुलिस पहुंची। लाश निकालने के बाद मृतक के परिजनों ने लाश की पहचान राम सुमिरन पटवा के रूप में किया। लाश को पुलिस ने शव विच्छेदनगृह भेज दिया है।

स्मृति दिवस समारोह एवं माया प्रसाद मेमोरियल पब्लिक स्कूल का हुआ उद्घाटन।

अतरौलियाध्आजमगढ़रू(आर एन एस) बता दे किअतरौलिया ब्लॉक के पूर्व इतिहास पुरुष स्व0 माया प्रसाद यादव की 21वीं पुण्यतिथि के अवसर पर स्मृति दिवस समारोह एवं माया प्रसाद मेमोरियल पब्लिक स्कूल बढ़या अतरौलिया आजमगढ़ का भव्य उद्घाटन किया गया।जिसके उद्घाटनकर्ता मा बलराम यादव पूर्व मंत्री, विधान परिषद सदस्यध राष्ट्रीय महासचिव समाजवादी पार्टी तथा मुख्य अतिथि मा धर्मेंद्र यादव, सांसद रहे। सर्वप्रथम अतरौलिया स्थित विकासखंड कार्यालय में स्थापित स्व0 माया प्रसाद यादव के आदम कद कांस्य प्रतिमा पर सांसद धर्मेंद्र यादव समेत सभी विधायकों ने माल्यार्पण व पुष्प अर्पित कर उन्हें नमन किया। ,ततपश्चात बढ़या में 21वी स्मृति दिवश समारोह को पर अपने बचपन सखा स्व0 माया प्रसाद यादव को याद करते हुए सपा महासचिव बलराम यादव ने कहा कि माया प्रसाद यादव हम लोगों के बीच में नहीं है मगर उनकी नीतियां व रीतियां व बिचार आज भी हम लोगों के मार्गदर्शन का काम करती हैं, माया प्रसाद यादव कोई व्यक्ति नहीं बल्कि एक विचारधारा थे।उन्होंने कहा की माया जी का पूरा जीवन सपा को समर्पित था उन्होंने पुरे जीवन में कभी भी अपने वसूलो से समझौता नहीं किया ,उनकी कमी को आज भी हमलोग महशुस करते है ।काफी भाउक होते हुए बलराम यादव ने कहा की आज माया यादव के बिना समाजवादी लोग अकेला महशुस करते है।माया प्रसाद जी ने पूरे जीवन काल में कभी राजनीती को हथियार नहीं बनाया । सांसद धर्मेंद्र यादव ने कहा कि समाजवादी पार्टी को स्वर्ग की माया प्रसाद यादव ने रीड की हड्डी की तरह यहां पर खड़ा किया है इस जोड़ी की चर्चा इस क्षेत्र में ही नहीं बल्कि पूरे प्रदेश में हुआ करती थी सरगी माया प्रसाद यादव ने पार्टी को खड़ा करने में पूरा जीवन समर्पित किया बहुत कम लोग भी ऐसे होंगे जो नेता जी के प्रति वेबाक समर्पित रहे हैं। स्वर्गीय भैया प्रसाद व बलराम यादव की ऐतिहासिक जोड़ी रही है वही परंपरा आगे भी चल रही और अनवरत चलती रहेगी। स्व0 माया प्रसाद यादव से मुझे बहुत कुछ सीखने का अवसर मिला उन्होंने पार्टी के प्रति काफी सहयोग किया। अयोध्या हनुमानगढ़ी के महान राजू दास की टिप्पणी पर उन्होंने कहा कि जिनकी जैसी भावना होती है उसका वैसा ही जुबान चलता है ऐसी ऊंची हरकत नहीं करना चाहिए माननीय नेता जी का सम्मान हर गांव गरीब किसान नौजवान करता है उन्होंने दया की 2027 के चुनाव में समाजवादी पार्टी ने स्पष्ट कर रखा है कि अगर सपा सरकार में आती है तो पुरानी पेंशन बहाली को पुन चालू करना अग्नि वीर को समाप्त करना। विधायक डॉक्टर संग्राम यादव ने कहा कि माया प्रसाद यादव की उंगली पड़कर राजनीति सीखी है ।उन्होंने कहा कि 2027 में पूरे उत्तर प्रदेश से भाजपा का सुपड़ा साफ हो जाएगा । स्व0 माया प्रसाद के संघर्षों की कहानी घर घर में है। उन्होंने जो हमें रास्ता दिखाए आज उसी रास्ते पर चलकर हम अपने समाजवादी पार्टी को आगे बढ़ाने का कार्य कर रहे हैं। ब्लाक प्रमुख व् माया प्रसाद के पुत्र चन्द्र शेखर यादव ने कहा की मेरे पिता जी ने हमेशा हम लोगो से कहा करते थे की राजनितिक जीवन में जनता के सुख को अपना सुख दुःख समझना, कभी भी इन लोगो से झूठे वादे मत करना । उन्होंने कहा कि मेरे पिताजी की शिक्षा दीक्षा बढ़या गांव से हुई थी उनकी बातों से प्रेरणा लेते हुए मैं बढ़या गांव में ही इंग्लिश मीडियम विद्यालय का स्मृति दिवस के अवसर पर उद्घाटन किया । कार्यक्रम का संचालन जयप्रकाश यादव ने किया। इस मौके पर त्रिभुवन दत्त,हीरालाल यादव, दुर्गा प्रसाद यादव,नफीस अहमद,दरोगा सरोज विशाल वर्मा,बेचई सरोज,कमल कांत राजभर,अखिलेश यादव, श्याम बहादुर,सीमा यादव,जगदीश पाण्डेय,रंजीत यादव,शीतला निषाद, कन्हैया गौड़, रामदुलार राजभर,राकेश यादव श्गुड्डूश नरसिंह कन्नौजिया,देवेंद्र यादव उपस्थित रहे।

सामाजिक समरसता एवं राष्ट्र निर्माण में युवाओं की भूमिका पर एक गोष्ठी का आयोजन

लालगंजध्आजमगढ़रू(आर एन एस)राजकीय इंजीनियरिंग कालेज परिसर मे शनिवार को सामाजिक समरसता एवं राष्ट्र निर्माण में युवाओं की भूमिका पर एक गोष्ठीका आयोजन किया गया । कार्यक्रम के मुख्य अतिथि रमेश जी प्रांत प्रचारक गोरक्ष प्रांत व अध्यक्षता कर रहे इंजीनियरिंग कालेज के निदेशक प्रोफेसर विपन कुमार त्रिपाठी ने मां सरस्वती के चित्र पर दीप प्रज्जवलित व पुष्प अर्पित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। सामाजिक समरसता कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि रमेश जी ने कहा कि जो समाज व संस्थान अपनी थाती , परंपरा को नही भूलता, सस्कार व संस्कृत को अपनाता हैं वह समाज व संस्थान देश का निर्माण करता है महान बनाता है। । सामाजिक समरसता के बिना कोई समाज प्रगति नहीं कर सकता, कोई परम तत्व को नहीं प्राप्त कर सकता । मैं इस संस्थान में प्रवेश कर रहा था तो भगवत्व को देखा, तो समझ गया कि इस संस्थान का भविष्य उज्जवल है । भारत एक मृत्युंजय है , जो कभी नष्ट नहीं हो सकता, इसकी कभी मृत्यु नहीं हो सकती, वह देश है भारत, भारत ने मृत्यु पर विजय प्राप्त कर लिया है । महान जननायक एपीजे अब्दुल कलाम साहब की जीवनी पर जाते है कि उनका विद्यार्थी जीवन कितनी चुनौती से भरा था। वह परिवार धन्य है। जिस परिवार ने अपने बच्चो को इस संस्थान मे पढ़ने के लिए भेजा है। अब्दुल कलाम के बारे मे चिन्तन होता है। जहां पर अब्दुल कलाम को आदर्श माना जाता है । राम जी संपूर्ण मानवता के लिए हैं जो जनानी को स्वर्ग से बढ़कर स्थान देते है वह है राम , राम वहां जाते हैं जहां साबरी होती है । छात्र–छात्राओं में जो तकनीक विकसित करने का कार्य हो रहा है उसके मूल तंत्र में भारत है । परंपरा व संस्कृति मूल तंत्र होने के कारण यह देश महानता के शिखर पर पहुंचेगा ।सामाजिक समरसता गोष्ठी को धर्म ,परंपरा, संस्कृति से न जोड़कर इसको भारत से जोड़ा जाए, देश से जोडा जाय । उस तत्व से जोड़ा जाए , यह देश महान बनेगा , देश परम वैभव के शिखर पर पहुंचेगा जिसका आगाज सामाजिक समरसता है । इस अवसर पर सुरेश शुक्ला विभाग संघचालक , समरजीत सहप्रांत प्रचारक , विनय जी प्रान्त कार्यवाह , दीनानाथ जी विभाग प्रचारक , जिला कार्यवाह अभय जी , अम्वेश जी विभाग प्रचारक , आलोक जी जिला प्रचारक , अवनीश जी जिला प्रचारक , मनीष जी जिला प्रचारक , डा सत्यप्रिय सिंह जिला सम्पर्क प्रमुख , डा0 देवाशीष शुक्ला सहित अन्य संघ के पदाधिकारी कालेज के अधिकारी व कर्मचारी छात्र छात्राए उपस्थित रही। कार्यक्रम का संचालन संस्थान के कुलसचिव डाक्टर अम्बरीष सिंह ने किया।

दिनदहाड़े महिला के पर्स से 30 हजार उड़ाए

'सुल्तानपुर(आरएनएस)। नगर कोतवाली में थाना दिवस के दौरान एक फरियादी दिनदहाड़े चोरी की रोचक घटना का प्रकरण लेकर पहुंचा। बताया जाता है कि कुड़वार के मोहम्मद रिहान ने बताया कि उनकी बहन महरोज बानो बीते दिनों शहर के चौक में खरीदारी करने आई थी। जब वह घंटाघर के निकट बीच डिवाइडर पर स्थित पानी पुरी के ठेले पर परिवार के लोगों के साथ खड़ी हुई। तभी उन्होंने देखा कि उनके पर्स का चौन खुला हुआ था। जब उसमें उन्होंने देखा तो पर्स में रखा ध्30000 गायब था। पीड़ित ने घुमन्तु गिरोह की लड़कियों पर शक जताया है लेकिन आसपास के लोगों ने सीसीटीवी फुटेज देने में सहयोग नहीं किया। जिसको लेकर घंटाघर चौकी इंचार्ज को निर्देश हुए कि मामले की जांच करके दोषियों के विरुद्ध कार्रवाई करें। बताया जाता है कि घुमंतु गिरोह की महिलाएं टप्पेबाजी और चोरी की घटनाओं को अंजाम दे रहे हैं। जिनसे सावधान रहने की जरूरत है। अभी चंद रोज पहले घुमंतू गिरोह की बच्चियां चौक में मोबाइल चोरी करते हुए पकड़ी गई थी। इससे पूर्व भी बस स्टेशन पर ई रिक्शा चालक कीमती बैग लेकर भाग गया था। जिसको लेकर तफ्तीश जारी ही थी दूसरी घटना की तहरीर नगर कोतवाली में थाना दिवस पर पड़ गयी है।

विकास व विरासत प्रगति पथ विषयक भाषण व निबंध प्रतियोगिता आयोजित

सुलतानपुर(आरएनएस)। पीएम श्री केश कुमारी राजकीय बालिका इंटर कॉलेज में उत्तर प्रदेश स्थापना दिवस के अवसर पर 'विकास व विरासत प्रगति पथ पर उत्तर प्रदेश' विषय के अंतर्गत जनपद स्तरीय भाषण एवं निबंध प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसमें नगर क्षेत्र, दुबेपुर, धनपतगंज, कूरेभार ब्लाक के विद्यार्थियों ने प्रतिभाग किया। प्रतियोगिता का संयोजन विद्यालय की प्रधानाचार्या पल्लवी सिंह ने किया। प्रतियोगिता में डॉ० रीना केसरवानी, डॉ० दीपा द्विवेदी, सुमन यादव डॉ०मुक्ता सिंह, अंजना सिंह, संतोष कुमार सरोज, अमरनाथ यादव, सुनील कुमार यादव, विष्णु कुमार मिश्रा आदि शिक्षक उपस्थित रहे। आयोजित प्रतियोगिता के अंतर्गत भाषण प्रतियोगिता में प्रथम स्थान उन्नति सिंह पीएम श्री केश कुमारी राजकीय बालिका इंटर कॉलेज सुल्तानपुर, द्वितीय स्थान साक्षी मौर्य सिस्टर नीतू इंटरनेशनल इंटर कॉलेज सुल्तानपुर, तृतीय स्थान दिशांत शर्मा राजकीय इंटर कॉलेज सुल्तानपुर, चतुर्थ स्थान सूरज कुमार श्रीवास्तव मधुसूदन विद्यालय इंटर कॉलेज सुल्तानपुर व पंचम स्थान अनन्या तिवारी कमला केशव सरस्वती शिशु विद्या मंदिर सुल्तानपुर को प्राप्त हुआ तथा निबंध प्रतियोगिता में प्रथम स्थान दीपांशु पाल राजकीय इंटर कॉलेज सुल्तानपुर, द्वितीय स्थान शनि कुमार कमला केशव सरस्वती शिशु विद्या मंदिर सुल्तानपुर, तृतीय स्थान जानवी तिवारी पीएम श्री केश कुमारी राजकीय बालिका इंटर कॉलेज सुल्तानपुर, चतुर्थ स्थान श्रेया मौर्या सिस्टर नीतू इंटरनेशनल इंटर कॉलेज सुल्तानपुर, पंचम स्थान अंशिका उपाध्याय पंडित दीनदयाल उपाध्याय राजकीय मॉडल इंटर कॉलेज बुआपुर सुल्तानपुर ने प्राप्त किया। प्रतियोगिता की नोडल डॉ० दीपा द्विवेदी ने आए हुए समस्त विद्यार्थियों एवं अध्यापकों का आभार एवं धन्यवाद ज्ञापित किया।

हमारा लोकतन्त्र हमारे संविधान का प्राण है, लोकतन्त्र का आधार है मतदान – मण्डलायुक्त

विविधताओं में एकरूपता बनाये रखना हमारी सुदृढ़ लोकतान्त्रित व्यवस्थाओं का है जीता जागता सबूत– जिलाधिकारी

आजमगढ़ 25 जनवरी,(आरएनएस)मण्डलायुक्त विवेक ने कहा है कि हमारा लोकतन्त्र संविधान का प्राण है तथा लोकतन्त्र का आधार मतदान है। मण्डलायुक्त ने 15वें राष्ट्रीय मतदाता दिवस के अवसर पर शनिवार को स्थानीय हरिऔध कला केन्द्र में आयोजित मतदाता जागरुकता एवं शपथ ग्रहण समारोह को मुख्य अतिथि के रूप में सम्बोधित करते हुए कहा कि हमारे देश का लोकतन्त्र सबसे बड़ा लोकतन्त्र है और पूर्ण रूप से सफल भी है। उन्होंने कहा कि हमें पूरी स्वतन्त्रता के साथ मतदान करने का जो अधिकार प्राप्त है वह हमारी सबसे बड़ी शक्ति है। यह शक्ति ऐसी है जिसका प्रयोग करके हम अपने राष्ट्र, प्रदेश, समाज और स्वयं का निर्माण करते हैं। मण्डलायुक्त ने कहा कि लोकतन्त्र हमारी गरिमा का परिचायक है, व्यक्ति की गरिमा, उसकी स्वतन्त्रता का सम्मान इसमें निहित है। उन्होंने कहा कि आज हमने जो अनिवार्य मतदान की जो शपथ ली है, हमें इससे और आगे जाना है तथा अपने ऐसे रिश्तेदारों, परिचितों, मित्रों, पड़ोसियों को जो मतदान के प्रति जागरुक नहीं है उन्हें मतदान की महत्ता को बताकर जागरुक भी करना है। मण्डलायुक्त विवेक ने युवाओं का आह्वान किया कि मतदान दिवस को महापर्व के रूप में लें, इसे सबसे बड़ी जिम्मेदारी मानकर अपने मताधिकार का अनिवार्य रूप से प्रयोग करें तथा मताधिकार के प्रयोग के प्रति उदासीन लोगों को जागरूक करें। उन्होंने कहा कि कहा कि 25 जनवरी 1950 को भारत निर्वाचन आयोग की स्थापना हुई थी। मण्डलायुक्त ने कहा कि 'हम भारत के लोग' शब्दावली के साथ हमारे संविधान की शुरुआत होती है अर्थात संविधान की जो भी शक्ति है वह हम सबसे आती है, जो भी व्यवस्था संविधान के द्वारा देश में लागू की गयी है उसका अधार हम सब हैं।जिलाधिकारी नवनीत सिंह चहल ने समारोह को सम्बोधित करते हुए कहा कि हमारा देश सबसे बड़ी जनसंख्या वाला देश है, विश्व का सबसे बड़ा लोकतन्त्र है, देश में शीघ्र ही 100 करोड़ मतदाता हो जायेंगे। उन्होंने कहा हमारा देश में विभिन्न धर्म, सम्प्रदाय, जाति, भाषाओं, वर्गों के लोग रहते हैं, परन्तु देश की एकता काफी मजबूत है, जिसके कारण हमारे देश को विविधताओं में एकता वाला देश कहा जाता है। हम जिस प्रकार से एकजुट होकर देश को प्रगति की ओर ले जा रहे हैं उसके पीछे जो नीव है वह लोकतन्त्र है। उन्होंने कहा विविधाताओं में एकरूपता को बनाये रखना हमारी सुदृढ़ लोकतान्त्रित व्यवस्थाओं का जीता जागता सबूत है। जिलाधिकारी श्री चहल ने कहा कि देश निरन्तर प्रगति के पथ पर अग्रसर है, हमारी मजबूत लोकतान्त्रिक व्यवस्था के कारण जीडीपी में निरन्तर वृद्धि हो रही है। उन्होंने कहा कि निर्वाचन कोई भी हो उसमें मतदान अनिवार्य रूप से करें। जिलाधिकारी ने कहा कि भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार दिव्यांगजनों, वृद्धजनों, मरीजों आदि को भी मतदान करने की सुविधा दी गयी है तथा इसके लिए आवश्यक व्यवस्थायें की गयी है, जिसके कारण विगत वर्षों में वोटिंग परसेन्टेज काफी बढ़ा है और निरन्तर बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि मतदाता दिवस के माध्यम से हमें अधिक से अधिक लोगों तक पहुंचना है और यह सुनिश्चित कराना है कि मतदान दिवस को सभी लोग अपने मताधिकारी का प्रयोग अवश्य करें। इससे पूर्व मण्डलायुक्त विवेक, डीआईजी सुनील कुमार सिंह, जिलाधिकारी नवनीत सिंह चहल, मुख्य विकास अधिकारी परीक्षित खटाना आदि ने दीप प्रज्ज्वलित कर समारोह का विधिवत शुभारम्भ किया। समारोह में संगीत महाविद्यालय हरिहरपुर के प्रशिक्षक प्रभात नारायण दीक्षित व उनकी पार्टी, शीतला प्रसाद मिश्र व मोहन मिश्र की टीम तथा बच्चों द्वारा गीतों के माध्यम से मतदान के प्रति जागरूक किया गया, जिसमें मुख्य रूप से 'चलो सासु जी वोट डाल आयें, ससुर जी का संग लई चलो' तथा 'अरे जागो रे जागो देश के मतदाता' आदि गीत प्रस्तुत किए गये। कार्यक्रम में अन्त में जिलाधिकारी नवनीत सिंह चहल ने मुख्य अतिथि मण्डलायुक्त विवेक को, मुख्य विकास अधिकारी परीक्षित खटाना ने डीआईजी सुनील कुमार सिंह को, उपजिलाधिकारी सदर सुनील कुमार धनवन्ता ने जिलाधिकारी को, मुख्य राजस्व अधिकारी विनय कुमार गुप्ता ने सीडीओ को स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया। इस अवसर पर जनपद के सबसे बुजुर्ग मतदाओं, निर्वाचनों में उत्कृष्ट कार्य करने वाले सुपरवाइजरों, बीएलओ आदि कार्मिकों को भी सम्मानित किया गया। कार्यक्रम से पूर्व राष्ट्रीय पर्यटन दिवस एवं उप्र दिवस के अवसर पर जिला पर्यटन एवं संस्कृति परिषद की शैक्षणिक भ्रमण हेतु अधिकारियों द्वारा बस को हरी झण्डी दिखाकर रवाना किया गया।

दो लाख के चक्कर मे बीस हजार गवाई,जब बैंक मे गया जमा करने तब खुली सच्चाई

आजमगढ़ (आर एन एस) जनपद के बिलरियागंज थाना अंतर्गत श्रीनगर सियरहां हरिजन बस्ती निवासी भीम राम ने पटवध सरैया स्थित बैंक ऑफ बडौदा की शाखा से अपने खाते सेध्20000 निकाला उससे दो फ्राड करने वाले व्यक्ति मिले फ्रॉड व्यक्तियों ने भीम राम को कपड़े और पॉलिथीन में बंधे दो लाख रुपए की गड्डी का झांसा देकर उसके हाथ से नगद ध्20000 ले लिए और बोले की इस रुपए को आप अपने बचत बैंक खाते में डाल दीजिएगा किसी से कुछ मत बताना और वह दोनों व्यक्तिध्20000 लेकर चंपत हो गए बाद में भीम राम जब वापस बैंक में ध्200000 जमा करने गया और पॉलिथीन हटाया तो देखा कि कागज की गड्डी बनी हुई है वह अपने को ठगा महसूस करते हुए परेशान हो गया। वहां उपस्थित कर्मचारियों ने इसकी सूचना बिलरियागंज थाने पर दी सूचना मिलते ही बिलरियागंज थाना अध्यक्ष मय हमराह मौके पर पहुंचकर जांच पड़ताल करने लगे। फ्रॉड करने वाले व्यक्ति मौके से फरार हो चुके थे। मौके पर पहुंची पुलिस सीसीटीवी कैमरे से जानकारी हासिल करने में जुटी है। पीड़ित भी इस मामले मे थाना मे लिखित तहरीर देकर न्याय की गुहार लगाई है।

प्रयास के खिचड़ी भोज में दिखी सामाजिक समरसता

आजमगढ़।(आरएनएस)सामाजिक संगठन प्रयास द्वारा बेलइसा मंडी में सामाजिक समरसता के कुम्भ सरीके महाखिचड़ी भोज का आयोजन हुआ। जिसमे समाज के हर तबके के लोगों ने खिचड़ी भोज का आनंद उठाया। जिसका शुभारंभ मंडी सचिव सच्चिदानंद तिवारी व एड वीरेंद्र कुमार यादव जी ने किया। केंद्रीय अध्यक्ष रणजीत सिंह ने कहा कि प्रयास ने समाज के सभी वर्गो से अनाज मांग कर यह सामाजिक समरसता खिचड़ी भोज का आयोजन किया है। इस खिचड़ी भोज के माध्यम से समाज से ऊंच–नीच व छुआछूत पर करारा प्रहार करते हुए समाज को एकसूत्र में बांधने का प्रयास किया गया है। सभी वर्ग, सभी जाति के लोग जब एकजुट रहेंगे तो हमारा समाज और देश तरक्की की राह पर अग्रसरित रहेगा। शम्भू दयाल सोनकर ने खिचड़ी के महात्म्य का वर्णन करते हुए बताया कि यह त्योहार सह–अस्तित्व भाव से रहने–सहने जैसी स्थिति को जीवन्त करता है। जैसे कि खिचड़ी में किसी भी खाद्य वस्तु का अपना अस्तित्व नहीं रह जाता है, सब एकरूप हो एक सुस्वादु, सुपाच्य, पौष्टिक आहार में परिवर्तित हो जीवन को ऊर्जावान बनाते हैं। उसी प्रकार से समाज में भी हम सब एक–दूसरे में ऐसे घुल–मिलकर रहे जैसे कि खिचड़ी। इस अवसर पर इंजी सुनील यादव, शिवप्रसाद पाठक, राणा बलवीर सिंह, राजीव शर्मा, शंकर, रामकेश यादव, हरिश्चन्द्र, इंजी अमित यादव, धनश्याम मौर्य, सुषमा प्रजापति, मीरा चौहान, डीएन सिंह, राजेश सिंह, भरत सोनकर, सत्यम, शिवानंद, मनोज मौर्य,छोटे कैलाश सहित तमाम लोग मौजूद रहे।

कार्यक्रम के तहत जनपद के विभिन्न विद्यालयों में अध्ययनरत 89 छात्रध्छात्राओं को किया गया प्रशिक्षित

आजमगढ़रू(आर एन एस)भारत सरकार के युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय द्वारा संचालित 30 दिवसीय "जनकमदज च्वसपबम म्•चमतपमदजपंस स्मंतदपदह "(च्म्स्) कार्यक्रम का द्वितीय चरण प्रदेश के समस्त जनपद में प्रस्तावित है। इसी क्रम में दिनांक 17.01.2025 को वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक आजमगढ़ हेमराज मीना के निर्देशन में व अपर पुलिस अधीक्षक नगर शैलेन्द्र लाल के पर्यवेक्षण में छात्र–छात्राओं के संज्ञानातम्क व लोक कौशल में सुधार तथा उनको कानून व आपराधिक प्रक्रिया,आपराधिक अनुसंधान,यातायात नियंत्रण,साइबर क्राइम,मानव तस्करी,कानून–व्यवस्था जैसे इत्यादि विषयों पर प्रशिक्षण इन्टर्न के रूप में प्राप्त कराये जाने हेतु स्नातक स्तर के छात्रध्छात्राओं को पुलिस थानों में 30 दिवसीय अनुभावात्मक सिखालायी के उद्देश्य से पुलिस लाइन स्थित सभागार में उपरोक्त कार्यक्रम का शुभारम्भ किया गया था".च्म्स्.च्त्वहतंउउम "(जनकमदज च्वसपबम म्•चमतपमदजपंस स्मंतदपदह च्त्वहतंउउम) हेतु द्वितीय चरण के 'सप्तम दिवस में आज दिनांक–25.01.2025 को जनपद आजमगढ़ के 12 थानों (कोतवाली, सिधारी, रानी की सराय, कंधरापुर, मुबारकपुर, जहानागंज, निजामाबाद, गंभीरपुर, देवगाँव,जीयनपुर, तहबरपुर एवं सरायमीर) पर विभिन्न कॉलेजों से 89 छात्रध्छात्राओं को पटल पर सम्बन्धित पदाधिकारी की देखरेख में 'ंदक वद म•चमतपमदबम का प्रशिक्षण' दिया गया है।

अपहरण का आरोपीय गिरफ्तार

आजमगढ़ (आरएनएस)जीयनपुर कोतवाली पुलिस ने अपहरण के अभियोग में एक अभियुक्त गिरफ्तार कर जेल भेज दिया,आवेदिका थाना जीयनपुर आजमगढ़ ने थाना जीयनपुर पर लिखित तहरीर दी कि अज्ञात (9125) द्वारा वादिनी मुकदमा की पुत्री को शादी का झांसा देकर भगा ले गया है, के सम्बन्ध में थाना स्थानीय पर मु0अ0सं0 16ध्2025 धारा 137(2)ठछै बनाम अज्ञात पंजीकृत किया गया ।मुकदमा उपरोक्त में विवेचना से सुबोध राणा पुत्र शिवगोपाल राणा निवासी ग्राम ललिया थाना थाना ललिया जनपद बलरामपुर हाल पता सोनू की फैक्ट्री राज प्रेट्रोल लम्बा पिण्ड होसियारपुर रोड जालंधर राज्य पंजाब का नाम प्रकाश में आया, शनिवार को उ0नि0 धननन्जय सिंह मय हमराह द्वारा मुकदमा उपरोक्त में विवेचना से प्रकाश में आये अभियुक्त सुबोध राणा पुत्र शिवगोपाल राणा निवासी ग्राम ललिया थाना थाना ललिया जनपद बलरामपुर हाल पता सोनू की फैक्ट्री राज प्रेट्रोल लम्बा पिण्ड होसियारपुर रोड जालंधर राज्य पंजाब को वादिनी मुकदमा के पति के निशानदेही के आधार पर अंजानशहीद बजार थाना जीयनपुर आजमगढ़ से समय करीब 19.50 बजे हिरास्त पुलिस में लिया गया व धारा 87ठछै की बढ़ोतरी की गयी व आवश्यक विधिक कार्यवाही की जा रही है ।

जिलाधिकारी व पुलिस अधीक्षक ने कंधरापुर थाना पर सुनी समस्याएं निराकरण का दिया निर्देश

आजमगढ़–आज शनिवार को जिलाधिकारी आजमगढ़ श्री नवनीत सिंह चहल व वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक आजमगढ़ हेमराज मीना ने थाना कंधरापुर में थाना समाधान दिवस (थाना दिवस) पर जनता के समस्याओं के निस्तारण हेतु संबंधित अधिकारियों को मौके पर जाकर शिकायतों की तत्काल, निष्पक्ष व न्यायोचित जांच कर विधिक निस्तारण सुनिश्चित करने हेतु निर्देशित किया गया।थाना दिवस के पश्चात जिलाधिकारी व वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक द्वारा थाना कंधरापुर परिसर में स्थित निर्माणाधीन आरक्षी बैरक का निरीक्षण किया गया।

विधायक के प्रयास से सगड़ी विधानसभा को मिला 10 करोड़ का तोहफा, 91 सड़कों की बदलेगी तस्वीर

आजमगढ़–सगड़ी विधानसभा क्षेत्र की वर्षों पुरानी मांग आखिरकार पूरी होने जा रही है। क्षेत्रीय विधायक एच.एन. सिंह पटेल के प्रयासों से विधानसभा के 91 संपर्क मार्गों के निर्माण के लिए शासन ने लगभग 10 करोड़ रुपये की मंजूरी दी है। लोक निर्माण विभाग ने 10 जनवरी 2025 को इन सड़कों के निर्माण के लिए निविदा भी जारी कर दी है। खास बात यह है कि इस कार्य को दो महीने के भीतर पूरा करने का निर्देश भी जारी किया गया है। सड़कों की बदहाली से जूझ रहे थे ग्रामीण" सगड़ी विधानसभा का बड़ा हिस्सा देवारांचल क्षेत्र में आता है, जो सरयू नदी की बाढ़ से अक्सर प्रभावित रहता है। हर साल बाढ़ के दौरान संपर्क मार्ग या तो कट जाते हैं या पूरी तरह से नष्ट हो जाते हैं। जर्जर सड़कें और गड्ढों से भरे रास्तों ने क्षेत्र के लोगों की मुश्किलें बढ़ा दी थीं। ग्रामीणों का अपने गांवों तक पहुंचना एक चुनौती बन चुका था।

नई दिल्ली सीट से केजरीवाल को मुश्किल में डाल सकते हैं डस्क्टर मुनीश रायजादा

केजरीवाल की अगुआई में बनी आम आदमी पार्टी ने सादगी के साथ राजनीति और शासन का सपना दिखाया था। लेकिन बाद के दिनों में मुनीश ने देखा कि आम आदमी पार्टी और उसके नेता भी पारंपरिक राजनेताओं की ही तरह आगे बढ़ रहे हैं। दिल्ली के चुनावी मैदान में एक नाम ऐसा भी है, जिसकी ओर किसी का ध्यान नहीं है। अगर ध्यान है भी तो उसे जानबूझकर अनदेखा किया जा रहा है। सामाजिक जीवन में कई बार प्रतिभाओं और ताकत को जानबूझकर अनदेखा किया जाता है। विशेषकर समाज का ताकतवर तबका उभरती ताकतों को इसलिए अनदेखा करता है कि कहीं उसकी ओर ध्यान देने से वह प्रतिभा अचानक लाइमलाइट में ना आ जाए, वह लोगों का अपनी ओर ध्यान न खींच ले। स्थापित शख्सियत को डर होता है कि कहीं उभरती प्रतिभा की ओर लोग का ध्यान चला गया तो उस हस्ती की ताकत कम हो सकती है। शायद यही वजह है कि दिल्ली के चुनावी मैदान की इस प्रतिभा को नजरंदाज किया जा रहा है। आप भी सोच रहे होंगे कि यह प्रतिभा कौन है, यह ताकत कौन है? इस सवाल का जवाब हैं डॉक्टर मुनीश रायजादा। जो नई दिल्ली सीट पर आम आदमी पार्टी के संयोजक अरविंद केजरीवाल को चुनौती दे रहे हैं। मुनीश रायजादा प्रोफेशन से नवजात बच्चों के डॉक्टर हैं। अमेरिका में स्थापित प्रैक्टिस और नौकरी रही है। चौदह साल पहले जब अन्ना हजारे की अगुआई में भ्रष्टाचार विरोधी आंदोलन चला तो मुनीश को लगा कि अगर यह आंदोलन सफल हुआ तो भारत बदल जाएगा। भारत में रहते वक्त उन्होंने लालफीताशाही और कदम–कदम पर खुद भी भ्रष्टाचार का सामना किया था। इसलिए उन्हें लगता था कि अगर भ्रष्टाचार विरोधी आंदोलन सफल हुआ और जनलोकपाल की अवधारणा हकीकत बनी तो भारत बदल जाएगा। इस सपने के साथ वे भी अमेरिका की सुविधा संपन्न जिंदगी और डॉक्टरी छोड़ भारत आ गए और भ्रष्टाचार विरोधी आंदोलन का सक्रिय सदस्य बन गए। मुनीश की अगुआई में पढ़े–लिखे लोगों को अन्ना आंदोलन की ओर आकर्षित करने और विशेषकर विदेशों स्थित भारतीयों से संपर्क करने का बड़ा श्रेय है। उन्होंने विदेशों से अन्ना आंदोलन के लिए खूब चंदा भी जुटाए। देखते ही देखते वे उस भ्रष्टाचार विरोधी आंदोलन के बड़े सिपाही बन गए। इसके साथ ही उनकी नजदीकियां अरविंद केजरीवाल से बन गई। 2015 में ऐतिहासिक जीत के साथ दिल्ली की सत्ता पर काबिज हुई केजरीवाल सरकार ने मुनीश रायजादा को अपना स्वास्थ्य सलाहकार बनाया। मोहल्ला क्लीनिक, जिसकी ढोल केजरीवाल खूब पीटते हैं, एक तरह से मुनीश के दिमाग की उपज है। सरकार में काम करते वक्त दिल्ली को बदलने और उसके जरिए देश को बदलने का सपना देख रहे मुनीश रायजादा को बाद में झटके लगने शुरू हुए। जब उन्होंने अपनी आंखों से केजरीवाल सरकार के भ्रष्टाचार की ओर मुड़ते देखा। केजरीवाल की अगुआई में बनी आम आदमी पार्टी ने सादगी के साथ राजनीति और शासन का सपना दिखाया था। लेकिन बाद के दिनों में मुनीश ने देखा कि आम आदमी पार्टी और उसके नेता भी पारंपरिक राजनेताओं की ही तरह आगे बढ़ रहे हैं। उन्हें किसी भी तरह के भ्रष्टाचार से गुरेज नहीं है। रायजादा को अपना सपना टूटता हुआ दिखा तो उन्होंने केजरीवाल का साथ छोड़कर अपनी अलग राह चुन ली। अलग राह चुनने बाद उनके पास अमेरिका लौटकर अपनी डॉक्टरी प्रैक्टिस करने का विकल्प था। अमेरिका में रह रही उनकी डॉक्टर पत्नी ने इसके लिए उन्हें प्रेरित भी किया। लेकिन उनके मन को लगी गहरी चोट ने उन्हें लौटने नहीं दिया। सपनों का बिखरना उन्हें परेशान करता रहा। लिहाजा कुछ दोस्तों के साथ उन्होंने भारतीय लिबरल पार्टी बना ली। अब रायजादा का एक ही सपना है, केजरीवाल के भ्रष्टाचार को उजागर करना और चुनावी बिसात पर किसी तरह से मात देना। उनका मानना है कि अगर केजरीवाल को चुनावी बिसात पर मात नहीं दिया गया तो भारत में फिर से कोई भ्रष्टाचार विरोधी आंदोलन नहीं उभर पाएगा। भ्रष्टाचार के संपूर्ण खात्मे के लिए अरविंद का मुखौटा उतरना जरूरी है। मुनीश के पास संसाधनों की कमी है। उन्हें आर्थिक रूप से कुछ दोस्तों की मदद मिल रही है। चूंकि उनकी ओर लोगों का ध्यान नहीं है, इसलिए कोई उदार कारपोरेट भी उनकी मदद के लिए आगे नहीं आया है। लेकिन रायजादा ने खुद नई दिल्ली में अरविंद केजरीवाल के सामने ताल ठोक दी है। इसके साथ ही दिल्ली की सभी 12 आरक्षित सीटों पर अपने उम्मीदवार उतार रहे हैं। वैसे उनकी पार्टी दिल्ली की सभी 70 सीटों पर लड़ रही है। लेकिन उनका ज्यादा फोकस अनुसूचित जाति के लिए आरक्षित सीटों के साथ ही नई दिल्ली सीट पर है। रायजादा ने अनुसूचित समुदाय में बहुत काम किया है। अब भी वे वहां सक्रिय रहते हैं। इसलिए उन्होंने खुद को इन्हीं सीटों पर फोकस किया है। झुग्गी बस्तियों और अनुसूचित जाति वाले समुदायों में उनकी बड़ी पकड़ है। दिलचस्प यह है कि वे इसके बावजूद विकास की राजनीति की बात कर रहे हैं। चुनावी रेवड़ियों की राजनीति पर लगाम की भी बात करते हैं। उनका मानना है कि केजरीवाल ने मुफ्त रेवड़ी की राजनीति करके विकास और श्रम को किनारे किया है। इसका असर है कि दिल्ली में श्रम का महत्व कम हुआ है। दूसरी बात यह है कि भ्रष्टाचार खत्म करने के वादे के साथ दिल्ली की सत्ता पर काबिज हुई आम आदमी पार्टी दिल्ली की रिश्वतखोरी को खत्म नहीं कर पाई। रायजादा कहते हैं कि वह खत्म कैसे करेगी, क्योंकि खुद ही वह रिश्वतखोरी में डूब चुकी है। रायजादा को केजरीवाल की विलासिता भी चुभती है। इसलिए अपनी नुक्कड़ सभाओं और अपने वोटरों के बीच वे इसे खूब मुद्दा बना रहे हैं।रायजादा की राह की बड़ी बाधा धन है। उनके पास नहीं है, इसलिए उनके चुनाव प्रचार में चमक–दमक नहीं है। बड़े होर्डिंग और अखबारी विज्ञापन नहीं हैं। विदेशों से केजरीवाल के लिए पैसे जुटाने वाले शख्स के पास बड़े दानदाता नहीं है तो इसकी वजह केजरीवाल और उनकी राजनीति ही है। रायजादा कहते हैं कि किस मुंह से वे लोगों से दोबारा दान मांगे। फिर भी लोग, आम जनता और उनके दोस्त उनके चुनावी यज्ञ की समिधा बनकर उनके साथ चल रहे हैं। रायजादा की राजनीति की जानकारी केजरीवाल खेमे को है। प्रधानमंत्री मोदी, राहुल गांधी और हर बड़े राजनेता के हर सवाल का तपाक से जवाब देने वाले केजरीवाल और उनकी पार्टी रायजादा के सवालों और आरोपों का जवाब नहीं दे रही। मुनीश मानते हैं कि केजरीवाल को डर है कि अगर उन्होंने रायजादा को तवज्जो देना शुरू किया तो मुनीश के आरोपों पर दुनिया ध्यान ही नहीं देगी,

सम्पादकीय

कश्मीर देश का मुकुट

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कश्मीर के गांदरबल जिले में 6.5 किमी. लंबी जेड मोड़ सुरंग का उद्घाटन करते हुए कहा कि श्कश्मीर देश का मुकुट है, इसलिए मैं चाहता हूं कि यह ताज और सुंदर तथा समृद्ध हो। उन्होंने आगे यह भी कहा, श्मैं बस इतना चाहता हूं कि दूरियां अब मिट गई हैं, हमें मिल कर सपने देखना चाहिए, संकल्प लेना चाहिए और सफलता हासिल करनी चाहिए।य लेकिन इस अवसर पर जम्मू–कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला का दिया गया भाषण ज्यादा महत्त्वपूर्ण और प्रासंगिक है, जिसके अनेक निहितार्थ निकाले जा सकते हैं। उन्होंने प्रधानमंत्री मोदी की भूरि–भूरि प्रशंसा करते हुए कहा कि श्पंद्रह दिन के अंदर पहले जम्मू को रेलवे डिवीजन और अब टनल, इन परियोजनाओं से न सिर्फ दिल की दूरी, बल्कि दिल्ली से दूरी भी कम हो जाती है।य प्रधानमंत्री मोदी के भाषण का उल्लेख करते हुए मुख्यमंत्री उमर ने कहा, श्मेरा दिल कहता है कि प्रधानमंत्री बहुत जल्द जम्मू–कश्मीर के लोगों को किया गया अपना तीसरा वादा भी पूरा करेंगे, जो राज्य का दर्जा बहाल करना है। मुख्यमंत्री के भाषण से प्रतीत होता है कि उनका कांग्रेस नेता राहुल गांधी से मोहभंग हुआ है और उन्होंने अच्छी तरह से समझ लिया है कि अगर जम्मू–कश्मीर का विकास करना है और यहां व्यवस्थित सरकार चलानी है तो प्रधानमंत्री मोदी के सहयोग से ही चला सकते हैं, टकराव से नहीं। अगर मोदी का सहयोग मिलता रहेगा तो केंद्र का अनावश्यक हस्तक्षेप भी नहीं होगा। जाहिर है कि इस पर्वतीय प्रदेश में राज्य सरकार और केंद्र के बीच सहयोग से ही लोकतंत्र मजबूत होगा, शांति और स्थिरता आएगी। आतंकवाद और अलगाववाद परास्त होगा। किसी भी क्षेत्र के विकास के लिए ये आवश्यक शर्तें हैं। पिछले कुछ वर्षो के दौरान राज्य में आतंकी घटनाओं में उल्लेखनीय कमी आई है। संतोषजनक विकास भी हुआ है जिसके कारण पर्यटन उद्योग को बढ़ावा मिला है। राज्य के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने अपने भाषण के जरिए समझदारी का परिचय दिया है और अच्छी बात यह है कि यहां के मुसलमान भी अच्छी तरह समझने लगे हैं कि कश्मीर का भविष्य अस्थिर, अराजकताग्रस्त और आर्थिक रूप से संकटग्रस्त पाकिस्तान जैसे देश के साथ नहीं है, बल्कि भारत जैसे लोकतांत्रिक, स्थिर और आर्थिक रूप से मजबूत देश के साथ है। मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला कश्मीरी अवाम की इसी सोच का प्रतिनिधित्व कर रहे हैं।

दिल्ली दंगों का दर्द फिर उभर

पंकज चतुर्वेदी

दिल्ली विधानसभा के लिए मतदान के लिए तैयार है, और पांच साल पहले भड़के उत्तर–पूर्वी दिल्ली के दंगों का दर्द फिर उभर आया है। दंगों की साजिश के आरोप में बहुत से लोग यूएपीए के तहत जेल में हैं, और उस मुकदमे का न्याय ठिठका हुआ है। वैसे पुलिस ने दंगे से जुड़े 758 मामले पंजीकृत किए थे। इनमें से एक स्पेशल सेल, 62 क्राइम ब्रांच और 695 उत्तर–पूर्वी दिल्ली के विभिन्न थानों में पंजीकृत हैं। मिली जानकारी के मुताबिक, पुलिस ने दंगों से जुड़ी कुल 758 एफआईआर दर्ज कीं। इनमें अभी तक 2619 लोगों की गिरफ्तारी हुई जिनमें से 2094 लोग जमानत पर हैं। अब तक सिर्फ 47 लोगों को दोषी पाया है, और 183 लोग बरी भी हो गए हैं। 75 लोगों के खिलाफ सबूत न होने के कारण कोर्ट ने उनका मामला रद्द कर दिया है। इतने वर्ष बीतने के बावजूद इनमें से अभी तक 268 मामलों में जांच पूरी नहीं हो पाई है। जरा सोचें 1680 दिन बाद दंगे के कौन से साक्ष्य अब मिलेंगे? कुछ अर्जियां ऐसी भी हैं, जिन पर मामले दर्ज ही नहीं किए गए क्योंकि उनमें कुछ बड़े नाम थे। ऐसे भी मामले (57) जिनमें पुलिस के हाथ प्रमाण नहीं लगे और इन्हें बंद करने के लिए पुलिस ने अदालत से निवेदन किया है। ऐसे 43 मामलों की क्लोजर रिपोर्ट कोर्ट ने स्वीकार कर ली हैं जबकि 14 रिपोर्ट अभी विचाराधीन हैं। सच है कि दिल्ली में कानून–व्यवस्था का जिम्मा केंद्र सरकार का है, लेकिन न्याय और जेल राज्य सरकार के हाथों हैं। यह भी सामने आ चुका है कि दिल्ली हिंसा के पहले दिन ही अनेक जागरूक लोग मनीष सिसोदिया सहित आप के बड़े नेताओं के घर गए थे कि श्हम सभी को तनावग्रस्त इलाके में चल कर लोगों को समझा कर शांत करना चाहिएय लेकिन इन नेताओं ने इससे इनकार कर दिया था। विदित हो दिल्ली में विधानसभा चुनाव के नतीजे के तत्काल बाद ही दंगे हो गए थे। इस आशय का पत्र और तथ्य अब चार्जशीट के हिस्से हैं।दंगों के तत्काल बाद दिल्ली सरकार के दिल्ली अल्पसंख्यक आयोग ने नौ सदस्यीय कमेटी का गठन किया था। इसके चेयरमैन सुप्रीम कोर्ट के वकील एमआर शमशाद और गुरमिंदर सिंह मथारू, तहमीना अरोड़ा, तनवीर काजी, प्रो. हसीना हाशिया, अबु बकर सब्बाक, सलीम बेग, देविका प्रसाद तथा अदिति दत्ता सदस्य थे। इस जांच कमेटी ने दंगों में घोषित मुआवजे के लिए लिखे गए 700 प्रार्थनापत्रों का अध्ययन किया। अपने अध्ययन के बाद कमेटी ने पाया कि अधिकतर मामलों में क्षतिग्रस्त जगह का दौरा भी नहीं किया गया और जिन मामलों में जान–माल का नुकसान पाया गया, उनमें भी बहुत कम धनराशि, अंतरिम सहायता के रूप में दी गई। दंगों के तुरंत बाद कई लोग घर छोड़ कर चले गए। इसलिए बहुत से लोग मुआवजे के लिए आवेदन नहीं कर सके। मुआवजे में भी सरकारी अधिकारी के मरने पर उनके परिवार वालों को एक करोड़ की रकम दी गई जबकि एक आम नागरिक की मौत पर केवल 10 लाख रु पये का मुआवजा दिया गया। मुआवजे का कोई तार्किक आधार तय नहीं किया गया। इस रिपोर्ट के अनुसार दिल्ली में कानून–व्यवस्था की जिम्मेदारी केंद्र सरकार की है, फिर भी दंगा पीड़ितों को केंद्र ने कोई मदद नहीं की। इस बात के लिए दिल्ली की आम आदमी पार्टी सरकार की भूमिका भी संदिग्ध है कि अप्रैल, 2020 में उत्तर–पूर्वी दिल्ली दंगा दावा आयोग (एनईडीआरसीसी) के गठन के बावजूद आज भी 2,790 दावे अनसुलझे हैं।

जनतंत्र जनसेवा की आदर्श व्यवस्था है

भारतीय जनतंत्र की लगभग सात दशक लम्बी यात्रा इस बिडम्बना की साक्षी है। गत शताब्दी के आठवें दशक में घटित जनता पार्टी का उद्भव और पराभव इस तथ्य का ज्वलन्त प्रमाण है।

वर्तमान लोकतांत्रिक व्यवस्था के संदर्भ में अमेरिकन राष्ट्रपति अब्राहम लिंकन को उद्घृत करते हुए कहा जाता है कि 'जनतंत्र जनता के लिए, जनता द्वारा, जनता का शासन है।' सिद्धान्ततः यह कथन आंशिक रुप से सत्य भी है क्योंकि इसमें जनता द्वारा चुने गए प्रतिनिधि जनता के लिए कल्याणकारी योजनाएं क्रियान्वित करते हैं। इस दृष्टि से समस्त शासन व्यवस्थाओं में यह व्यवस्था सर्वोत्तम भी है और इसीलिए स्वतंत्रता प्राप्ति के समय हमने इस व्यवस्था को चुना, किन्तु आज हमारे लोकतन्त्र में बढ़ती अविवेकपूर्ण एवं अनुत्तरदायित्व भरी कार्यशैली, जनमन में बढ़ता असंतोष जनित आक्रोश और यत्र–तत्र घटित अराजकतायुक्त दुर्घटनाएं विश्व के इस विशालतम लोकतन्त्र के समक्ष अनेक यक्षप्रश्न उपस्थित कर रही हैं। भारतीय गणतंत्र की इस 76 वें वर्षगाँठ पर इस संदर्भ में गंभीर और विस्तृत विमर्श अपेक्षित है। सैद्धान्तिक रुप से जनतन्त्र में व्याख्यायित 'जनता' एक इकाई है। जनतन्त्र की उपर्युक्त लिंकन कृत परिभाषा से ध्वनित होता है कि एक इकाई के रुप में संगठित जनता सम्पूर्ण समाज में से सर्वसम्मति से सुयोग्य नेतृत्व का चयन कर जनकल्याण का पथ प्रशस्त करती है, किन्तु व्यावहारिक रुप से जनतन्त्र में प्रयुक्त जनता एक इकाई नहीं होती। वह अनेक विचारधाराओं, दलों और धर्म–क्षेत्र–जाति–भाषा– व्यवसाय आदि की संकीर्णताओं में बँधे छोटे–छोटे समूहों का समुच्चय होती है, जो मनुष्यता और राष्ट्रीयता की उदार एवं समावेशी हितग्राहिता को हाशिए पर डालकर सत्ता हथियाने की दलीय प्रतिबद्धता के प्रति दुराग्रह प्रकट करती है। निजी निहित स्वार्थों के लिए सचेष्ट ये संकीर्ण समूह परस्पर कीचड़ उछालते हुए सत्ता के गलियारों में आधिपत्य के लिए निरन्तर संघर्ष करते हैं। इसलिए जनतंत्र में शासन 'जनता द्वारा जनता के लिए' न रहकर 'दल द्वारा दल के लिए' हो जाता है और इसी कारण जनता में असन्तोष और आक्रोश जन्म लेता है। जनतंत्र की उदार दृष्टि दलीय महत्त्वाकांक्षाओं की दलदल में धँसकर जनकल्याण से दूर चली जाती है। सत्ताधारी दल जनकल्याण के नाम पर प्रचारित योजनाओं के माध्यम से अपनी भावी चुनावी विजय की रूपरेखा रचता हैय वोट–बैंक तैयार करता है और राष्ट्रीय–हितों के नाम पर दलीय–हितों के साधन में अपनी ऊर्जा नियोजित करता है। विपक्षीदल भी उचित–अनुचित का विचार किए बिना सत्ता हथियाने के लिए हर संभव कूट रचना रचते रहते हैं। भारतीय जनतंत्र की लगभग सात दशक लम्बी यात्रा इस बिडम्बना की साक्षी है। गत शताब्दी के आठवें दशक में घटित जनता पार्टी का उद्भव और पराभव इस तथ्य का ज्वलन्त प्रमाण है। मनुष्य की प्रकृति सामन्तवादी है। वह शासन करना चाहता है। औरों को अपने अधीन अपने नियन्त्रण में रखना चाहता है। परिवार का मुखिया, संस्था का प्रमुख, संगठन का नेता– सब वर्चस्व चाहते हैं और इस वर्चस्व कामना में निहित 'राजस' भाव स्वयं के लिए एवं अपने जाति–वर्ग के लिए सुख–सुविधाएँ जुटाने का उद्यम करता है।

राजतंत्र में राजा लोग अपने लिए, अपने राजपरिवार के लिए, अपने पक्ष के सामन्तों–सरदारों आदि के लिए सुख– सुविधाएं जुटाते थे और जनता के हितों की उपेक्षा करते थे, वर्तमान जनतंत्र में भी यही दुष्प्रवृत्ति दूर–दूर तक दिखाई देती है। भाई–भतीजावाद, वंशवाद, वोट बैंक सुदृढ़ करने की मानसिकता, जनता की गाढ़ी कमाई पर ऐश करने की ऐसी ही दुरभिलाषाओं के कारण आज हमारा जनतंत्र अपना वास्तविक अर्थ खोकर असंतोष और अराजकता की ओर अग्रसर हो रहा है। संज्ञा बदल जाने से स्वभाव नहीं बदल जाता। इसी प्रकार सामन्ती मानसिकता भी जनतांत्रिक संज्ञा धारण करने से नहीं बदल सकती। अभावों और संकटों से जूझते ऋणग्रस्त देश के जनतांत्रिक ध्वजवाहक के वस्त्रों का पेरिस से धुलकर आना हमारी सामन्ती मानसिकता को मौन समर्थन देने की चूक थी। यदि अपने जनतांत्रिक नेतृत्व की इस सामन्ती प्रवृत्ति को हमने समय रहते समझ लिया होता तो हमारा जनतंत्र भ्रष्टाचार का शिकार न बनता। उसका स्वरूप अधिक लोकमंगलकारी होता। उसकी छवि अधिक उज्ज्वल होती। जनता सदा नेता का, प्रजा सदा राजा का अनुसरण करती है। रावण के राजा रहते राम से युद्धरत रहने वाले लंकावासी विभीषण के राजा बनते ही राम के शरणागत हो जाते हैं। महात्मा गाँधी जब अपने दीवान परिवार की ऐश्वर्य और वैभवपूर्ण सुख–सुविधाओं को त्यागकर देश सेवा के लिए लंगोटी धारणकर आजादी की लड़ाई में उतरते हैं तो लाखों–करोड़ों भारतीय अपनी व्यक्तिगत सुविधाओं और पारिवारिक उत्तरदायित्वों की परवाह किए बिना उनके पीछे चलकर देशहित में हर संभव त्याग करते हैं किन्तु जब स्वतंत्र भारत का शीर्ष नेतृत्व विलासितापूर्ण जीवनशैली अपनाता है तो धीरे–धीरे हमारे नेता भी बड़ी संख्या में विलासी जीवन जीने के अभ्यस्त हो जाते हैं जिसकी परिणिति व्यापक भ्रष्टाचार के रूप में सामने आती है। सत्ता सेवा का नहीं व्यक्तिगत सुविधाएं संचित करने का साधन बनकर वोफोर्स, हवाला, चारा, व्यापम आदि असंख्य घोटालों का शिकार हो जाती है। जनतंत्र जनसेवा की आदर्श व्यवस्था है। उसके सम्यक् संचालन के लिए अनुभवी, ईमानदार और ऐसे न्यायप्रिय निर्भीक नेतृत्व की आवश्यकता है जो समस्त संकीर्णताओं और दलीयस्वार्थों से ऊपर उठकर सम्पूर्ण समाज के लिए उचित निर्णय ले और जिसे सब स्वीकार करें, किन्तु विडम्बना यह है कि वर्तमान जनतांत्रिक व्यवस्था का आधार दलगत राजनीति है और दलगत राजनीति की कोख से जनमे नेतृत्व का सर्वस्वीकृत होना प्रायः असंभव है। तथापि अब यह नितान्त आवश्यक है कि हम वोट–बैंक और दलीय–स्वार्थों की ओछी कूटनीतियाँ छोड़कर 'सर्वजन हिताय सर्वजन सुखाय' की

ट्रंप की व्यक्तिगत सोच और सामरिक नीति में गहरा अंतर

अमेरिकी विदेश नीति का एक प्रमुख उद्देश्य लोकतंत्र, मानवाधिकारों और कानून के शासन का प्रचार–प्रसार करना है।

यह अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं और सहयोगियों के साथ काम करने के रूप में दिखाई देता है। ये लक्ष्य अमेरिकी विदेश नीति के केंद्रीय स्तंभों के रूप में कार्य करते हैं, और वैश्विक स्तर पर अमेरिका की भूमिका को आकार देते हैं लेकिन ट्रंप मूल्यों पर आधारित सहयोग की नीति को नकार कर अमेरिका की विदेश नीति को अधिक एकतरफा और संप्रभुतावादी बनाने की ओर देख रहे हैं। उनकी गृह और विदेश नीति में अलगाव का समान विचार नजर आता है। देश के भीतर वे सांविधानिक प्रावधानों के साथ अलगाव करने वाली जनता के साथ खड़े हैं, और उन्होंने केपिटल हिल के दंगाइयों को माफी दे दी है, वहीं वैदेशिक संबंधों को लेकर उनकी कूटनीति फायदों की तराजू को लेकर आगे बढ़ रही है। छह जनवरी, 2021 को एक अभूतपूर्व घटना घटी थी जब उनके समर्थकों ने अमेरिकी कैपिटल पर हमला किया था। ट्रंप ने कई बार इस हमले का समर्थन किया और भीड़ को उकसाया था। ट्रंप ने राजनीतिक हिंसा करने वाले लोगों को माफ करके लोकतंत्र की शांतिप्रिय तरीके से सत्ता हस्तांतरण की शांतप्रिय व्यवस्था पर मानो अविश्वास जता दिया है। अमेरिका का उद्देश्य वैश्विक व्यापार को बढ़ावा देना और अपने आर्थिक हितों की रक्षा करना है। यह मुक्त व्यापार समझौतों, व्यापार संबंधों और निवेश को बढ़ावा देने के माध्यम से होता है। ट्रंप इससे उलट व्यवहार कर रहे हैं। वे व्यापार समझौतों के पुनरू मोल–भाव करने में विश्वास रखते थे। ट्रंप ने कई पुराने मुक्त व्यापार समझौतों को संशोधित या समाप्त करने की मंशा जाहिर कर दी है। ट्रंप बहुपक्षीय संस्थाओं और समझौतों की बजाय द्विपक्षीय संबंधों को प्राथमिकता देना चाहते हैं। ट्रंप ने पेरिस जलवायु परिवर्तन समझौते से बाहर निकलने का निर्णय लिया है, यह तर्क देते हुए कि यह समझौता अमेरिका की अर्थव्यवस्था को नुकसान पहुंचाएगा और रोजगार में कमी करेगा। पेरिस जलवायु समझौता वैश्विक समझौता है, जो जलवायु परिवर्तन को नियंत्रित करने और वैश्विक तापमान को बढने से रोकने के उद्देश्य से 2015 में पेरिस, फ्रांस में हुए संयुक्त राष्ट्र जलवायु परिवर्तन सम्मेलन में 195 देशों द्वारा हस्ताक्षरित किया गया था। पेरिस जलवायु समझौता ऐतिहासिक समझौता है, जो जलवायु परिवर्तन को रोकने के लिए वैश्विक प्रयासों को एकजुट करता है। हालांकि यह समझौता स्वैच्छिक है, और इसमें कानूनी बाध्यता नहीं है, फिर भी यह देशों को अपना उत्सर्जन कम करने और जलवायु परिवर्तन के प्रभावों से निपटने के लिए जिम्मेदार ठहराता है। इसकी सफलता इस बात पर निर्भर करती है कि देशों द्वारा तय किए गए लक्ष्य कितने प्रभावी तरीके से लागू होते हैं, और क्या वे समय–समय पर अपने लक्ष्य बढ़ाने के लिए तैयार होते हैं। पेरिस समझौते के तहत देशों को अपने कार्बन उत्सर्जन में कमी करने की दिशा में काम करना होता है, जिससे ग्लोबल वार्मिंग को सीमित किया जा सके। इसके लिए दुनिया के प्रमुख कार्बन उत्सर्जक देशों, जैसे अमेरिका, चीन, भारत, यूरोपीय संघ आदि, को अपनी नीति के अनुसार उत्सर्जन में कमी लाने के उपाय करने होते हैं। अमेरिका इससे अलग हट कर अपनी वैश्विक जवाबदेही से हट रहा है, और ट्रंप को इससे परहेज नहीं है। ट्रंप ने संयुक्त राष्ट्र, नाटो, और अन्य अंतरराष्ट्रीय संगठनों को लेकर अपनी असहमति व्यक्त की। उनका मानना था कि ये संगठन अमेरिका के हितों के खिलाफ काम कर रहे हैं, और अमेरिका के योगदान को उचित नहीं मानते।

नाटो और यूरोप के साथ अमेरिका के हित बहुत गहरे और विविध हैं, जो सुरक्षा, आर्थिक, राजनीतिक और सामरिक दृष्टिकोण से जुड़े हुए हैं। अमेरिका के लिए नाटो और यूरोप के साथ सहयोग और संबंध बनाए रखना महत्त्वपूर्ण है क्योंकि ये उसके वैश्विक रणनीतिक और सुरक्षा हितों के लिए अहम हैं। नाटो, और विशेष रूप से अमेरिका, यूरोप की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए रूस के खिलाफ मजबूत रक्षा स्थिति बनाए रखने का प्रयास करते हैं। ट्रंप पुतिन को सशक्त नेता मानते हैं। उन्होंने कई बार कहा है कि पुतिन मजबूत और सक्षम नेता हैं, जो अमेरिका के लिए लाभकारी हो सकते हैं। ट्रंप पुतिन से सीधे संवाद स्थापित करने पर बल देते हैं।

ट्रंप की व्यक्तिगत सोच और अमेरिका की पारंपरिक रक्षा और सामरिक नीति में गहरा अंतर है। यह स्थिति अमेरिका की वैदेशिक नीति का संकट बढ़ा सकती है। अमेरिका के लिए भारत का महत्त्व कई स्तरों पर फैला हुआ है। भारत उसका बड़ा रणनीतिक, आर्थिक और राजनीतिक साझेदार है, जो अमेरिकी हितों को दक्षिण एशिया, एशिया–प्रशांत और वैश्विक स्तर पर मजबूत करता है। ट्रंप ने भारत के साथ व्यापार असंतुलन को लेकर चिंता जताई है। वे भारत पर शुल्क को कम करने का दबाव डाल सकते हैं। पिछले कार्यकाल में ट्रंप प्रशासन के तहत भारत और अमेरिका के बीच रक्षा सहयोग और सैन्य संबंधों में काफी वृद्धि हुई थी। दोनों देशों ने अधिक संयुक्त सैन्य अभ्यास किए और अमेरिका ने भारत को उच्चस्तरीय रक्षा प्रौद्योगिकी और उपकरणों की आपूर्ति की। ट्रंप प्रशासन ने 2019 में कश्मीर मुद्दे पर भारत के पक्ष में समर्थन दिया। ट्रंप ने पाकिस्तान के साथ भी संवाद को बढ़ावा दिया लेकिन भारत के साथ उनकी साझेदारी मजबूत रही। उन्होंने भारत के साथ अपने संबंधों को अहम रणनीतिक साझेदारी के रूप में देखा। भारत को उम्मीद है कि क्वॉड समिट में शामिल होने ट्रंप इस साल भारत आएंगे। ट्रंप इस बार अमेरिका फर्स्ट नीति को लेकर ज्यादा आक्रामक हैं।

माना जा रहा है कि भारत को इमिग्रेशन और ट्रेड के मसले पर ट्रंप प्रशासन से चुनौती मिलेगी। ट्रंप प्रशासन भारत के साथ अपने संबंध कैसे आगे बढ़ाता है, इस पर भारत के साथ अमेरिकी हित भी निर्भर करेंगे। ट्रंप का विभिन्न देशों और वैश्विक संगठनों के प्रति अस्पष्ट रुख आशंकाएं बढ़ा सकता है। यह स्थिति अमेरिका की राष्ट्रीय सुरक्षा, क्वाड, पश्चिमी गठबंधनों और लोकतांत्रिक मूल्यों के लिए चुनौतीपूर्ण है। विश्व से अलगाव रखने की ट्रंप की नीतियों के बूते अमेरिका के राष्ट्रीय हित कैसे पूरे होंगे, यह बड़ा सवाल है।

आज का राशिफल

मेष राशि–
आज आपका दिन बेहतर रहेगा। आपकी गुम हुई पुरानी वस्तु आज वापस मिल जाएगी। साथ ही आपको इनवेस्ट में लाभ होगा। इस राशि वाले लोगों को अपने जीवनसाथी से आज गिफ्ट मिल सकता है। जिससे आप दोनों के रिश्ते में मधुरता बढ़ेगी।

वृष राशि–
आज आपका दिन खुशहाल रहेगा। आज किसी बड़े मामलों पर समझौता करने और सहयोग करने के लिए आप तैयार रहें। रुके हुए काम आज पूरे हो जाएंगे।

मिथुन राशि–
आज आपका दिन अच्छा रहेगा। आज प्रोजेक्ट में आपको जीवनसाथी का सहयोग मिलेगा, जो आगे सफलता के लिए मददगार साबित होगा। ऑफिस के कामों में दूसरों की राय लेने से बचें, बेहतर यही होगा की किसी अपनों की काम में मदद लें तो काम आसानी से सफल होंगे।

कर्क राशि–
आज के दिन आपको धन लाभ होगा। आज किसी अजनबी से बहस न करें। पैसों के लेन–देन के मामले में किसी भी तरह का निर्णय लेने से पहले बड़ों की सलाह लें। अपने ध्यान को केन्द्रित कर काम को पूरा करने की कोशिश करें।

सिंह राशि–
आज आपका दिन आपके अनुकूल रहेगा। आपका रुझान रचनात्मक कार्यों की तरफ ज्यादा रहेगा। नया वाहन खरीदनें के लिए आज का दिन शुभ है। साथ ही घर की साज–सजावट के लिए घरेलू उपकरणों से जुड़ी खरीददारी करने के लिए

कन्या राशि–
आज का दिन लकी है। आज के दिन की शुरुआत खुशहाल रहने वाली है। जो लोग मिट्टी के व्यवसाय से जुड़े है उनके लिए आज का दिन फायदेमंद रहेगा।

तुला राशि–
आज आपका दिन खुशियों से भरा रहेगा। आज आपकी आर्थिक स्थिति मजबूत बनी रही रहेगी। आज अपने कामों में कामयाबी का परचम लहराएंगे।

वृश्चिक राशि–
आज आपका दिन फेवरेबल रहेगा। आज किसी कार्य को पूरा करने का प्रयास सफल रहेगा। आज परिजनों से शुभ समाचार मिलेंगे और आपके आत्म सम्मान में वृद्धि होगी।

धनु राशि–
आज आपका दिन लाभदायक रहेगा। व्यापारी वर्ग के लोगों को धन लाभ होगा। अगर किसी नए व्यापार की शुरूआत करना चाह रहें है तो आज शुरुआत कर सकते है।

मकर राशि–
आज आपका दिन अच्छा रहेगा। आज मनोबल का स्तर अच्छा रहने के कारण आपके कार्य अच्छी गति से आगे बढ़ेंगे। आज बिजनेस में परिवर्तन के आसार दिख रहें हैं। ऑफिस में आपकी क्रिएटिविटी पहले से अच्छी बनेगी।

कुंभ राशि–
आज का दिन आपके लिए बहुत बढ़िया रहेगा। आपको अपने कार्यक्षेत्र में बड़ी सफलता हासिल होने वाली है। साथ ही किसी विदेशी कंपनी से जॉब का ऑफर आ सकता है।

मीन राशि–
आज का दिन आपके जीवन में नई खुशियां लेकर आएगा। आपका रुझान अध्यात्म के प्रति अधिक रहेगा। माता–पिता के साथ कहीं मंदिर दर्शन के लिए जाएंगे।

बार बार बोलने पर भी अर्बेल येहुद को हमास ने नहीं छोड़ा तो भड़क गए नेतन्याहू, कहा– अब जब तक..

हमास द्वारा जारी सूची के अनुसार, हमास द्वारा अपने सैनिकों की रिहाई के बदले में इजराइल को 200 कैदियों को रिहा करना था, जिसमें आजीवन कारावास की सजा काट रहे 121 कैदी शामिल थे। सूची यह भी इंगित करती है कि 70 को गाजा और वेस्ट बैंक से निष्कासित किया जाएगा। इजराइल ने कहा कि वह फिलिस्तीनियों को उत्तरी गाजा में लौटने की अनुमति नहीं देगा जब तक कि हमास कैद में रखे गए दर्जनों बंधकों में से एक अर्बेल येहुद को रिहा नहीं कर देता। इजराइल के रुख की पुष्टि करते हुए, प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के कार्यालय ने कहा कि गाजा युद्धविराम समझौते के हिस्से के रूप में यौद को शनिवार को रिहा किया जाना चाहिए था। हमास ने चार महिला इजरायली सैनिकों, डेनिएला गिल्बोआ, लिरी अल्बाग, नामा लेवी और करीना एरिएव को रिहा कर दिया, जो आईडीएफ और आईएसए बलों के साथ इजरायली क्षेत्र में प्रवेश कर गई थीं। हमास द्वारा जारी सूची के अनुसार, हमास द्वारा अपने सैनिकों की रिहाई के बदले में इजराइल को 200 कैदियों को रिहा करना था, जिसमें आजीवन कारावास की सजा काट रहे 121 कैदी शामिल थे। सूची यह भी इंगित करती है कि 70 को गाजा और वेस्ट बैंक से निष्कासित किया जाएगा। रिहा किए जाने वाले कुछ सबसे कुख्यात आतंकवादियों में 52 वर्षीय मोहम्मद ओदेह और 54 वर्षीय वाएल कासिम शामिल हैं, दोनों पूर्वी येरुशलम से हैं। उन पर इजरायलियों के खिलाफ घातक

हमास हमलों की एक श्रृंखला को अंजाम देने का आरोप लगाया गया था, जिसमें 2002 में यरूशलेम के हिब्रू विश्वविद्यालय में एक कैफेटेरिया में बमबारी भी शामिल थी, जिसमें पांच अमेरिकी नागरिकों सहित नौ लोग मारे गए थे। इससे पहले, इजराइली सेना के प्रवक्ता रियर एडमिरल डेनियल हगारी ने एक टेलीविजन बयान में पुष्टि की थी कि रिहा किए गए बंधक इजराइली हाथों में हैं और घर जा रहे हैं। उन्होंने हमास द्वारा युवतियों की रिहाई से पहले उनके सार्वजनिक प्रदर्शन को निंदनीय करार देते हुए इसकी भी आलोचना की। चार बंदी महिला इजरायली सैनिकों को भीड़ के सामने परेड कराने के बाद गाजा शहर में रेड क्रॉस को सौंप दिया गया था।

अमेरिका उपराष्ट्रपति वेंस के मतदान करने के बाद हेगसेथ को रक्षा मंत्री बनाने पर लगी मुहर

उच्च सदन सीनेट ने मतदान के दौरान उपराष्ट्रपति जेडी वेंस के 'टाइब्रेकर' वोट देने के बाद पीट हेगसेथ को अमेरिका का रक्षा मंत्री बनाए जाने को मंजूरी दे दी। अत्यधिक शराब पीने और महिलाओं के प्रति यौन दुर्व्यवहार के आरोपों के बीच रक्षा मंत्री बनने के लिए हेगसेथ की योग्यता पर सवाल उठ रहे थे। वाशिंगटन। अमेरिकी संसद के उच्च सदन सीनेट ने शुक्रवार देर रात हुए मतदान के दौरान उपराष्ट्रपति जेडी वेंस के 'टाइब्रेकर' वोट देने के बाद पीट हेगसेथ को अमेरिका का रक्षा मंत्री बनाए जाने को मंजूरी दे दी। अत्यधिक शराब पीने और महिलाओं के प्रति यौन दुर्व्यवहार के आरोपों के बीच रक्षा मंत्री बनने के लिए हेगसेथ की योग्यता पर सवाल उठ रहे थे। सौ सदस्यीय सीनेट में सत्तारूढ़ रिपब्लिकन पार्टी के 53 सदस्य हैं। हेगसेथ की नियुक्ति के पक्ष में 50 और विरोध में भी 50 वोट पड़ने के बाद फैसला टाई हो गया। जिसके बाद वेंस ने 'टाइब्रेकर' वोट देकर हेगसेथ (44) की नियुक्ति पर मुहर लगवा दी। हेगसेथ अफगानिस्तान और इराक युद्ध में सेवाएं दे चुके हैं। डेमोक्रेटिक पार्टी के सभी 47 सदस्यों ने फॉक्स न्यूज के पूर्व प्रस्तोता हेगसेथ की नियुक्ति के खिलाफ वोट दिया। इसके अलावा रिपब्लिकन पार्टी के सदस्यों सुसान कोलिंस, लीसा मर्कोस्की और मिच मैककोनेल ने भी विरोध में वोट डाला। शुक्रवार को हुए पुष्टिकरण

मतदान ने ट्रंप प्रशासन के लिए एक महत्वपूर्ण जीत को रेखांकित किया, जिसने हेगसेथ के पास अनुभव की कमी और उनके खिलाफ लगे आरोपों के बावजूद अपने उम्मीदवार के रूप में उनको समर्थन दिया। वेंस अमेरिका के दूसरे उपराष्ट्रपति बन गए हैं, जिन्होंने किसी कैबिनेट उम्मीदवार की नियुक्ति की पुष्टि के लिए "टाइब्रेकर" वोट का इस्तेमाल किया। इससे पहले ट्रंप के पिछले कार्यकाल में माइक पेंस ऐसा करने वाले पहले उपराष्ट्रपति थे, जिन्होंने 2017 में शिक्षा मंत्री बेस्टी डेवोस की नियुक्ति की पुष्टि के लिए निर्णायक मतदान किया था।

चीन ने रूबियो को परोक्ष चेतावनी देते हुए 'जिम्मेदाराना व्यवहार' करने के लिए कहा

अमेरिका के नये विदेश मंत्री को परोक्ष चेतावनी देते हुए चीन के विदेश मंत्री ने परोक्ष चेतावनी देते हुए उनसे 'जिम्मेदाराना व्यवहार' करने के लिए कहा है। विदेश मंत्री वांग यी ने एक फोन कॉल में यह संदेश दिया। शीर्ष राजनयिक के रूप में मार्को रुबियो के नाम की पुष्टि के बाद दोनों के बीच यह पहली बातचीत थी। बीजिंग। चीन के विदेश मंत्री ने अमेरिका के नये विदेश मंत्री को परोक्ष चेतावनी देते हुए उनसे 'जिम्मेदाराना व्यवहार' करने के लिए कहा है। विदेश मंत्री वांग यी ने एक फोन कॉल में यह संदेश दिया। चार दिन पहले राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के शीर्ष राजनयिक के रूप में मार्को रुबियो के नाम की पुष्टि के बाद दोनों के बीच यह पहली बातचीत थी। विदेश मंत्रालय के एक बयान के अनुसार, वांग ने रुबियो से कहा, ''मुझे उम्मीद है कि आप जिम्मेदाराना व्यवहार करेंगे।'' चीन में इस वाक्यांश का उपयोग आमतौर पर एक शिक्षक या बॉस द्वारा एक छात्र या कर्मचारी को अच्छा व्यवहार करने और अपने कार्यों के लिए जिम्मेदारी भरा रुख अपनाने की चेतावनी देने के लिए किया जाता है। यह संक्षिप्त वाक्यांश रुबियो की चीन और उसके मानवाधिकार रिकॉर्ड की मुखर आलोचना करने का जवाब प्रतीत होता है। इसके पहले अमेरिकी सिनेटर के रूप में रुबियो ने ये अलोचनाएं की थीं जिसने चीनी सरकार को 2020 में दो बार उन पर प्रतिबंध लगाने के लिए उकसाया। वहीं, अमेरिकी बयान में इस वाक्यांश का उल्लेख नहीं किया गया है। लेकिन इसमें कहा गया है कि रुबियो ने वांग

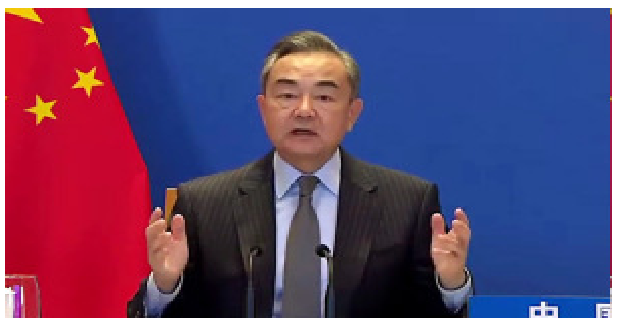

से कहा कि ट्रंप प्रशासन चीन के साथ अपने संबंधों में अमेरिकी हितों को आगे रखेगा और उन्होंने 'ताइवान और दक्षिण चीन सागर' में चीन की दादागिरी वाली कार्रवाई पर गंभीर चिंता व्यक्त की। वांग जब 2020 में विदेश मंत्री थे तब चीन ने रुबियो पर जुलाई और अगस्त में प्रतिबंध लगाए थे। पहले शिनजियांग क्षेत्र में उइगुर अल्पसंख्यक पर कार्रवाई के लिए चीनी अधिकारियों पर अमेरिकी प्रतिबंधों के जवाब में रुबियो पर प्रतिबंध लगाया गया और इसके बाद हांगकांग में बाहरी हस्तक्षेप को लेकर उनपर प्रतिबंध लगाया गया। इन प्रतिबंधों में चीन की यात्रा पर रोक शामिल है। चीनी सरकार ने संकेत दिया है कि वह विदेश मंत्री के रूप में रुबियो के साथ बातचीत करेगी, लेकिन उसने स्पष्ट रूप से यह नहीं कहा है कि वह उन्हें बातचीत के लिए देश का दौरा करने की अनुमति देगी या नहीं।

Trump प्रशासन की कार्रवाई के बीच आप्रवासियों के समर्थन में उतरे डेमोक्रेटिक पार्टी शासित राज्य

वाशिंगटन। आव्रजन नीतियों को सख्त बनाने के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के संकल्प के मद्देनजर डेमोक्रेटिक पार्टी शासन वाले राज्य नए उपाय पेश कर रहे हैं ताकि संघीय आव्रजन अधिकारियों के लिए कानूनी बाधाएं खड़ी की जा सकें और कानूनी दर्जा न रखने वाले आप्रवासियों को निर्वासन से बचने में मदद मिल सके। अमेरिका की आव्रजन नीतियों को सख्त बनाने के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के संकल्प के मद्देनजर डेमोक्रेटिक पार्टी शासन वाले राज्य नए उपाय पेश कर रहे हैं ताकि संघीय आव्रजन अधिकारियों के लिए कानूनी बाधाएं खड़ी की जा सकें और कानूनी दर्जा न रखने वाले आप्रवासियों को निर्वासन से बचने में मदद मिल सके। कैलिफोर्निया, न्यूयॉर्क और अन्य राज्यों में प्रतिरोध के ये प्रयास, रिपब्लिकन पार्टी नेतृत्व वाले कई राज्यों में अवैध आव्रजन के खिलाफ जारी कार्रवाई के विरोध में किए जा रहे हैं।ट्रंप प्रशासन ने इसी सप्ताह पदभार ग्रहण करने के बाद शरणार्थियों के आगमन पर रोक लगा दी हैय निर्वासन प्रक्रिया तेज की हैय दक्षिणी सीमा पर सैन्य टुकड़ियां भेजी हैंय स्कूलों, गिरजाघरों और अस्पतालों से आव्रजन प्रवर्तन को प्रतिबंधित करने वाले पुराने नियमों को हटा दिए हैंय जन्मजात नागरिकता को समाप्त करने का प्रयास किया हैय तथा संघीय अभियोजकों को उन राज्यस्तरीय या स्थानीय अधिकारियों की जांच करने का आदेश दिया गया है जो कथित तौर पर अवैध आव्रजन के खिलाफ कार्रवाई में बाधा डाल रहे हैं।राज्यों में पहले ही आप्रवासन को लेकर सैकड़ों विधेयक पेश किए जा चुके हैं और अगले सप्ताह और अधिक कार्रवाई की उम्मीद है। फ्लोरिडा के रिपब्लिकन गवर्नर रॉन डेसेंटिस और टेनेसी के गवर्नर बिल ली ने ट्रंप के आप्रवासन एजेंडे का समर्थन करने के लिए सोमवार से विधानसभा का विशेष सत्र बुलाया है। इस बीच, कनेक्टिकट, हवाई, मैसाचुसेट्स, न्यू मैक्सिको, ओरेगन और वाशिंगटन जैसे राज्यों में डेमोक्रेटिक पार्टी के विधायक आप्रवासियों के लिए स्वास्थ्य देखभाल और उच्च शिक्षा का

विस्तार करने, मकान मालिकों से आव्रजन स्थिति के बारे में पूछताछ किए जाने को रोकने या नए आप्रवासी हिरासत केंद्र खोलने के लिए सरकारी समझौतों को रोकने की कोशिश कर रहे हैं।न्यूयॉर्क विधानसभा की सदस्य कैटालिना क्रूज ने अप्रवासियों की सहायता के लिए छह से अधिक विधेयक पेश किए हैं। क्रूज नौ साल की उम्र में कोलंबिया से अमेरिका आई थीं और अमेरिकी नागरिक व वकील बनने से पहले एक दशक से अधिक समय तक गैर–कानूनी तरीके से अमेरिका में रही थीं। ओरेगन राज्य की विधानसभा सदस्य लिसा रेनॉल्ड्स ने एक विधेयक प्रस्तुत किया है, जिसके अनुसार राज्य के मानव सेवा विभाग को गैर–लाभकारी संस्थाओं को अनुदान देना होगा, ताकि वे उन लोगों की मदद कर सकें जो नागरिक नहीं हैं। ऐसे लोगों को इसलिये मदद पहुंचाई जा रही है ताकि वे अपना आव्रजन दर्जा बदल सकें या वैध स्थायी निवासी बन सकें। मानव सेवा विभाग जुलाई में शुरू होने वाले द्विवार्षिक बजट के दौरान कार्यक्रम शुरू करने के लिए 60 लाख डॉलर प्रदान करेगा। कैलिफोर्निया विधानसभा के सदस्य और सदन की शिक्षा समिति के अध्यक्ष अल मुरात्सुची एक ऐसा विधेयक पेश कर रहे हैं जिससे अमेरिकी आव्रजन एवं सीमा शुल्क प्रवर्तन अधिकारियों के लिए स्कूलों और बाल देखभाल केन्द्रों में प्रवेश करना अधिक कठिन हो जाएगा।

इजरायल के पेजर अटैक जैसे उड़ा न दे भारत मेडइन इण्डिया मोबाइल फोन को लेकर पाकिस्तान ने क्या बड़ा ऐलान कर दिया?

पाकिस्तान भारत में बने इलेक्ट्रानिक डिवाइस और मोबाइल फोन का इस्तेमाल बंद करना चाहती है। पाकिस्तान ने भारत में बने इलेक्ट्रॉनिक डिवाइस को अपने लिए बड़ा खतरा घोषित किया है। हैरानी की बात ये है कि पाकिस्तान भारत में बने आईफोन को भी नेशनल सिक्योरिटी थ्रेट मान रहा है। इसलिए पाकिस्तान के सभी मंत्रियों और सभी प्रांतों के चीफ सेक्रेटरी को लेटर भेजा गया है। बआपको याद होगा कि पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ एक बार रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के सामने बैठे थे। उस दौरान का एक वाक्या खासा वायरल हुआ था। घबराहट के मारे पाकिस्तानी प्रधानमंत्री ईयर फोन तक ठीक से नहीं लगा पा रहे थे। मगर पीएम मोदी के डर से तो अब शहबाज शरीफ मोबाइल फोन का इस्तेमाल करने से भी घबरा रहे हैं। पाकिस्तान की सरकार भारत में बने मोबाइल फोन से डर गई है। इसलिए पाकिस्तान की सरकार ने भारत में बने मोबाइल फोन को लेकर बहुत बड़ा ऐलान कर दिया

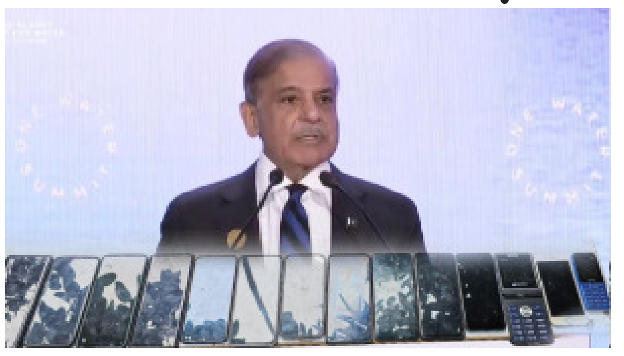

है। पाकिस्तान को मेड इन इंडिया फोन से डर लगने लगा है। पाकिस्तान को लग रहा है कि जिस तरह इजरायल ने पेजर के जरिए हिजबुल्लाह के आतंकियों को उड़ा दिया था। ठीक उसी तरह से मेड इन इंडिया फोन पाकिस्तान को बर्बाद कर सकते हैं। पाकिस्तानी सेना और सरकार का सीक्रेट डेटा चोरी हो सकता है। एक रिपोर्ट के मुताबिक पाकिस्तान भारत में बने इलेक्ट्रानिक डिवाइस और मोबाइल फोन का इस्तेमाल बंद करना चाहती है। पाकिस्तान ने भारत में बने इलेक्ट्रॉनिक डिवाइस को अपने लिए बड़ा खतरा घोषित किया है। हैरानी की बात ये है कि पाकिस्तान भारत में बने आईफोन को भी नेशनल सिक्योरिटी थ्रेट मान रहा है। इसलिए पाकिस्तान के सभी मंत्रियों और सभी प्रांतों के चीफ सेक्रेटरी को लेटर भेजा गया है। इस लेटर में कहा गया है कि मेड इन इंडिया फोन से बच कर रहना। पाकिस्तान का कहना है कि भारत में बनने वाले मोबाइल फोन और दूसरे डिवाइस से सॉफ्टवेयर और हार्डवेयर में कुछ ऐसी चीजें लगाई जा सकती हैं जो पाकिस्तान की सारी खुफिया जानकारी निकाल लेंगी। भारत में बने डिवाइस के चलते पाकिस्तान का डेटा हैक हो सकता है। एक बड़ा साइबर अटैक भी हो सकता है। कई पाकिस्तानी बोल रहे हैं कि जब इजरायल पेजर के जरिए हिजबुल्लाह के आतंकियों को उड़ा सकता है तो भारत भी मेड इन इंडिया मोबाइल के जरिए पाकिस्तान की सेना को उड़ा सकता है। गौरतलब है कि 17 सितंबर को लेबनान की राजधानी बेरूत में जनजीवन बिल्कुल सामान्य सा दिख रहा था। तभी कुछ ऐसा हुआ जिसने पूरी दुनिया को हैरत में डाल दिया। लेबनान में सिलसिलेवार ढंग से धमाके शुरू हुए। किसी की जेब में तो किसी के हाथ में रखे पेजर अपने आप फटने लगे। जब तक सिलसिला थमता तब तक 9 लोगों की मौत हो चुकी थी।

4000 से ज्यादा लोग अस्पताल पहुंच चुके थे। दुनिया में पहली बार ऐसा खतरनाक हमला हुआ है जिसके बारे में आपने कभी सोचा भी नहीं होगा। एक साथ हजारों धमाके हुए, 3 हजार लोग घायल हो गए और 13 लोगों की मौत हो गई। इजरायल ने पेजर के जरिए हिजबुल्लाह के आतंकियों की लोकेशन ट्रैक की और मौका मिलते ही सभी के पेजर पर एक साथ मैसेज भेज दिया। जिसने मैसेज को पढ़ लिया वो ब्लास्ट का शिकार हो गया।

477 दिन बाद मिली आजादी, हमास ने रिहा कीं 4 इजरायली महिला सैनिक

फिलिस्तीनी स्रोत का हवाला देते हुए बताया कि सैनिकों में से एक को इस्लामिक जिहाद ने पकड़ रखा था। नवीनतम आदान–प्रदान 19 जनवरी को इजराइल और हमास के बीच युद्धविराम शुरू होने के बाद से ये दूसरा एक्सचेंज है। हमास ने पहले आदान–प्रदान में 90 फिलिस्तीनी कैदियों के बदले में तीन इजरायली नागरिकों को सौंप दिया था। इजरायल और हमास सीजफायर समझौते के तहत शनिवार को 4 इजरायली महिलाओं को रिहा कर दिया। चार महिला सैनिकों करीना एरिएव, डेनिएला गिल्बोआ, नामा लेवी और लिरी अल्बाग को गाजा में रेड क्रॉस को सौंप दिया गया। बाद में उन्हें इजरायली सैन्य बलों को सौंप दिया गया। चारों सैनिक गाजा के किनारे एक निगरानी चौकी पर

तैनात थे और 7 अक्टूबर, 2023 को इजराइल पर हमले के दौरान उनके अड्डे पर कब्जा करने वाले हमास लड़ाकों ने उनका अपहरण कर लिया था। वहीं, तेल अवीव में खुशी की लहर दौड़ गई, जहां बंधकों के परिवार और दोस्त इस पल का इंतजार कर रहे थे। बड़ी स्क्रीन पर रिहाई का लाइव प्रसारण दिखाया गया, और लोग खुशी से रोते और एक–दूसरे को गले लगाते नजर आए। रॉयटर्स ने फिलिस्तीनी स्रोत का हवाला देते हुए बताया कि सैनिकों में से एक को इस्लामिक जिहाद ने पकड़ रखा था। नवीनतम आदान–प्रदान 19 जनवरी को इजराइल और हमास के बीच युद्धविराम शुरू होने के बाद से ये दूसरा एक्सचेंज है। हमास ने पहले आदान–प्रदान में 90 फिलिस्तीनी कैदियों के बदले में तीन इजरायली नागरिकों को सौंप दिया था। कतर और मिस्र की मध्यस्थता और संयुक्त राज्य अमेरिका के समर्थन से महीनों तक चली बातचीत के बाद तैयार किए गए युद्धविराम समझौते ने नवंबर 2023 में सिर्फ एक सप्ताह तक चले संघर्ष विराम के बाद पहली बार लड़ाई रोक दी है। समझौते के पहले छह सप्ताह के चरण में, हमास ने इजरायली जेलों में बंद सैकड़ों फिलिस्तीनी कैदियों के बदले में बच्चों, महिलाओं, वृद्ध पुरुषों और बीमारोंऔर घायलोंसहित 33 बंधकों को रिहा करने पर सहमति व्यक्त की है, जबकि इजरायली सैनिकों ने कुछ कैदियों को वापस बुला लिया है। दोनों पक्ष सैन्य उम्र के पुरुषों सहित शेष बंधकों की अदला–बदली और गाजा से इजरायली सेना की वापसी पर बातचीत करेंगे।

जब इंडोनेशिया के लिए भारत ने चला दिया था सीक्रेट मिशन, डकोटा विमान से पीएम को उड़ाकर ले आया था हिंदुस्तान

इंडोनेशिया की स्वतंत्रता संग्राम के नेता सुकर्णो से पंडित नेहरू की व्यक्तिगत दोस्ती हुआ करती थी। इंडोनेशिया ने अपने अधिकांश इलाकों को 1946 के आखिरी महीनों में डचों यानी नीदरलैंड के कब्जे से मुक्त करा लिया था। लेकिन 1948 आते आते डचों ने एक बार फिर इंडोनेशिया पर धावा बोल दिया। भारत ने गणतंत्र दिवस के चीफ गेस्ट के रूप में इंडोनेशिया के राष्ट्रपति प्रबोवो सुबियांतो को बुलाया है। उनकी पीएम मोदी और राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू सहित विदेश मंत्री एस जयशंकर से मुलाकात की तस्वीरें और खबरें तो आप सभी पढ़ व देख रहे होंगे। भारत और इंडोनेशिया के बीच के संबंधों में पिछले कुछ सालों में संबंधों काफी मजबूती आई है। लेकिन क्या आपको पता है कि इंडोनेशिया के स्वतंत्रता संग्राम में भारत ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। । भारत के प्रसिद्ध राजनेता ने देश के लिए गुप्त मिशन चलाया था। इस राजनेता का नाम बीजू पटनायक था। उन्हें आम तौर पर भारत के उड़ीसा राज्य के मुख्यमंत्री के उनके कार्यकाल के रूप में याद किया जाता है, लेकिन उन्हें इंडोनेशिया में एक हीरो का दर्जा हासिल है। इंडोनेशिया की स्वतंत्रता संग्राम के नेता सुकर्णो से पंडित नेहरू की व्यक्तिगत दोस्ती हुआ करती थी। इंडोनेशिया ने अपने अधिकांश इलाकों को 1946 के आखिरी महीनों में डचों यानी नीदरलैंड के कब्जे से मुक्त करा लिया था। लेकिन 1948 आते आते डचों ने एक बार फिर इंडोनेशिया पर धावा बोल दिया। मुश्किल वक्त में हरेक इंसान को अपना दोस्त याद आता है और उस वक्त सुकर्णो को अपने दोस्त नेहरू की याद आई। उन्होंने नेहरू से तत्काल मदद की गुहार लगाई। सुकर्णो ने अपने देश के राजनीतिक नेतृत्व के लिए तत्काल भारत में शरण की मांग की। नेहरू ने भी सुकर्णो की मांग को स्वीकार कर लियाष लेकिन सबसे बड़ा सवाल ये था कि चारों तरफ से डच सैनिकों से घिरे इंडोनेशिया में आखिर जाएगा कौन और वहां के नेतागण को सकुशल निकालकर भारत पहुंचाएगा कौन? बीजू पटनायक ने बतौर पायलट भारत के अलावा कई देशों में साहसिक अभियानों को सफलतापूर्वक अंजाम दिया। 1948 में डचों ने इंडोनेशिया पर धावा बोला तो भारत के पहले प्रधानमंत्री जवाहर लाल नेहरू ने बीजू पटनायक को इंडोनेशिया को डचों से मुक्त कराने में मदद करने की जिम्मेदारी दी। जिसके बाद पायलट के तौर पर 1948 में ओल्ड डकोटा एयरक्राफ्ट लेकर पटनायक जकार्ता पहुंचे। उन्होंने कई विद्रोही इलाकों में दस्तक दी और अपने साथ प्रमुख विद्रोही सुल्तान शहरयार और सुकर्णो को लेकर दिल्ली आ गए थे।

आजादी की लड़ाई, ब्रिक्स में स्थायी सदस्यता का समर्थन...सामने खड़े थे मोदी, इंडोनेशियाई राष्ट्रपति एक लाइन से गिनाने लगे भारत के एहसान

राष्ट्रपति ने भारत को इंडोनेशिया की स्वतंत्रता संग्राम के समय दिए गए समर्थन के लिए धन्यवाद दिया। उन्होंने यह भी बताया कि इंडोनेशिया में भारतीय दूतावास की जमीन भारत को उपहार के रूप में दी गई थी। तब अन्य देशों ने इंडोनेशिया को मान्यता नहीं दी थी। उन्होंने भारत को ब्रिक्स में इंडोनेशिया की स्थायी सदस्यता का समर्थन करने और ग्ग्लोबल साउथ की आवाज बनने के लिए भी धन्यवाद दिया।प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी इंडोनेशिया के राष्ट्रपति प्रबोवो सुबियांतो के साथ व्यापक वार्ता की। बातचीत में दोनों देशों ने समग्र द्विपक्षीय संबंधों को नयी गति देने, खासकर रक्षा विनिर्माण तथा आपूर्ति श्रृंखला के क्षेत्रों में संयुक्त रूप से काम करने पर सहमति जतायी। इंडोनेशिया के राष्ट्रपति प्रबोवो सुबियांतो ने कह कि मैं भारत की अपनी पहली राजकीय यात्रा में मुझे दिए गए सम्मान के लिए अपनी सर्वोच्च कृतज्ञता दोहराना चाहता हूं। आज राष्ट्रपति ने मेरा बहुत सम्मान के साथ स्वागत किया। प्रधानमंत्री मोदी और उनकी सरकार तथा मेरे और मेरी सरकार के बीच बहुत गहन और बेहद स्पष्ट चर्चा हुई। हमने साझा हित के कई प्रमुख क्षेत्रों पर चर्चा की। हम आर्थिक क्षेत्र में सहयोग के स्तर को बढ़ाना चाहते हैं। मैंने अपनी टीम को विनियमन को तेज करने, नौकरशाही को कम करने और भारत–इंडोनेशिया के साझा द्विपक्षीय हितों को सबसे आगे रखने के निर्देश दिए हैं। राष्ट्रपति ने भारत को इंडोनेशिया की स्वतंत्रता संग्राम के समय दिए गए समर्थन के लिए धन्यवाद दिया। उन्होंने यह भी बताया कि

इंडोनेशिया में भारतीय दूतावास की जमीन भारत को उपहार के रूप में दी गई थी। तब अन्य देशों ने इंडोनेशिया को मान्यता नहीं दी थी। उन्होंने भारत को ब्रिक्स में इंडोनेशिया की स्थायी सदस्यता का समर्थन करने और ग्ग्लोबल साउथ की आवाज बनने के लिए भी धन्यवाद दिया। भारत और इंडोनेशिया के संबंध हजारों वर्ष पुराने हैं। रामायण और महाभारत से प्रेरित गाथाएं और बाली जात्रा हमारे लोगों के बीच अनवरत सांस्कृतिक और ऐतिहासिक संबंधों के जीते–जागते प्रमाण हैं। मेरी इंडोनेशिया यात्रा के दौरान हमने अपनी साझेदारी को ब्वउचतमीमदेपअम `जतंजमहपब चंतजदमतीपच के रूप में आगे बढ़ाया था। आज राष्ट्रपति प्राबोवो के साथ आपसी सहयोग के विभिन्न पहलुओं पर व्यापक चर्चा हुई।

इंग्लैंड के खिलाफ टी20 श्रृंखला में चोटिल रेड्डी की जगह ले सकते हैं

शिवम दुबे को इंग्लैंड के खिलाफ आखिरी तीन टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों के लिए भारतीय टीम में वापस बुलाया जा सकता है क्योंकि उभरते सितारे नीतीश कुमार रेड्डी चोट के कारण श्रृंखला के बाकी मैचों से बाहर हो सकते हैं। दुबे की 28 जनवरी को राजकोट में तीसरे टी20 मैच से पहले राष्ट्रीय टीम से जुड़ने की उम्मीद है।मुंबई । मुंबई के हरफनमौला खिलाड़ी शिवम दुबे को इंग्लैंड के खिलाफ आखिरी तीन टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों के लिए भारतीय टीम में वापस बुलाया जा सकता है क्योंकि उभरते सितारे नीतीश कुमार रेड्डी चोट के कारण श्रृंखला के बाकी मैचों से बाहर हो सकते हैं। दुबे की 28 जनवरी को राजकोट में तीसरे टी20 मैच से पहले राष्ट्रीय टीम से जुड़ने की उम्मीद है। दुबे ने अपना पिछला टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच पिछले साल जुलाई में श्रीलंका के खिलाफ था। वह पीठ की चोट के कारण टीम से बाहर हो गये थे। उन्होंने रिहैबिलिटेशन पूरी करने के बाद हाल ही में घरेलू क्रिकेट में वापसी की है। इस 31 साल के खिलाड़ी को हालांकि इंग्लैंड के खिलाफ पांच मैचों की टी20 अंतरराष्ट्रीय श्रृंखला के लिए टीम में शामिल नहीं किया गया था। चयनकर्ताओं ने ऑस्ट्रेलिया में प्रभावित करने वाले युवा हरफनमौला रेड्डी को टीम में शामिल किया है। दुबे हालांकि चोट से वापसी के बार अपने पहले रणजी मैच में प्रभावित करने में नाकाम रहे। वह जम्मू कश्मीर के खिलाफ दोनों पारियों में खाता खोलने में नाकाम रहे। बायें हाथ से बल्लेबाजी करने वाले दुबे ने अब तक 33 टी20 अंतरराष्ट्रीय खेले हैं जिसमें उन्होंने लगभग 135 की स्ट्राइक रेट से 448 रन बनाए हैं। उन्होंने अपनी मध्यम गति की गेंदबाजी से 11 विकेट लिए हैं।

जम्मू–कश्मीर ने मुंबई को हराया, नहीं काम आई शार्दुल ठाकुर की सेंचुरी, रोहित–यशस्वी और श्रेयस रहे फ्लॉप

जम्मू–कश्मीर रणजी ट्रॉफी 2024–25 में जम्मू–कश्मीर ने मुंबई को हराकर इतिहास रच दिया है। मुंबई में रोहित शर्मा और श्रेयस अय्यर जैसे कई दिग्गज खिलाड़ी थे। लेकिन फिर भी उसे हार का सामना करना पड़ा। दूसरी ओर पारस डोगरा की कप्तानी वाली टीम ने दमदार प्रदर्शन किया और जीत दर्ज की। जम्मू–कश्मीर ने रणजी ट्रॉफी 2024–25 में इतिहास रच दिया है। उसने डिफेंडिंग चौंपियन मुंबई को हरा दिया है। अजिंक्य राहणे की कप्तानी वाली मुंबई टीम को इस मैच में 5 विकेट से हार का सामना करना पड़ा। मुंबई में रोहित शर्मा और श्रेयस अय्यर जैसे कई दिग्गज खिलाड़ी थे। लेकिन फिर भी उसे हार का सामना करना पड़ा। दूसरी ओर पारस डोगरा की कप्तानी वाली टीम ने दमदार प्रदर्शन किया और जीत दर्ज की। जम्मू कश्मीर के लिए युद्धवीर सिंह ने कमाल का प्रदर्शन किया। उन्हें प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया। युद्धवीर ने मुंबई की पहली पारी के दौरान 8.2 ओवर फैंके। उन्होंने इस दौरान 31 रन देकर 4 विकेट झटके। इसके साथ ही दूसरी पारी में 3 विकेट झटके। युद्धवीर ने दूसरी पारी में 15 ओवर फेंके और 64 रन दिए। उन्होने टीम के लिए कुछ रन भी जोड़े। युद्धवीर ने पहली पारी में 20 रन बनाए थे। मुंबई की टीम पहली पारी में 120 रनों के स्कोर पर ऑलआउट हो गई। इस दौरान रोहित 3, यशस्वी 4 रन, रहाणे 12 रन और अय्यर 11 रन ही बना पाए। जबकि शार्दुल ठाकुर ने 51 रनों का योगदान दिया था।

टीम ने दूसरी पारी में 290 रन बनाए। इस दौरान शार्दुल ने अहम भूमिका निभाई। उन्होंने 119 रन बनाए। जबकि तनुष कोटियन ने 62 रन बनाए। इनके अलावा कोई भी बल्लेबाजी उम्मीदों पर खरा नहीं उतरा। जम्मू–कश्मीर के लिए ये ऐतिहासिक जीत है। उसने डिफेंडिंग चौंपियन मुंबई को हराया है। टीम ने पहली पारी में 206 रन बनाए थे। इस दौरान शुभम खजूरिया ने 53 रन बनाए थे। अदीब मुश्ताक ने 44 रनों का योगदान दिया था। इसके दूसरी पारी में 5 विकेट गंवाकर 207 रन बनाए और जीत हासिल की। मुश्ताक ने जम्मू–कश्मीर के लिए दूसरी पारी में नाबाद 32 रन बनाए।

शुभमन गिल की सेंचुरी गई बेकार, कर्नाटक के खिलाफ पंजाब को 207 रन से मिली हार

शुभमन गिल को रणजी ट्रॉफी में वापसी पर करारी हार का सामना करना पड़ा है। शनिवार को रणजी ट्रॉफी एलीट ग्रुप सी के मैच में कर्नाटक के खिलाफ पंजाब के लिए कप्तानी करते हुए उन्होंने शतक जमाया लेकिन वो किसी काम नहीं आया। टीम इंडिया के स्टार बल्लेबाज शुभमन गिल को रणजी ट्रॉफी में वापसी पर करारी हार का सामना करना पड़ा है। शनिवार को रणजी ट्रॉफी एलीट ग्रुप सी के मैच में कर्नाटक के खिलाफ पंजाब के लिए कप्तानी करते हुए उन्होंने शतक जमाया लेकिन वो किसी काम नहीं आया। पहली पारी में फ्लॉप होने के बाद दूसरी पारी में उन्होंने शतक जमाया लेकिन फिर भी टीम को कर्नाटक के खिलाफ जारी और

207 रन की बड़ी हार मिली। गिल ने बेंगलुरु के एम चिन्नास्वामी स्टेडियम में चल रहे मैच की दूसरी पारी में पंजाब के लिए ओपनिंग की और 14 चौकों और 3 छक्कों की मदद से 159 गेंदों में शतक पूरा किया। वो इस मैच में पंजाब की तरफ से एकमात्र बल्लेबाज हैं जिन्होंने कर्नाटक के खिलाफ रन बनाए हैं। कर्नाटक ने पहली पारी में 475 रन बनाए। पंजाब ने टॉस हारने के बाद बल्लेबाजी करते हुए पहली पारी में 55 रन बनाए थे जबकि दूसरी पारी 213 रन पर सिमट गई। वहीं रणजी ट्रॉफी में गिल की वापसी के बावजूद पंजाब का प्रदर्शन निराशाजनक रहा। कर्नाटक के खिलाफ गिल पहली पारी में केवल 8 गेंदों में 4 रन ही बना पाए। जबकि दूसरी पारी में उन्होंने संघर्ष करते हुए शतक जड़ा। ऑस्ट्रेलिया में खेलकर लौटे शुभमन गिल के अलावा पंजाब की टीम में मयंक अग्रवाल, देवदत्त पडिक्कल और प्रसिद्ध कृष्णा जैसे खिलाड़ी शामिल थे। कृष्णा ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ सिडनी क्रिकेट ग्राउंड में 3 से 5 जनवरी तक खेले गए पांचवें टेस्ट में भारत की प्लेइंग इलेवन में जगह बनाई थी। जबकि पडिक्कल ने ऑप्टस स्टेडियम में सीरीज के पहले मैच में खेला था।

रोहित शर्मा बने आईसीसी की टी20 टीम के कप्तान, इन खिलाड़ियों को भी मिला टीम में मौका

आईसीसी ने मेन्स टी20 ऑफ द ईयर 2024 का ऐलान कर दिया है। इस टीम का कप्तान रोहित शर्मा को बनाया गया है। रोहित शर्मा की कप्तानी में ही भारतीय टीम ने टी20 वर्ल्ड कप 2024 जीता था। हालांकि, टी20 वर्ल्ड कप की समाप्ति के तुरंत बाद रोहित शर्मा ने टी20 इंटरनेशनल को अलविदा कह दिया था।इंटरनेशनल क्रिकेट परिषद ने मेन्स टी20 ऑफ द ईयर 2024 का ऐलान कर दिया है। इस टीम का कप्तान रोहित शर्मा को बनाया गया है। रोहित शर्मा की कप्तानी में ही भारतीय टीम ने टी20 वर्ल्ड कप 2024 जीता था। हालांकि, टी20 वर्ल्ड कप की समाप्ति के तुरंत बाद रोहित शर्मा ने टी20 इंटरनेशनल को अलविदा कह दिया था। रोहित शर्मा ने टी20 वर्ल्ड कप 2024 में बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए तीन अर्धशतक लगाए थे। इस दौरान उन्होंने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 92 रन की आक्रामक पारी भी

खेली थी। अपनी बल्लेबाजी के अलावा रोहित ने कप्तानी में जलवा बिखेरा और टीम को चौंपियन बनाने में अहम रोल निभाया। रोहित ने पिछले साल 11 टी20 मैचों में 42.00 की औसत से 378 रन बनाए। हार्दिक पंड्या की बात करें तो उन्होंने पिछले साल टी20 इंटरनेशनल में गेंद और बल्ले से अपनी छाप चोड़ी। हार्दिक पंड्या ने साल 2024 में भारत के लिए 17 टी20 मैचों में 352 रन बनाने के अलावा 16 विकेट लिए। उन्होंने भारतीय टीम के वर्ल्ड चौंपियन बनने में अहम भूमिका निभाई। टी20 वर्ल्ड कप 2024 में हार्दिक ने 144 रन बनाए और 11 विकेट भी अपने नाम किए। वहीं जसप्रीत बुमराह की पिछले साल टी20 इंटरनेशनल में वापसी बेहतरीन रही। भारत के तेज गेंदबाजी यूनिट की अगुवाई करते हुए बुमराह ने टी20 वर्ल्ड कप 2024 के दौरान कुल आठ मैचों में 8. 026 की जबरदस्त औसत से 15 विकेट लिए। उधर अर्शदीप सिंह साल 2024 में टी20 इंटरनेशनल में भारत के सबसे गेंदबाज रहे। उन्होंने 18 टी20 में 13.50 की प्रभावशाली औसत से 36 विकेट लिए। अर्शदीप का सोबसे शानदार प्रदर्शन टी20 वर्ल्ड कप 2024 में रहा, जहां उन्होंने आठ मैचों में 17 विकेट चटकाए।

स्मृति मंधाना, श्रचा, दीप्ति शर्मा को आईसीसी की साल की सर्वश्रेष्ठ महिला टी20 अंतरराष्ट्रीय में मिली जगह

स्मृति मंधाना, विकेटकीपर ऋचा घोष और हरफनमौला दीप्ति शर्मा को शनिवार को भारतीय खिलाड़ियों की दबदबे वाली आईसीसी महिला टी20 अंतरराष्ट्रीय साल 2024 की सर्वश्रेष्ठ टीम में शामिल किया गया। इस टीम में तीन भारतीयों के अलावा दक्षिण अफ्रीकी और श्रीलंका के दो–दो जबकि इंग्लैंड, वेस्टइंडीज, ऑस्ट्रेलिया, आयरलैंड और पाकिस्तान से एक–एक खिलाड़ी हैं।

दिग्गज सलामी बल्लेबाज स्मृति मंधाना, विकेटकीपर ऋचा घोष और हरफनमौला दीप्ति शर्मा को शनिवार को भारतीय खिलाड़ियों की दबदबे वाली आईसीसी महिला टी20 अंतरराष्ट्रीय साल 2024 की सर्वश्रेष्ठ टीम में शामिल किया गया। इस टीम में तीन भारतीयों के अलावा दक्षिण अफ्रीकी और श्रीलंका के दो–दो जबकि इंग्लैंड, वेस्टइंडीज, ऑस्ट्रेलिया, आयरलैंड और पाकिस्तान से एक–एक खिलाड़ी हैं। मंधाना और दीप्ति को शुक्रवार को आईसीसी महिला वनडे साल की सर्वश्रेष्ठ टीम 2024 में भी शामिल किया गया था। मंधाना के लिए साल 2024 शानदार रहा। उन्होंने साल की शुरुआत ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 54 रनों की शानदार पारी के साथ और इसका अंत घरेलू मैदान पर वेस्टइंडीज के खिलाफ लगातार तीन अर्धशतकों के साथ किया। इस सलामी बल्लेबाज ने इस दौरान 23 मैचों में 763 रन बनाये और महिला टी20 अंतरराष्ट्रीय रैंकिंग में दूसरे स्थान पर पहुंच गयी। मंधाना ने इस दौरान आठ अर्धशतक, 42.38 के प्रभावशाली औसत और 126. 53 के स्ट्राइक रेट से रन बनाये। इस दौरान उनका सर्वोच्च स्कोर 77 रन था। ऋचा की विस्फोटक बल्लेबाजी ने उन्हें पिछले साल भारत के लिए उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वालों में से एक बनाया। उन्होंने पिछले साल की शुरुआत में यूएई के खिलाफ 29 गेंदों में नाबाद 64 रनों की तूफानी पारी खेली थी। उन्होंने 21 मैचों में दो अर्धशतक के साथ 33.18 के औसत और 156.65 के स्ट्राइक रेट से 365 रन बनाए। भारतीय टीम को 2024 में मिली सफलता में दीप्ति का योगदान

काफी अहम रहा। उन्होंने अपनी ऑफ स्पिन गेंदबाजी से 17.80 की औसत से 30 विकेट लेकर प्रभावित किया। उन्होंने इस दौरान महज 6.01 की इकॉनमी रेट से रन दिये। दीप्ति ने एशिया कप में नेपाल और पाकिस्तान के खिलाफ तीन–तीन विकेट भी झटके थे। आईसीसी ऑल–स्टार टीम की कप्तानी दक्षिण अफ्रीका की लौरा वोल्वार्ड्ट कर रही हैं, जिन्होंने पिछले साल अपनी टीम को कई महत्वपूर्ण जीत दिलाई। इसमें कैनबरा में ऑस्ट्रेलिया पर असाधारण जीत भी शामिल है, जहां उन्होंने 53 गेंदों पर नाबाद 58 रन बनाए थे। वोल्वार्ड्ट बल्ले से शानदार योगदान के कारण आईसीसी टी20 अंतरराष्ट्रीय रैंकिंग में पांचवें पायदान पर पहुंच गयी। वोल्वार्ड्ट के साथ दक्षिण अफ्रीका की मारिजन काप भी इस टीम का हिस्सा है। उन्होंने इस दौरान जनवरी में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ शानदार 75 रन और भारत के खिलाफ चेन्नई में 57 रन की तेज पारी खेली। कप्प ने अपनी तेज गेंदबाजी से 11 विकेट भी लिए। श्रीलंका की कप्तान चामरी अट्टापट्टू ने भी महिला एशिया कप में दो शतक बनाकर अपनी टीम को जीत दिलाई, जिसमें भारत के खिलाफ फाइनल में नाबाद 119 रन की मैच विजयी पारी भी शामिल थी।

37 साल के हुए चेतेश्वर पुजारा, जानें पर्सनल लाइफ और नेटवर्थ

चेतेश्वर पुजारा 25 जनवरी को अपना 37वां जन्मदिन मना रहे हैं। टीम इंडिया की नई दीवार कहे जाने वाले पुजारा लंबे समय से टीम से बाहर हैं। पुजारा भारत की टेस्ट टीम का अहम हिस्सा हुआ करते थे, भारत ने ऑस्ट्रेलिया को दो बार उसके घर में टेस्ट सीरीज में माद दी जिसमें पुजारा का रोल अहम रहा। टीम इंडिया के सीनियर खिलाड़ी चेतेश्वर पुजारा 25 जनवरी को अपना 37वां जन्मदिन मना रहे हैं। टीम इंडिया की नई दीवार कहे जाने वाले पुजारा लंबे समय से टीम से बाहर हैं। पुजारा भारत की टेस्ट टीम का अहम हिस्सा हुआ करते थे, भारत ने ऑस्ट्रेलिया को दो बार उसके घर में टेस्ट सीरीज में माद दी जिसमें पुजारा का रोल अहम रहा। यह वीनर्स नकली दांतों से 300 गुना बेहतर है! और कीमत बहुत सस्ती हैऔर जानें राजकोट में 25 जनवरी 1988 को जन्में चेतेश्वर पुजारा ने कम उम्र में क्रिकेट में सुर्खियां बटोरनी शुरू कर दी थीं। 22 साल की उम्र में पुजारा ने इंटरनेशनल डेब्यू किया था और भारत के लिए अपना पहली मैच खेला था। पुजारा फिर रुके नहीं और लगातार रन करते रहे जिसके चलते उन्हें राहुल द्रविड़ का उत्तराधिकारी माना गया और उन्होंने ये काम बहुत अच्छे से किया भी। चेतेश्वर पुजारा अब टीम इंडिया का हिस्सा नहीं हैं और न ही वह आईपीएल में खेलते हैं। ऐसे में उनकी कमाई पर प्रभाव पड़ा होगा। हालांकि, वह घरेलू क्रिकेट में अक्सर खेलते हुए दिखते हैं। हाल ही में बॉर्डर–गावस्कर ट्रॉफी के दौरान वह बतौर ब्रॉडकास्टर काम करते हुए भी दिखे। एक अनुमान के अनुसार पुजारा की कुल नेटवर्थ 25 करोड़ रुपये है। पुजारा विज्ञापनों में भी नजर आते हैं जिससे उनकी कमाई होती है। पुजारा का राजकोट में एक आलीशान घर है। उनके पास कुछ लग्जरी कारें हैं। पुजारा के पास ऑडी और फोर्ड जैसी कारें हैं। हालांकि, पुजारा ने टीम इंडिया में वापसी की उम्मीद नहीं छोड़ी है। वह अभी भी घरेलू क्रिकेट के जरिए टेस्ट टीम में वापसी का इंतजार कर रहे हैं। उनका लक्ष्य इंग्लैंड के खिलाफ होने वाली टेस्ट सीरीज में वापसी करना है। पुजारा उन खिलाड़ियों में शामिल हैं जिन्होंने भारत के लिए 100 से ज्यादा टेस्ट मैच खेले हैं। पुजारा ने भारत के लिए कुल 103 टेस्ट मैच खेले हैं और इनमें 43.60 की औसत से 7195 रन बनाए हैं। इस दौरान उनके बल्ले से 19 शतक और 35 अर्धशतक निकले हैं। पुजारा ने भारत के लिए पांच वनेड मैच भी खेले जिनमें सिर्फ 51 रन ही बना सके। वह भारत के लिए टी20 नहीं खेल सके।

दांतों की देखभाल करने में मदद कर सकता है मिस्वाक तेल, जानें इस्तेमाल के तरीके

दांतों की देखभाल हमारे स्वास्थ्य के लिए बहुत अहम है और आजकल कई लोग प्राकृतिक तरीकों की ओर रुख कर रहे हैं। मिस्वाक तेल एक ऐसा ही विकल्प है, जो मिस्वाक पेड़ से प्राप्त होता है। इसके कई फायदे हैं, जो आपके दांतों और मसूड़ों को स्वस्थ रखने में मदद करते हैं। इस लेख में हम जानेंगे कि कैसे आप अपने दांतों की देखभाल में मिस्वाक तेल का उपयोग कर सकते हैं ताकि दांत साफ और मसूड़े मजबूत बने रहें। दांतों को साफ रखने के लिए नियमित इस्तेमाल करें मिस्वाक तेल का नियमित इस्तेमाल आपके दांतों को साफ रखने में मदद करता है। इसमें प्राकृतिक तत्व होते हैं, जो बैक्टीरिया को हटाने में सहायक होते हैं। रोजाना ब्रश करने से पहले कुछ बूंदें मिस्वाक तेल की अपने टूथब्रश पर डालें और फिर ब्रश करें। इससे आपके दांत चमकदार और स्वस्थ रहेंगे। यह तरीका न केवल आपके मुंह की सफाई करता है बल्कि सांसों को भी ताजा रखता है, जिससे आप पूरे दिन आत्मविश्वास महसूस करेंगे। मसूड़ों की सेहत के लिए है

फायदेमंद मिस्वाक तेल मसूड़ों के स्वास्थ्य के लिए भी बहुत फायदेमंद होता है। अगर आपके मसूड़े कमजोर या सूजे हुए रहते हैं तो इस तेल का हल्का मालिश करना लाभकारी हो सकता है। इसे अपनी उंगलियों पर लेकर धीरे–धीरे मसूड़ों पर लगाएं और कुछ मिनट तक मालिश करें। इससे रक्त संचार बढ़ता है और सूजन कम होती है, जिससे मसूड़े मजबूत बनते हैं और दर्द से राहत मिलती है। कैविटी से बचाव करने में है सहायक कैविटी दांतों की एक आम समस्या बन गई है, लेकिन मिस्वाक तेल इसका समाधान हो सकता है। इसमें मौजूद एंटी–बैक्टीरियल गुण कैविटी पैदा करने वाले बैक्टीरिया को खत्म करते हैं, जिससे कैविटी बनने का खतरा कम होता है। हफ्ते में दो बार इस तेल को अपने टूथपेस्ट के साथ मिलाकर इस्तेमाल करें ताकि आपके दांत लंबे समय तक स्वस्थ रहें और आपको डेंटिस्ट के पास बार–बार न जाना पड़े। सांसों की दुर्गंध दूर करने का उपाय सांसों की दुर्गंध एक ऐसी समस्या होती है, जो अक्सर शर्मिंदगी का कारण बन सकती है, लेकिन मिस्वाक तेल इसका सरल समाधान प्रदान करता है। इसकी ताजगी भरी खुशबू मुंह की दुर्गंध को दूर करती है और आपको आत्मविश्वास देती रहती है। इसे माउथवॉश के रूप में इस्तेमाल किया जा सकता है। लाभ के लिए एक गिलास पानी में कुछ बूंदें मिलाकर कुल्ला करें ताकि आपकी सांसें हमेशा ताजा रहें। प्लाक हटाने में है मददगार दांतो पर जमा प्लाक कई समस्याओं का कारण बन सकता है, लेकिन मिस्वाक तेल इसे हटाने में मददगार साबित हो सकता है। इसके नियमित प्रयोग से प्लाक धीरे–धीरे कम होने लगता है, जिससे आपके दांत साफ–सुथरे दिखते रहते हैं।सप्ताह मे दो बार इसको अपने टूथब्रश पर लगाकर ब्रश करे ताकि प्लाक आसानी से निकल जाए और आपका मुस्कान हमेशा चमकदार बनी रहे।

आयरन का बेहतरीन स्त्रोत है पालक, इससे बनाकर खाएं ये स्वादिष्ट स्नैक्स

पालक आयरन का बेहतरीन स्त्रोत है। इसके साथ ही इसमें विटामिन–, विटामिन–ष्ट समेत कई पोषक तत्व भरपूर मात्रा में मौजूद होते हैं, जो स्वास्थ्य के लिए लाभदायक हैं।आइए आज हम आपको पालक के स्नैक्स की रेसिपी बताते हैं, जिन्हें आप शाम के समय बनाकर खा सकते हैं। यकिनन ये आपके घर में सभी को पसंद आएंगे।कुरकुरी पालक पत्ता चाट पालक पत्ता चाट बनाने के लिए सबसे पहले ताजे और बड़े पालक के पत्तों को धोकर सुखाएं।अब बेसन, नमक, लाल मिर्च और थोड़ा पानी मिलाकर गाढ़ा घोल बनाएं, फिर इस घोल में पालक के पत्तों को डुबोकर गर्म तेल में तलें।इसके बाद तले हुए पालक के पत्तों को प्लेट पर रखकर इनके ऊपर दही, हरी चटनी, मीठी चटनी, सेव और अनारदाना गार्निश करें।यह कुरकुरी पालक पत्ता चाट आपके मेहमानों को पसंद आएगी।पालक की टिक्कीपालकी टिक्की एक अनोखा व्यंजन है, जिसके लिए सबसे पहले उबले आलूओं को मैश करें और उसमें बारीक कटा प्याज, हरी मिर्च, अदरक–लहसुन का पेस्ट मिलाएं।अब इसमें उबला और कटा पालक डालें, फिर नमक और मसाले मिलाकर टिक्की का आकार दें। इन टिक्कियों को गरम तेल में सुनहरा होने तक तलें या तवे पर सेंके।इसे हरी धनिये की चटनी या खजूर की चटनी के साथ परोसें ताकि इसका स्वाद दोगुना हो जाए।मलाईदार पालक पास्ताअगर आप पास्ता पसंद करते हैं तो मलाईदार पालक पास्ता जरूर बनाएं।

सबसे पहले पास्ता को पानी में उबालकर ठंडे पानी से धो लें, फिर एक कढ़ाई में मक्खन गर्म करके उसमें लहसुन और प्याज भूनें।अब इसमें क्रीम डालकर मिलाएं, फिर इसमें उबला हुअ पास्ता और बारीक कटा पालक डालें।इसके बाद इसमें ऊपर से चीज और ओरेगानो या

मिक्स्ड हर्ब्स डालकर इसे गर्मागर्म परोसें।यह पास्ता बच्चों और बड़ों दोनों को पसंद आएगा।पालक की स्मूदी

सुबह की शुरुआत अगर हेल्दी स्मूदी से हो तो पूरा दिन ऊर्जा भरा रहता है। इसके लिए ब्लेंडर में ताजे पालक के पत्ते, केला, दही, शहद और थोड़ा–सा दूध डालकर ब्लेंड कर लें जब तक सब कुछ अच्छे से मिश्रित ना हो जाएं।अब इस स्मूदी को ग्लास मे निकाल कर तुरंत पीएं। यह स्मूदी ना केवल पौष्टिक होती है बल्कि पेट भरने वाली भी होती हैं, जिससे लंबे समय तक भूख नहीं लगती।मसालेदार पालक रोल्समसालेदार पालक रोल्स

पार्टी स्नैक्स के लिए बेहतरीन विकल्प हैं। इसके लिए रोटी बेलकर उस पर हल्का मक्खन लगाएं और बीच में तैयार मसाला रखें, जिसमें उबले आलू, पालक, प्याज, टोमैटो सॉस आदि शामिल हों। अब इसे रोल करके हल्का सेंकें ताकि बाहर की परत कुरकुरी बन जाए। इन्हें काटकर प्लेट में सजाएं और ऊपर से थोड़ा चीज ग्रेट करके ओवन में हल्का मेल्ट होने तक रखें।

पैन इंडिया फिल्म कन्नप्पा से प्रीति मुकुंदन का फर्स्ट लुक पोस्टर जारी, निर्माताओं ने उठाया अभिनेत्री के किरदार से पर्दा

विष्णु मांचू अभिनीत कन्नप्पा के निर्माताओं ने प्रीति मुकुंदन के किरदार नेमाली का अनावरण किया है। यह गतिशील भूमिका अनुग्रह, सौंदर्य, साहस, प्रेम और भक्ति का प्रतीक है, जो नेमाली को कन्नप्पा का दिल और आत्मा बनाती है। फर्स्ट-लुक पोस्टर में प्रीति का ग्लैमर दिखाया गया है, जो दर्शकों को और अधिक देखने के लिए उत्सुक कर रहा है। कन्नप्पा में मोहन बाबू, प्रभास, अक्षय कुमार, मोहनलाल, सरथ कुमार, अर्पित रांका और काजल अग्रवाल सहित कई स्टार कलाकार हैं। मुकेश कुमार सिंह द्वारा निर्देशित, इस एक्शन से भरपूर फिल्म में लुभावने वीएफएक्स हैं और यह एक सच्ची, प्रेरक कहानी पर आधारित है। 25 अप्रैल, 2025 को रिलीज होने वाली कन्नप्पा सबसे

बड़ी समर ब्लॉकबस्टर होने का वादा करती है प्रीति मुकुंदन ने नेमाली का किरदार निभाया है, जो कन्नप्पा की कहानी में गहराई लाता है। उनके किरदार की वफादारी और करुणा झलकती है, जो उन्हें कलाकारों में एक आकर्षक जोड़ बनाती है। अपने विविध कलाकारों और आकर्षक कहानी के साथ, कन्नप्पा देश भर के दर्शकों को लुभाने के लिए तैयार है। कन्नप्पा की रिलीज की तारीख, 25 अप्रैल, 2025, का बेसब्री से इंतजार किया जा रहा है। फिल्म की अखिल भारतीय पहुँच और सार्वभौमिक विषय व्यापक अपील सुनिश्चित करते हैं। निर्देशक मुकेश कुमार सिंह की दृष्टि एक्शन, ड्रामा और शानदार दृश्यों को जोड़ती है, जो कन्नप्पा को एक प्रत्याशित फिल्म बनाती है।

हिमेश रेशमिया की फिल्म बैडएस रवि कुमार का नया गाना तेरे प्यार में रिलीज

जाने-माने गायक, संगीतकार और अभिनेता हिमेश रेशमिया अपनी फिल्म बैडएस रवि कुमार को लेकर चर्चा में बने हुए हैं। इस फिल्म में कोरियोग्राफर और अभिनेता प्रभु देवा भी मुख्य भूमिका में नजर आने वाले हैं। इस एक्शन म्यूजिकल फिल्म का निर्देशन कीथ गोम्स ने किया है। अब इस फिल्म का नया गाना तेरे प्यार में रिलीज

हो गया है। फिल्म का गाना तेरे प्यार में रिलीज हेग या, जो असल में उनकी ही हिट एल्बम सुरूर 2021 का था। हिमेश का गाना तेरे प्यार में चार्टबस्टर था।

रिलीज होते ही उनका यह गाना हिट हो गया था। अब जबकि इसकी शानदार वापसी हो गई है तो प्रशंसक भी अपना उत्साह जाहिर करने से नहीं चूक रहे हैं एक यूजर ने लिखा, भाई जी फिल्म का तो पता नहीं, लेकिन इसके सारे गाने फायर हैं एक ने लिखा, हिमेश गाते भी हैं, हिमेश सचमुच रॉकस्टार हैं। उनके जैसा कोई नहीं। एक लिखते हैं,

बॉलीवुड की बैंड बजाएगी बैडएस रवि कुमार।बता दें कि इससे पहले इस फिल्म के 3 गाने रिलीज हो चुके हैं और तीनों ही गानों ने यूट्यूब पर धूम मचाई है, वहीं फिल्म के ट्रेलर ने भी खूब धमाका किया था।हिमेश इस फिल्म से अब लंबे समय बाद अभिनय की दुनिया में लौट रहे हैं। वह पिछली बार साल 2020 में रिलीज हुई फिल्म हैप्पी हार्डी एंड हीर में नजर आए थे। यह फिल्म 7 फरवरी, 2025 को सिनेमाघरों में दस्तक देने को तैयार है।

साक्षी सागर मडोलकर ने मोगली 2025 को बताया अपना ड्रीम प्रोजेक्ट

साक्षी सागर मडोलकर, जो नामाकूल और अमेजन की अपकमिंग सीरीज नॉक नॉक के लिए जानी जाती हैं, अब तेलुगु फिल्म इंडस्ट्री में धमाकेदार एंट्री करने जा रही हैं। उनकी पहली तेलुगु फिल्म मोगली 2025 होगी, जिसमें वह रोशन कनकाला के साथ नजर आएंगी। 14 जनवरी 2025 को फिल्म का फर्स्ट लुक पोस्टर रिलीज किया गया, जिसने फैंस के बीच खूब हलचल मचाई।साक्षी ने इस प्रोजेक्ट को अपना ड्रीम प्रोजेक्ट बताया है। फैंस उनकी इस नई शुरुआत को लेकर काफी एक्साइटेड हैं। नेशनल अवॉर्ड विनर डायरेक्टर संदीप राज की फिल्म मोगली 2025 एक शानदार विजुअल और इमोशनल जर्नी का वादा करती है। खूबसूरत जंगल के बैकड्रॉप पर बनी यह फिल्म दमदार कहानी और दिलचस्प ड्रामा का मेल है।ऐसे में फिल्म के रिलीज हुए पोस्टर ने दर्शकों के बीच जबरदस्त उत्सुकता पैदा कर दी है।लोग इस फिल्म से काफी उम्मीदें लगाए बैठे हैं और इसे लेकर चर्चा तेज हो गई है। साक्षी सागर मडोलकर ने अपनी तेलुगु डेब्यू फिल्म मोगली 2025 को लेकर अपना उत्साह जाहिर करते हुए कहा है, इतने पैशनेट और टैलेंटेड टीम के साथ काम करना मेरे लिए सम्मान की बात है। तेलुगु सिनेमा में अपनी जर्नी की शुरुआत करने को लेकर मैं बेहद खुश हूं।मोगली 2025 मेरा ड्रीम प्रोजेक्ट है, और मैं इंतजार नहीं कर सकती कि ऑडियंस इसे देखें और इसे महसूस करें। फिल्म में साक्षी का किरदार जैस्मिन, जो कहानी की इमोशनल ताकत है, दर्शकों के दिलों को छूने वाला है। साक्षी की एक्साइटमेंट और उनके काम के लिए डेडिकेशन उनकी आंखों में साफ नजर आता है।डायरेक्टर संदीप राज ने भी अपनी लीडिंग लेडी साक्षी की तारीफ करते हुए कहा, साक्षी मोगली 2025 का दिल हैं। दर्शक कुछ सच में खास देखेंगे, और जैस्मिन 2025 के सबसे पसंदीदा फीमेल किरदारों में से एक बन जाएगी। फिल्म की कहानी बेहद आकर्षक है, और शानदार परफॉर्मेंस के साथ-साथ विजुअल्स भी दिल छूने वाले हैं।मोगली 2025 एक ऐसी सिनेमाई अनुभव बन रही है जिसे फैंस मिस नहीं करना चाहेंगे। मोगली 2025 को लीडिंग प्रोड्यूसर टीजी विश्व प्रसाद के तले पीपल मीडिया फैक्ट्री के तले प्रोड्यूस किया है, और इसमें कैथी म्यूजिकल स्कोर है, जिन्होंने ऑस्कर-विनिंग ट्रैक नातु नातु पर भी काम किया था। इस फिल्म में म्यूजिक और कहानी दोनों का शानदार मेल है, और यह तेलुगु सिनेमा में एक बड़ा धमाका करने के लिए तैयार है। मोगली 2025 एक ऐसा सिनेमाई अनुभव बनने जा रही है जिसे दर्शक लंबे समय तक नहीं भूल पाएंगे। तो इस सफर के लिए तैयार हो जाइए!

आदि की हारर थ्रिलर सबधाम की रिलीज डेट तय

अरिवाझगन द्वारा निर्देशित आदि की हॉरर थ्रिलर सबधाम 28 फरवरी, 2025 को रिलीज होने वाली है। इस तमिल-तेलुगु द्विभाषी फिल्म में आदि और अरिवाझगन फिर से साथ आ रहे हैं, जिन्होंने पहले समीक्षकों द्वारा प्रशंसित 2009 की हॉरर फिल्म ईरम में साथ काम किया था। लक्ष्मी मेनन, लैला और सिमरन की प्रमुख भूमिकाओं वाली सबधाम का टीजर एक खौफनाक कहानी की ओर इशारा करता है। आदि एक शिक्षक की भूमिका में हैं जो एक महिला की आत्महत्या से शुरू हुई कॉलेज के भीतर भयानक घटनाओं की जांच कर रहा है। फिल्म एक भावनात्मक अंतर्धारा की खोज करती है, जो अरिवाझगन के निर्देशन की एक खासियत है, जो ईरम वैशाली में स्पष्ट है और एम नाइट श्यामलन की सिक्स्थ सेंस से प्रेरित है।7जी फिल्म्स और अल्फा फ्रेम्स द्वारा समर्थित अरिवाझगन के प्रोडक्शन वेंचर में एक प्रतिभाशाली तकनीकी दल है। एस थमन ने संगीत तैयार किया है, अरुण बाथमनबन ने सिनेमैटोग्राफी संभाली है और सबु जोसेफ वीजे ने संपादन किया है। थमन और अरिवाझगन ने पहले ईरम, वलिनम और आराथु सिनम में सहयोग किया था। जैसे-जैसे सबधाम रिलीज के करीब आ रहा है, हॉरर और भावनात्मक गहराई के मिश्रण के लिए उम्मीदें बढ़ रही हैं। क्या आधी और अरिवाझगन ईरम का जादू फिर से जगा पाएंगे? लक्ष्मी मेनन और सिमरन की भूमिकाएँ कैसे सामने आएंगी? 28 फरवरी के लिए उल्टी गिनती शुरू हो गई है।

स्टार बाय सिद्धू जोन्नालगड्डा की जैक-कोनकेम क्रैक 10 अप्रैल 2025 को होगी रिलीज

सिद्धू जोनालागड्डा, जिन्होंने बहुत बड़ी ब्लॉकबस्टर टिल्लू स्क्वायर बनाई थी, वर्तमान में अन्य प्रोजेक्ट पर काम कर रहे हैं। अभिनेता ब्लॉकबस्टर निर्देशक बोम्मारिलु भास्कर द्वारा निर्देशित जैक में व्यस्त हैं। फिल्म की टैगलाइन कोनचेम क्रैक है। बोम्मारिलु भास्कर और सिद्धू जोनालागड्डा एक नई शैली की खोज कर रहे हैं। उनका सहयोग दर्शकों को रोमांचकारी अनुभव देने वाला है।लोकप्रिय निर्माता बीवीएसएन प्रसाद के नेतृत्व में श्री वेंकटेश्वर सिने चित्रा इस फिल्म का निर्माण कर रहे हैं। 80 प्रतिशत से अधिक शूटिंग पहले ही पूरी हो चुकी है। फिल्म की शूटिंग फिलहाल हैदराबाद में हो रही है। निर्माताओं ने रिलीज की सही तारीख तय कर ली है रू जैक 10 अप्रैल, 2025 को दुनिया भर के सिनेमाघरों में रिलीज होगीनिर्माताओं को फिल्म से काफी उम्मीदें हैं, जिसमें सिद्धू जोनालागड्डा मुख्य भूमिका में हैं। फिल्म को एक मजेदार सफर के तौर पर तैयार किया गया है और वैष्णवी चैतन्य, जिन्हें बेबी में उनकी भूमिका के लिए जाना जाता है, मुख्य महिला भूमिका में हैं। फिल्म में बहुमुखी अभिनेता प्रकाश राज, नरेश और ब्रह्माजी भी मुख्य भूमिकाओं में हैं। फिल्म का संगीत अचू राजमणि ने तैयार किया है, जिन्होंने शानदार धुनें दी हैं। सिद्धू जोन्नालागड्डा जैक की मुख्य भूमिका में हैं, जिन्हें क्रैक गद्दू के रूप में वर्णित किया गया है, और वे बेतहाशा हंसी का खेल खेलने का वादा करते हैं। जैक - कोंचेम क्रैक एक ऐसा विचित्र शीर्षक

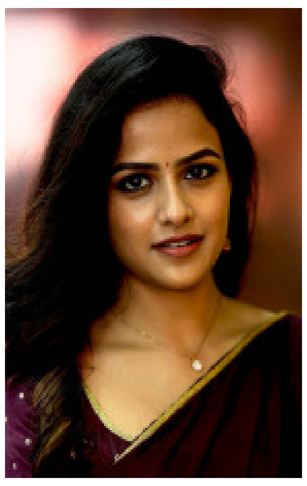

है, जो डीजे टिल्लू अभिनेता की छवि के लिए खास तौर पर बनाया गया है। इस रोमांचक परियोजना के बारे में अधिक जानकारी जल्द ही घोषित की जाएगी।

फराह मैम के साथ काम करना कभी ना भूलने वाला-जुनैद खान

अभिनेता आमिर खान के बेटे जुनैद खान ने फराह खान के साथ काम करने पर बात की। उन्होंने बताया कि डांसिंग कौशल में आने वाली परेशानियों के बावजूद इसे फराह खान ने कैसे आसान और सहज बनाया। जुनैद ने उनके साथ काम करने को कभी ना भूलने वाला बताया।जुनैद ने हाल ही में कोरियोग्राफर-निर्देशक फराह के साथ काम करने का अनुभव साझा किया। फराह खान ने जुनैद और खुशी कपूर के साथ अपकमिंग श्लवयापाच के गाने श्हलना कोलन्च को कोरियोग्राफ किया है।श्लवयापाच को लेकर जुनैद ने कहा, फराह मैम के साथ काम करना कभी ना भूलने वाला रहा है। वह सेट पर शानदार उपस्थिति लेकर आती हैं। मैं इतने सम्मानित और अनुभवी व्यक्ति से सीखने के अवसर के लिए वास्तव में आभारी हूं। एक डांसर के रूप में मेरी कमजोरियों के बावजूद, उनकी एनर्जी ने मुझे सहज महसूस कराया और इससे मैं अपना सर्वश्रेष्ठ देने पर ध्यान केंद्रित कर पाया।दिलचस्प बात यह है कि आमिर खान की फिल्म जो जीता वो सिकंदरश (1992) के मशहूर गाने श्पहला नशाश को कोरियोग्राफ करने वाली फराह ने अब आमिर के बेटे जुनैद के लिए भी गाना कोरियोग्राफ किया है। फराह के साथ काम करने के अपने अनुभव को याद करते हुए जुनैद ने इसे अपनी जिंदगी के सबसे यादगार

पलों में से एक बताया। लवयापाच के बारे में बता दें कि यह एक युवा जोड़े के सफर को दिखाती है, जिनके रिश्ते में तब मुश्किलें आती हैं, जब वे मोबाइल फोन की अदला-बदली करते हैं और एक-दूसरे के बारे में कुछ सच्चाइयों को जान जाते हैं। यह फिल्म तमिल हिट श्लव टुडेश की रीमेक है, जिसमें 2022 में प्रदीप रंगनाथन और इवाना ने मुख्य भूमिका निभाई थी।लवयापाच में अपनी भूमिका को प्रामाणिकता देने के लिए, जुनैद ने कथित तौर पर दिल्ली में तीन महीने बिताए, और खुद को शहर की जीवनशैली और संस्कृति में ढाल दिया। घटनाक्रम से जुड़े एक सूत्र ने कहा, जुनैद खान ने अपने किरदार में पूरी तरह से ढलने के लिए दिल्ली में तीन महीने बिताकर खुद को पूरी तरह से इस भूमिका में ढाल दिया। वह अपनी आगामी फिल्म लवयापाच के लिए एक आम दिल्ली के लड़के के सार और बारीकियों को पकड़ना चाहते थे। अद्वैत चंदन के निर्देशन में बनी श्लवयापाच में जुनैद खान के साथ खुशी कपूर, राधिका सरथकुमार, सत्यराज, योगी बाबू, एजाज खान, रवीना रवि, अदनान सिद्दीकी और स्वाति वर्मा भी अहम भूमिका में हैं। लवयापाच 7 फरवरी को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

स्वतंत्र नए भारत की आत्मा को समझते हुए जानें कैसे लीफोबेरी ने स्किन केयर में लाई क्रांति

जैसे भारत ने औपनिवेशिक शासन से आजादी पाई और अपनी खुद की किस्मत लिखी , वैसे ही लीफोबेरी ने स्किनकेयर को सल्फेट्स, सिलिकॉन, पैराबेन्स और अन्य हानिकारक रसायनों से मुक्त किया है। गजल बाबेल कोठारी, जो लीफोबेरी की संस्थापक हैं। मुंबई। जैसे पूरा भारत गणतंत्र दिवस की धूमधाम में डूबा हुआ है- अपनी स्वतंत्रता का जश्न मना रहा है , वैसे ही लीफोबेरी जो कि गजल बाबेल कोठारी द्वारा स्थापित एक अग्रणी स्किनकेयर

ब्रांड है, हानिकारक रासायनिक तत्वों से अपनी स्वतंत्रता का उत्सव मना रहा है।शुद्धता और प्रभावशीलता के साथ अपनी पहचान बनाते हुए, लीफोबेरी ने त्वचा देखभाल के क्षेत्र में एक क्रांति ला दी है और उद्योग में मौजूद अंतर को दूर करते हुए परिवर्तनकारी परिणाम दिए हैं। जैसे भारत ने औपनिवेशिक शासन से आजादी पाई और अपनी खुद की किस्मत लिखी , वैसे ही लीफोबेरी ने स्किनकेयर को सल्फेट्स, सिलिकॉन, पैराबेन्स और अन्य हानिकारक रसायनों से मुक्त किया है। गजल बाबेल कोठारी, जो लीफोबेरी की संस्थापक हैं, ने यह सफर अपनी गर्भावस्था के दौरान शुरू किया, जब उन्हें अपने न्यू बोर्न बेबी के लिए सुरक्षित और प्राकृतिक स्किनकेयर की जरूरत महसूस हुई। इस विचार से एक ऐसा ब्रांड बना, जो गुणवत्ता, प्राकृतिक सामग्री और अफोर्डेबिलिटी पर ध्यान देता है, और इसने पूरे देश में ग्राहकों का विश्वास जीता है।वास्तविक परिणामों के लिए अद्वितीय सीरमलीफोबेरी की टीम हमेशा से कुछ नया लाने में विश्वास रखती है।

अवनीत कौर ने मजेदार अंदाज में सुनाई अपनी लव स्टोरी

अभिनेत्री अवनीत कौर ने आखिरकार अपनी लव लाइफ के बारे में बात की। सोशल मीडिया पर एक पोस्ट साझा करते हुए उन्होंने मजेदार अंदाज में श्लव स्टोरीश सुनाई। अवनीत कौर सोशल मीडिया पर खासा सक्रिय रहती हैं और अपनी शानदार पोस्ट को प्रशंसकों संग साझा करती रहती हैं। इसी कड़ी में उन्होंने अपने इंस्टाग्राम स्टोरीज पर बिस्तर पर लेटी हुई एक शॉर्ट वीडियो साझा की। शॉर्ट वीडियो में वह ब्राउन रंग की स्वेटशर्ट पहने सेल्फी लेती नजर आई। अवनीत ने कैप्शन में लिखा, मैं और मेरा बिस्तर, यह एक लव स्टोरी है। एक अन्य स्टोरी में अभिनेत्री ने बताया था कि वह इस समय जम्मू-कश्मीर में हैं। बताया कि उन्होंने 13 डिग्री तापमान में शूटिंग की। हालांकि, उन्होंने प्रोजेक्ट का ब्योरा नहीं दिया। नहीं बताया कि वो फिल्म की या किसी सीरीज की शूटिंग के लिए वहां पहुंचीं हैं।

पिछले हफ्ते ही अवनीत अबू धाबी में कोल्डप्ले कॉन्सर्ट में शामिल हुई थीं, जिसे उन्होंने बेस्ट बताया और कहा कि वापस जाकर लोगों संग उन हसीन पलों को शेयर करना चाहती हैं।अवनीत ने इसके बाद इंस्टाग्राम स्टोरीज में कॉन्सर्ट के कई वीडियो साझा किए थे।एक्ट्रेस के करियर पर नजर डालें तो उन्होंने साल 2010 में डांस शो डांस इंडिया डांस लिटिल मास्टर्स से करियर की शुरुआत की थी।साल 2012 में श्मेरी मांच से अवनीत ने अभिनय यात्रा शुरू की। इसके बाद वह टेढ़े हैं पर तेरे मेरे हैंच, झलक दिखला जाच में नजर आईं। 2013 में उन्होंने सावित्री - एक प्रेम कहानीच और श्एक मुट्ठी आसमान में काम किया। अवनीत ने साल 2014 में रिलीज प्रदीप सरकार की श्मर्दानीच से फिल्मी दुनिया में कदम रखा। जून 2023 में अभिनेत्री नवाजुद्दीन सिद्दीकी के साथ कंगना रनौत की श्टीकू वेड्स शेरूच में नजर आई थीं। जून 2024 में उन्होंने सनी सिंह के साथ श्लव की अरेंज मैरिजच की। उनकी अपकमिंग फिल्म श्लव इन वियतनामच की घोषणा 2024 के कान फिल्म महोत्सव में की गई थी। यह उपन्यास मैडोना इन ए फर कोट पर आधारित है।

मोनालिसा की लेटेस्ट तस्वीरों ने इंटरनेट पर मचाया बवाल, एक्ट्रेस की बोल्डनेस देख बेकाबू हुए फैंस

भोजपुरी इंडस्ट्री की हॉट क्वीन मोनालिसा हमेशा अपने लेटेस्ट लुक्स से इंटरनेट पर कहर बरपाती रहती हैं। उनकी स्टनिंग अंदाज इंटरनेट पर आते ही तबाही मचाने लगता है। अब हाल ही में एक्ट्रेस मोनालिसा ने अपने लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरें इंस्टाग्राम पर पोस्ट की हैं। इन तस्वीरों में उनका किलर लुक देखकर फैंस एक बार फि से बेकाबू हो गए हैं।एक्ट्रेस मोनालिसा जब भी अपनी फोटोज और वीडियोज इंस्टाग्राम पर पोस्ट करती हैं तो फैंस उनकी तस्वीरों पर अक्सर अपना दिल हार जाते हैं। हाल ही में एक्ट्रेस ने अपने लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरें फैंस के बीच साझा की हैं।इन तस्वीरों में उनका किलर और हॉट अंदाज देखकर फैंस एक बार फिर से उनके हुस्न के कायल हो गए हैं। मोनालिसा की इन फोटोज को आप देख सकते हैं उन्होंने बेहद ही सिजलिंग अंदाज में पोज दिया है।मोनालिसा की इन तस्वीरों में आप देख सकते हैं उन्होंने व्हाइट और रेड कलर का बेहद ही सेक्सी आउटफिट पहना हुआ है, जिसमें वो बेहद ही खूबसूरत और ग्लैमरस नजर आ रही हैं।बता दें कि एक्ट्रेस जब भी अपनी फोटोज इंस्टाग्राम पर पोस्ट करती हैं तो फैंस उनकी तस्वीरों पर अक्सर लाइक्स और कॉमेंट्स करते हुए नहीं थकते हैं।

टश्वपलेस फोटोशूट से लेकर ड्रग्स रैकेट तक, विवादों से रहा है ममता कुलकर्णी का नाता, जानें फिल्मी करियर

ममता कुलकर्णी का बॉलीवुड करियर सफल रहा, उन्होंने छुपा रुस्तम, सेंसर, चाइना गेट, करण अर्जुन, नसीब और तिरंगा जैसी कई हिट फिल्मों में महत्वपूर्ण भूमिकाएँ निभाईं। इन फिल्मों में उनके अभिनय को काफी सराहना मिली और उन्होंने अपने अभिनय और खूबसूरती से दर्शकों के दिलों में खास जगह बना ली।एक समय बॉलीवुड की मशहूर अभिनेत्री रहीं ममता कुलकर्णी एक बार फिर खबरों में हैं। हाल ही में भारत लौटीं, उन्होंने प्रयागराज में महाकुंभ में भाग लिया, जहां उन्होंने न केवल कार्यक्रम में भाग लिया बल्कि संन्यास भी ले लिया। इस आध्यात्मिक दीक्षा के बाद, ममता ने एक नया नाम अपनाया है।

अब से वह यमाई ममता नंद गिरि के नाम से जानी जाएंगी। सालों से लोगों की नजरों से दूर रही ममता की कुल संपत्ति लगभग 10 मिलियन डॉलर (85 करोड़ रुपये) बताई गई है।ममता कुलकर्णी का बॉलीवुड करियर सफल रहा, उन्होंने छुपा रुस्तम, सेंसर, चाइना गेट, करण अर्जुन, नसीब और तिरंगा जैसी कई हिट फिल्मों में महत्वपूर्ण भूमिकाएँ निभाईं। इन फिल्मों में उनके अभिनय को काफी सराहना मिली और उन्होंने अपने अभिनय और खूबसूरती से दर्शकों के दिलों में खास जगह बना ली। हालांकि, अब उन्होंने ग्लैमरस दुनिया से दूर धार्मिक और आध्यात्मिक जीवन अपनाने का फैसला किया है। उद्योग में कुलकर्णी का उदय अचानक हुआ, लेकिन जल्द ही खत्म हो गया। विवाद अभी भी उनका पीछा करते हैं और उनके धीरे-धीरे इंडस्ट्री से दूर होने का एक मुख्य कारण थे। उन्होंने कई बॉलीवुड और दक्षिण भारतीय फिल्मों में काम किया है, जिनमें से कुछ हिट रहीं। पिछले कुछ सालों से कुलकर्णी को स्क्रीन पर कम देखा गया था। उन्होंने 1992 में तिरंगा से अपनी शुरुआत की और आशिक आवारा (1993) में अपनी भूमिका से पहचान हासिल की। 10 साल से भी कम समय में, उन्होंने बॉलीवुड और साउथ में 50 से अधिक फिल्में कीं, जिनमें ज्यादातर उन्होंने प्रेमिका की भूमिकाएं निभाईं और कभी-कभी अपनी कामुक छवि भी निभाई। 1993 में ममता ने स्टारडस्ट मैगजीन के लिए टॉपलेस पोज देकर काफी हलचल मचा दी थी। इस साहसिक कदम के कारण व्यापक प्रतिक्रिया, धमकियाँ और यहाँ तक कि कानूनी परेशानियाँ भी हुईं।फिल्म निर्माता कुलकर्णी को अपने फिल्मी गानों में शामिल करना चाहते थे। कोई जाए तो ले आए घातक, सबसे बड़ा खिलाड़ी से भरो, मांग मेरी भरो और बेताज बादशाह से चूड़ियां बजाऊंगी प्रेम धुन गाऊंगी 90 के दशक में उनके सबसे पसंदीदा ट्रैक में से कुछ बन गए। 1998 में ममता कुलकर्णी और अंडरवर्ल्ड डॉन छोटा राजन के रिश्ते का खुलासा हुआ।

हिन्दी दैनिक विजडम इंडिया
स्वामी,मुद्रक एवं प्रकाशक श्री शील कुमार शुक्ला द्वारा हिन्दुस्तान समाचार फीचर सेवा लि0 ,94, एम0जी0 मार्ग, हजरतगंज, लखनऊ से छपवाकर 633/387,गेहमर कुंज कालोनी, फैजाबाद रोड, चिनहट, लखनऊ उ0प्र0 से प्रकाशित।
सम्पादक-शील कुमार शुक्ला
सभी विवादों का न्याय क्षेत्र लखनऊ मान्य होगा।

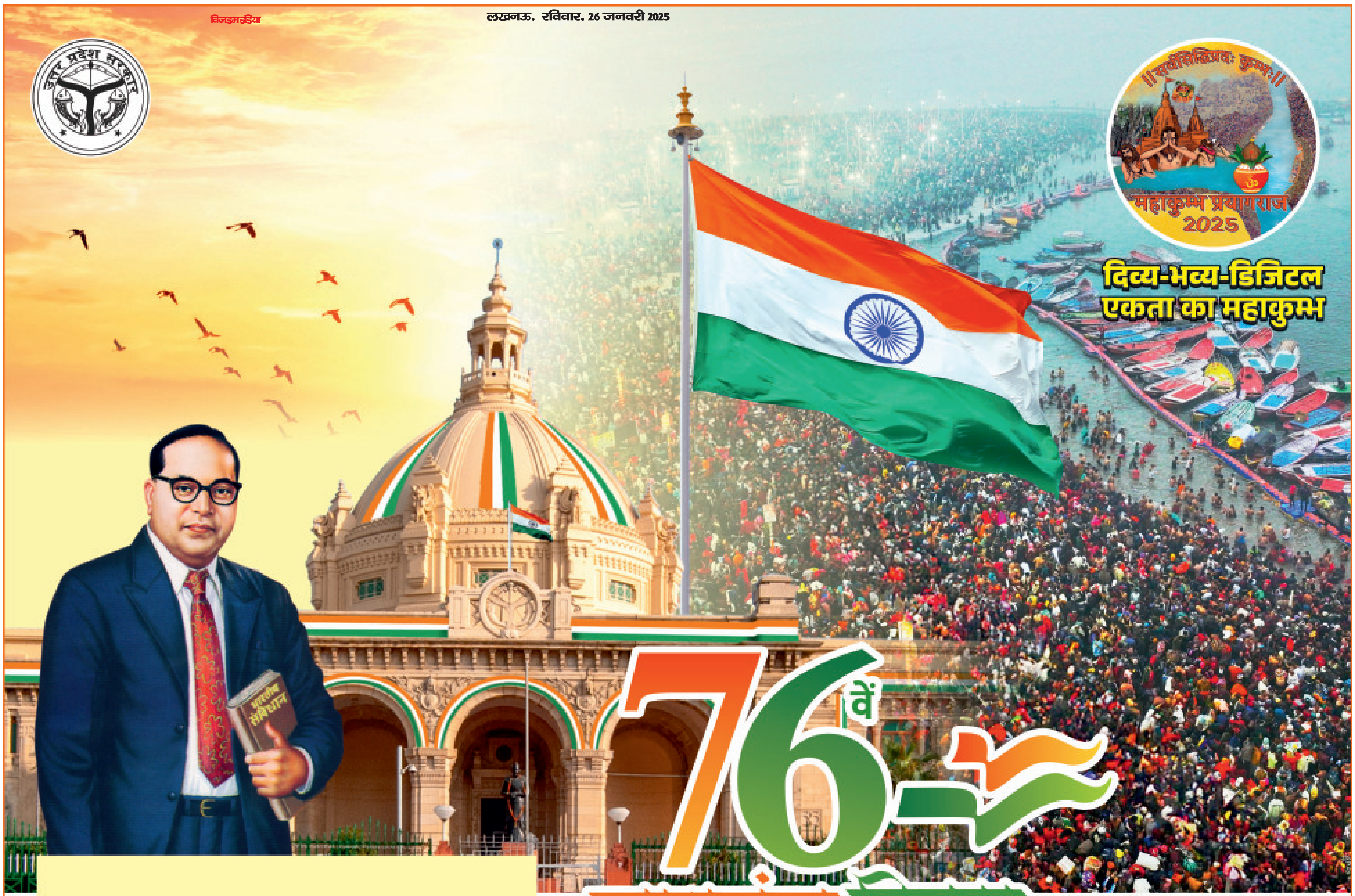

76वें गणतंत्र दिवस की

26 जनवरी, 2025

हार्दिक शुभकामनाएं

संविधान लागू होने के अमृत महोत्सव काल में देश के हर नागरिक के लिए **न्याय, स्वतंत्रता, समानता और बंधुत्व** के मूल्यों को अंगीकृत, अधिनियमित और आत्मार्पित कराने वाले नायक **भारत रत्न बाबासाहेब भीमराव आंबेडकर** को कृतज्ञ राष्ट्र का नमन।

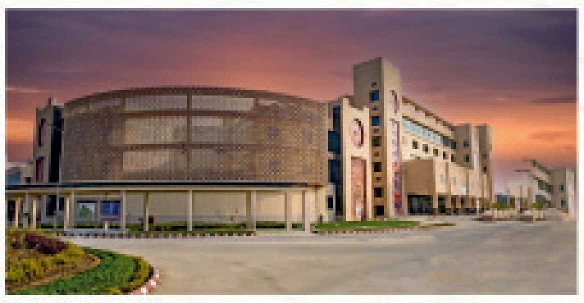

"प्रदेशवासियों को लोकतंत्र एवं सामाजिक समता को सर्वोपरि बनाने वाले **76वें गणतंत्र दिवस** की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं। यह पर्व हमें अमर सेनानियों के स्मरण के साथ ही बाबासाहेब भीमराव आंबेडकर के बनाए संविधान एवं प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के विजन **'विरासत एवं विकास'** के अनुरूप भेदभाव रहित शक्तिशाली आत्मनिर्भर राष्ट्र बनाने के लिए संकल्पित होने की प्रेरणा देता है।"

- योगी आदित्यनाथ, मुख्यमंत्री, उत्तर प्रदेश

सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, उत्तर प्रदेश | UPGovtOfficial CMOUttarpradesh CMOfficeUP mahakumbh_25/ upmahakumbh MahaKumbh_2025 https://kumbh.gov.in/